RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:257। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (शनिवार) 09 मई 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

सुवेंदु बंगाल के सीएम होंगे

राज्यपाल से मिले: सरकार बनाने का दावा पेश किया

आज शपथ लेंगे

एजेंसी
नई दिल्ली । सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए सीएम होंगे। कोलकाता में कन्वेंशन सेंटर में आयोजित विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। बैठक

- **शाह बोले- महिला सुरक्षा टॉप प्रायोरिटी**

के बाद अमित शाह ने उनके नाम का ऐलान किया। इसके बाद सुवेंदु लोकभवन में राज्यपाल से मिले और सरकार बनाने का दावा पेश किया। सुवेंदु आप सुबह 11 बजे कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, शाह समेत NDA के कई बड़े नेता शामिल होंगे।

उधर शाह ने विधायक दल की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि ममता जी के शासन में अपराधी

शाह ने सुवेंदु को माला पहनाई, गले लगाया

राजनेता बन गए तो विकास की गुंजाइश ही नहीं रही। हम घुसपैठ, हिंसा, कट मनी खत्म करेंगे। महिला सुरक्षा टॉप प्रायोरिटी होगी।

शाह के संबोधन की बड़ी बातें

370 हटी तो देश भर में कार्यकर्ताओं में खुशी थी। लेकिन कई कार्यकर्ताओं ने कहा था कि अभी भी एक कसक बची है। उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा का झंडा फहराना है। वो भी आज पूरा हो गया। हमारे विधायकों के जीत का औसत मार्जिन 28 हजार है। 3 से 77 और 77 से 207 की यात्रा अभूतपूर्व है। 9 जिलों में टीएमसी का खाता तक नहीं खुला। भाजपा का वादा है कि बंगाल की जनता को कि न सिर्फ बंगाल, पूरे देश से हम एक-एक घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगे। ये ध्रुवीकरण का मुद्दा नहीं है। ये देश की सुरक्षा का मुद्दा है। भाजपा पर भरोसा करके बंगाल की जनता को प्रचंड विजयी देने के लिए धन्यवाद। बंगाल की जनता ने जो अपेक्षाएं रखी हैं, हम पूरी कोशिश करेंगे कि आपके भरोसे को थोड़ा भी ठेस न पहुंचे।

टीवीके प्रमुख विजय आज 11 बजे लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

एजेंसी
नई दिल्ली । तमिलनाडु में सरकार गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख विजय शुक्रवार को तीसरी बार लोकभवन पहुंचकर राज्यपाल से मिले। विजय द्वारा समर्थन पत्र सौंपने के बाद राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उन्हें सरकार बनाने का न्योता दिया। सूत्रों के अनुसार, यह मुलाकात संक्षिप्त रही। कल सुबह 11 बजे विजय मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

बहुमत के लिए जुटाया समर्थन, कांग्रेस और वाम दलों का साथ

कांग्रेस और वामपंथी दलों से समर्थन मिलने के बाद विजय ने सरकार बनाने का दावा पेश किया। वामपंथी दलों द्वारा बिना शर्त समर्थन देने के कुछ घंटों बाद विजय तीसरी बार राजभवन पहुंचे, उन्होंने सरकार बनाने के जरूरी आंकड़े का समर्थन पत्र सौंपा। टीवीके ने चुनाव में कुल 108 सीटें जीतकर मजबूत प्रदर्शन

गवर्नर ने दिया सरकार बनाने का न्योता

किया है। पार्टी प्रमुख विजय खुद दो सीटों से विजयी हुए हैं, जिसके चलते उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। राज्य में सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 118 सीटों का है। ऐसे में विजय को सरकार गठन के लिए अभी और विधायकों के समर्थन की जरूरत है।

वर्तमान स्थिति के अनुसार, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (CPI), वीसीके और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) (CPI-M) के पास 2-2 विधायक हैं। वहीं कांग्रेस के 5 विधायकों का समर्थन टीवीके को पहले से मिला हुआ है। इन सभी को जोड़ने के बाद भी विजय के पास कुल 118 विधायकों का समर्थन बनता है। माकपा ने आधिकारिक पत्र जारी कर TVK सरकार को समर्थन देने की घोषणा की, जबकि CPI ने 'स्थिर, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक शासन' के नाम पर सशर्त समर्थन दिया। इसके अलावा, कांग्रेस पार्टी ने भी अपने पांच विधायकों का समर्थन विजय को दिया है। इन सभी के समर्थन के बाद टीवीके और उसके सहयोगी विधायकों की कुल संख्या 118 हो जाती है। यह संख्या बहुमत के आंकड़े के करीब है। चुनाव में टीवीके 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार, टीवीके के संस्थापक विजय को उन दो विधानसभा सीटों में से एक से इस्तीफा देना होगा, जिन पर उन्होंने जीत दर्ज की है। विजय ने चेन्नई की पेरांबूर और तिरुचिरापल्ली ईस्ट सीट से चुनाव जीता है।

तमिलनाडु में सरकार में बनाने के लिए भाजपा नहीं देगी टीवीके को समर्थन: नैनार नागेंद्रन

एजेंसी
चेन्नई । तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में इस बार किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला है, हालांकि अभिनेता से राजनेता बने सी. जोसेफ विजय की तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) ने सबसे अधिक 108 सीटें जीत कर सरकार बनाने का दावा किया है। इसी बीच भाजपा ने अपनी हार को स्वीकार करते हुए अगली सरकार में हिस्सा न बनने की घोषणा की है। तमिलनाडु भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने शुक्रवार को आधिकारिक बयान जारी कर किसी को समर्थन न देने की बात कही। नैनार नागेंद्रन ने कहा, 'भाजपा तमिलनाडु की जनता के कल्याण और प्रगति के लिए प्रतिबद्ध है और उसने चुनाव प्रक्रिया में भी पूरे उत्साह के साथ भाग लिया था। चुनाव परिणामों को हमारी पार्टी ने सहर्ष स्वीकार किया है और हमारा मानना ??है कि तमिलनाडु की जनता ने भाजपा को सरकार बनाने का कोई जनादेश नहीं दिया है।' भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, 'हम तमिलनाडु की जनता की इच्छा और जनादेश का सम्मान करते हैं ।

मोदी पहली बार करेंगे टिहरी का दौरा

1000 मेगावाट परियोजना का करेंगे लोकार्पण

एजेंसी
टिहरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहली बार उत्तराखंड के टिहरी जिले के दौरे पर पहुंच सकते हैं। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मई के अंतिम सप्ताह अथवा जून के प्रथम सप्ताह में प्रधानमंत्री टिहरी पहुंचकर देश की महत्वपूर्ण 1000 मेगावाट क्षमता वाली टिहरी पंप स्टोरेज परियोजना का लोकार्पण करेंगे। इस संभावित दौरे को लेकर शासन और प्रशासन स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री का यह दौरा राजनीतिक से अधिक विकास और ऊर्जा क्षेत्र की उपलब्धियों पर केंद्रित रहेगा। टिहरी पंप स्टोरेज परियोजना को देश की सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा

परियोजनाओं में माना जा रहा है। यह परियोजना बिजली उत्पादन के साथ-साथ ऊर्जा भंडारण और राष्ट्रीय ग्रिड संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विशेषज्ञ इसे भविष्य की ऊर्जा जरूरतों के लिहाज से 'गेमचेंजर' मान रहे हैं। इसके अलावा श्री मोदी इस दौरान टिहरी मेडिकल कॉलेज की आधारशिला भी रख सकते हैं तथा क्षेत्र के विकास से जुड़ी कई अन्य योजनाओं की घोषणाएं होने की भी संभावना है। इससे टिहरी सहित आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के नए अवसर विकसित होने की उम्मीद जताई जा रही है।

एक सशक्त भारत वही है, जहां आपदा में जीवन की रक्षा सुनिश्चित हो: राजनाथ सिंह

युद्ध में बढत और दुश्मन से आगे रहने के लिए 'आश्चर्य का तत्व ' विकसित करें कमांडर: राजनाथ

एजेंसी
नई दिल्ली। एक सशक्त भारत वही है, जहां सीमाएं सुरक्षित हों, समुदाय आत्मविश्वासी हों और आपदा के समय हर जीवन की रक्षा सुनिश्चित हो। यह बात शुक्रवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि आज जब हम समस्त भारत के सशक्तिकरण और सुरक्षा की बात करते हैं, तो यह केवल सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं रह जाती, बल्कि यह हमारे समाज, हमारे पर्यावरण और हमारे नागरिकों की सुरक्षा से भी जुड़ जाती है। तिरंगा माउंटेन रेस्क्यू टीम पर्वतीय और हिमस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में बचाव कार्य को अंजाम देती है। टीम भारतीय सेना के साथ मिलकर दुर्गम इलाकों में राहत, बचाव और प्रशिक्षण

का कार्य भी करती है। तिरंगा माउंटेन रेस्क्यू की समर्पित सेवा के 10 वर्ष पूरे होने पर नई दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर में उनकी एक फोटो प्रदर्शनी आयोजित की गई थी। इसका शीर्षक 'राष्ट्र की निशब्द सेवा का

> 'हिमालय जैसे दुर्गम और संवेदनशील क्षेत्र में, तिरंगा माउंटेन रेस्क्यू केवल रेस्क्यू ऑपरेशन तक सीमित नहीं है। बल्कि यह टीम हमारी सेनाओं का सपोर्ट, स्थानीय समुदायों का विश्वास और राष्ट्रीय दृढ़ता का मजबूत स्तंभ भी है।'

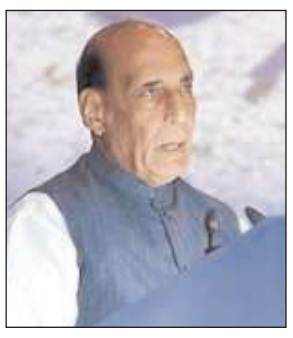

एक दशक' था। प्रदर्शनी में देश के दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों में तिरंगा माउंटेन रेस्क्यू के अभियान से जुड़ी प्रभावशाली तस्वीरें प्रदर्शित की गईं। इन तस्वीरों में संगठन के स्वयंसेवकों के साहस, धैर्य और उनके प्रयासों से प्रभावित लोगों के जीवन की झलक दिखाई गई।

राजनाथ सिंह ने यहां टीम के सदस्यों को संबोधित किया। रक्षा मंत्री का कहना था कि हमें यह समझना होगा कि हिमालय की सुरक्षा और हिमालय में मानव जीवन की सुरक्षा, दोनों एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। यदि हमारे सीमावर्ती क्षेत्र सुरक्षित, समृद्ध और आत्मविश्वासी होंगे, तभी हमारी सीमाएं भी सुदृढ़ होंगी। इसलिए तिरंगा माउंटेन रेस्क्यू जैसे संस्थानों का कार्य केवल बचाव तक सीमित नहीं है।

तमिलनाडु का नया सियासी समीकरण: विजय की सरकार को कांग्रेस-लेफ्ट का साथ; गठबंधन के 'धर्म' पर उठी चर्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चेन्नई/नई दिल्ली। तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़े बदलाव की सुगबुगाहट तेज हो गई है। अभिनेता से नेता बने विजय को कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों के समर्थन के ऐलान के बाद अब सरकार बनाने का रास्ता साफ नजर आ रहा है। हालांकि, इस घटनाक्रम को लेकर कुछ मीडिया हलकों में कांग्रेस और छ्रस्र्य के रिश्तों को लेकर तीखी बहस छिड़ गई है।

गठबंधन का धर्म-सच क्या है ?

मीडिया के एक वर्ग में यह विमर्श चलाया जा रहा है कि कांग्रेस ने DMK के साथ 'विश्वासघात' किया है। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां करती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह स्थिति कांग्रेस द्वारा समर्थन वापस लेने जैसी नहीं है, बल्कि एक सोची-समझती रणनीति का हिस्सा है।

- **त्याग की राजनीति:** चुनाव के दौरान विजय की पार्टी ने कांग्रेस को 75 सीटों का बड़ा ऑफर दिया था, लेकिन कांग्रेस ने गठबंधन की मर्यादा रखते हुए छ्रस्र्य के साथ केवल 28 सीटों पर चुनाव लड़ना स्वीकार किया। यह कदम दर्शाता है कि कांग्रेस ने साझेदारी को व्यक्तिगत लाभ से ऊपर रखा।
- **NDA को रोकने की चुनौती:** मौजूदा परिस्थितियों में कांग्रेस का मुख्य उद्देश्य विजय को NDA (भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन) के पाले में जाने से रोकना है। ऐसे में विजय को समर्थन देना एक स्वाभाविक राजनीतिक कदम माना जा रहा है।

DMK का बड़ा दिल: 'सरकार बनाने में नहीं बनेंगे बाधा'

इस पूरे मामले पर छ्रस्र्य प्रमुख और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन का रुख काफी सकारात्मक रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि DMK सत्ता के लिए किसी भी तरह का गतिरोध पैदा नहीं करना चाहती।

तेलंगाना के वारंगल में 800 साल पुराने काकतीय मंदिर को ध्वस्त करने पर मामला दर्ज

एजेंसी
हैदराबाद। तेलंगाना के वारंगल जिले में एक यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल के निर्माण के लिए 800 साल पुराने काकतीय कालीन शिव मंदिर को बुलडोजर से ढहा दिया गया, जिससे आक्रोश और कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है। खानपुर मंडल के अशोक नगर में हुई इस घटना पर राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण (एनएचए) में शिकायत के बाद केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और पुरातत्व विभाग ने मामला दर्ज कर लिया है। वकील इम्मनेनी रामा राव ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि काकतीय शासक गणपति देव (1199-1262 ईस्वी) के शासनकाल के इस शिव मंदिर को खानापुर मंडल में 'यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल' के निर्माण के लिए भारी मशीनों से नष्ट कर दिया गया।

शिकायत में कहा गया कि अधिकारियों ने 'तेलंगाना हेरिटेज एक्ट' के तहत अनिवार्य 'विरासत संरक्षण समिति' का गठन नहीं किया। कार्यकर्ताओं का तर्क है कि मंदिर को ध्वस्त करने के बजाय उसे किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जा सकता था। रिपोर्टों के अनुसार मंदिर के गर्भगृह को खोदा गया था, जिससे यह संदेह पैदा हो गया है कि ठेकेदार ने नीचे दबे कथित खजाने की तलाश में इसे नष्ट किया होगा। हालांकि जिला प्रशासन ने इन आरोपों का खंडन किय। वारंगल जिला कलेक्टर कार्यालय के अनुसार छह मई को किए गए संयुक्त निरीक्षण में पाया गया कि जमीन पर भारी झाड़ियां और पेड़ उगे हुए थे। प्रशासन का दावा है कि 30 एकड़ भूमि पर घनी वनस्पतियों की सफाई के दौरान केवल एक पुरानी जीर्ण-शीर्ण संरचना के अवशेष मिले थे। ठेकेदार ने किसी भी निर्माण को जानबूझकर नहीं तोड़ा। पुरातत्व विभाग ने पुष्टि की है कि यह संरचना 'संरक्षित स्मारकों' की आधिकारिक सूची में शामिल नहीं थी। वारंगल कलेक्टर डॉ. सत्य शारदा और नरसंपेट विधायक दोंथी माधव रेड्डी ने स्थल का दौरा किया और जनता को आश्वासन दिया कि मंदिर का उसी स्थान पर पुनर्निर्माण किया जाएगा।

ED की रेड: आसमान से बरसे नोट, 9वीं मंजिल से फेंके गए कैश से भरे बैग

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

कोलकाता/नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई के दौरान आज एक ऐसा नजारा देखने को मिला जिसे देखकर लोग दंग रह गए। जैसे ही श्वष्ठ की टीम ने एक आलीशान रिहायशी परिसर में छापेमारी शुरू की, बिल्डिंग की 9वीं मंजिल से अचानक 500-500 के नोटों की बारिश होने लगी।

क्या है पूरा मामला?

मिली जानकारी के मुताबिक, श्वष्ठ की टीम भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में शहर के एक बड़े व्यापारी के ठिकाने पर रेड करने पहुँची थी। जैसे ही अधिकारियों ने दरवाजा खटखटाया, अंदर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। खुद को फंसता देख आरोपियों ने सबूत

मिटाने की कोशिश में कैश से भरे बैग खिड़की से नीचे फेंक दिए।

* **नोटों की बारिश:** बैग फटने के कारण 500-500 के नोट हवा में उड़ने लगे, जिसे देखने के लिए नीचे भारी भीड़ जमा हो गई।

* **हवा में उड़ते करोड़ों:** प्राथमिक अनुमान के अनुसार, बैग में करोड़ों रुपये की नकदी थी जिसे ठिकाने लगाने का यह फिल्मी तरीका अपनाया गया।

सियासी गलियारों में हड़कंप: विपक्ष का हमला

इस छापेमारी ने अब राजनीतिक मोड़ ले लिया है। विपक्ष ने सत्ताधारी दल पर तीखा प्रहार करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं।

'यह सिर्फ एक व्यापारी का पैसा नहीं है। यह भ्रष्टाचार की वो काली कमाई है जो ऊपर तक जाती है। यह व्यापारी मुख्यमंत्री के ओएसडी का बेहद करीबी बताया जा रहा है। जांच की आंच अब बड़े अधिकारियों और सत्ता के गलियारों तक पहुँचनी चाहिए। '

— विपक्ष के नेता

ED के सूत्रों का कहना है कि न केवल नकदी बरामद की गई है, बल्कि कई आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण भी जब्त किए गए हैं। फिलहाल उस 'खास' ओएसडी और व्यापारी के संबंधों की कड़ियों को जोड़ा जा रहा है। क्या यह पैसा किसी बड़े घोटाले का हिस्सा है? या फिर चुनाव से पहले जमा की गई काली कमाई? 'महानगर मेट्रो' की नजर इस खबर की हर अपडेट पर बनी रहेगी।

बुलंदशहर में हाईवे किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी बाइक

पति -पत्नी व तीन बच्चों समेत 5 की मौत

एजेंसी
बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में शुक्रवार को एनएच-34 पर हुए एक हादसे में ट्रक से टकरा कर बाइक सवार माता- पिता और तीन बच्चों व सहित कुल पांच लोगों की मौत हो गयी। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस टीम पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। हादसे का शिकार हुआ परिवार वैष्णो देवी धाम के दर्शन कर लौटा था और रिश्तेदार के घर रुकने के बाद आज अपने गांव लौट रहा था। जानकारी के अनुसार बुलंदशहर में खुर्जा की तरफ से उत्तम सिंह बाइक से पत्नी और तीन बच्चों के साथ बुलंदशहर नगर के धमेड़ा अड्डा की तरफ

अपने घर आ रहे थे। देहात कोतवाली में एनएच-34 पर भंसौली कट के पास बाइक सड़क के किनारे खड़ी ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर ही पांचों की मौत हो गई। मृतकों में उत्तम, उनकी पत्नी उर्मिला, बेटा निशांत, बेटी दिशा और मासूम अनायरा शामिल हैं। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही एसएसपी बुलंदशहर, एसपी सिटी, सीओ और स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच शुरू की । प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हादसे का शिकार हुए कोतवाली नगर क्षेत्र के गांव धानेरा कीरत निवासी 38 वर्षीय उत्तम पुत्र महिपाल सिंह अपनी पत्नी उर्मिला और तीन बच्चों के साथ वैष्णो देवी दर्शन कर वापस आये थे और खुर्जा में अपने एक रिश्तेदार के यहां रुके थे। शुक्रवार को सभी लोग बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान कोतवाली देहात क्षेत्र के भासौली मोड़ के पास यह हादसा हो गया। मौके पर पहुंचे एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया घटना दुर्भाग्यपूर्ण घटित हुई है । इस हादसे में उत्तम सिंह व उनकी पत्नी उर्मिला व तीन बच्चों की मौत हुई है।

केदारनाथ धाम में दर्शनार्थियों की संख्या चार लाख पार

केदारनाथ। केदारनाथ धाम यात्रा 2026 को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन के लिए धाम पहुंच रहे हैं। यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक कुल 4,01,748 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं जिला प्रशासन की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, 8 मई 2026 को सायं 5 बजे तक एक ही दिन में 19,466 श्रद्धालुओं ने केदारनाथ धाम में दर्शन किए। लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए प्रशासन यात्रा व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने में जुटा है। जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग विशाल मिश्रा ने बताया कि यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा के दृष्टिगत यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य सेवाएं, पेयजल, विद्युत, स्वच्छता, यातायात, पार्किंग तथा आपदा प्रबंधन की व्यवस्थाएं लगातार सुदृढ़ की गई हैं। जिला प्रशासन की ओर से यात्रा मार्ग और धाम क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है।

सट्टा जगत के एक अध्याय का अंत

वडोदरा में भीषण आग से मचा हड़कंप

सावली के करचिया रोड स्थित खुले खेत में धधकी आग, दूर-दूर तक दिखाई दी लपटें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा जिले में बुधवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सावली के करचिया रोड स्थित राज इंडस्ट्रियल के पास एक खुले खेत में अचानक भीषण आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसमान में उठता धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर तक दिखाई देने लगा। आग की ऊंची-ऊंची लपटों ने आसपास के इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में पूरा खेत इसकी चपेट में आ गया। अचानक लगी आग से आसपास मौजूद लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। लोग अपने घरों और दुकानों से बाहर निकल आए और घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। आग की भयावहता को देखते हुए स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

सूचना मिलते ही हरकत में आया प्रशासन

घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के लिए युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। दमकल कर्मियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग को फैलने से रोका। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस टीम ने भी मौके पर पहुंचकर हालात को नियंत्रित किया तथा लोगों को सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की।

दूर से दिखाई दी आग की लपटें

स्थानीय लोगों का कहना है कि आग की लपटें इतनी तेज थीं कि उन्हें दूर-दूर तक देखा जा सकता था। खेत के आसपास सूखी घास और ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भय और तनाव का माहौल बन गया।

बड़ी जनहानि टली

सौभाग्यवश इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। हालांकि आग से खेत और आसपास के क्षेत्र में भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन द्वारा आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

लोगों की भीड़ से बढ़ी मुश्किलें

घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए, जिससे राहत कार्य में भी दिक्कतें आईं। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित कर स्थिति सामान्य बनाने का प्रयास किया। फिलहाल प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुटा हुआ है और आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

अमरेली फिर दहला: आठ दिनों में चौथी हत्या से फैली दहशत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमरेली। गुजरात का अमरेली जिला एक बार फिर खूनी वारदात से दहल उठा है। जिले के बाबरा तालुका में करियाणा से जीवापर जाने वाले मार्ग पर एक युवक की निर्मम हत्या कर दी गई, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पिछले आठ से दस दिनों में जिले में हत्या की यह चौथी घटना है, जिसने कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, विंछिया के फुलझर गांव निवासी भरत उगरेजिया अपनी कार से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान करियाणा गांव के पास कुछ अज्ञात हमलावरों ने उनकी गाड़ी को रोक लिया। इसके बाद बदमाशों ने धारदार हथियार से उनके गले पर जानलेवा हमला कर दिया। हमला इतना खौफनाक था कि भरत उगरेजिया ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

दो दिवसीय ध्यान साधना शिविर का सम्पन्न तृष्णाओं के होने से दुःख होता हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डोंगरगांव। तहसील के करुणा बुद्ध विहार ग्राम बेदरकट्टा में दो दिवसीय ध्यान साधना शिविर के पहले व दुसरे दिन भिक्खु धम्मतप जी राजनांदगांव ने भगवान बुद्ध के उपदेशों को रखते हुए तृष्णाओं के होने से दुःख होता हैं, तृष्णा निर्मूलन व त्याग से जीवन कैसे सुखी होता है, जीवन में कैसे बदलाव आता है इस मार्ग को बताए हुए, दुःख है। दुःख का कारण है। दुःख का निवारण है। व दुःख निवारण की ओर ले जाने वाला मार्ग है। इस पर विस्तार पूर्वक शिविरार्थियों को चार आर्य सत्य के मार्ग को बताया हुए बोधिसत्व बाबा साहेब आम्बेडकर के जीवन दर्शन व कार्यों के ऊपर देशना किए। शिविर को सफल बनाने के लिए नेहा ऊके, छाया बोरकर, निरंजना सोनटेके, निर्मला ऊके व संघमित्रा ऊके तथा ग्रामवासियों ने अथक परिश्रम किया।

सट्टा जगत के एक अध्याय का अंत: घनश्याम ढोलिया की अंतिम विदाई में उमड़ा 'खाकी और खादी' का हुजूम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। सट्टा बाजार और अपराध की दुनिया का एक ऐसा नाम, जिसकी कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं थी, वह अब खामोश हो चुका है। 'सट्टा किंग' के नाम से मशहूर घनश्याम ढोलिया के निधन के साथ ही एक पुराने युग का अंत हो गया है। लेकिन चर्चा उनके निधन से ज्यादा उनकी अंतिम क्रिया में जुटी भीड़ को लेकर हो रही है, जहाँ पुलिस महकमे के बड़े चेहरों और दिग्गज राजनेताओं की मौजूदगी ने सत्ता और सट्टे के बीच के बारीक अंतर को उजागर कर दिया है।

लतीफ से दुश्मनी और 'मटका किंग' बनने का सफर

80 और 90 के दशक में जब अहमदाबाद की गलियों में खूंखार डॉन अब्दुल लतीफ की तूती बोलती थी, तब उसे सीधी चुनौती देने वाला कोई और नहीं बल्कि घनश्याम ढोलिया ही था। लतीफ के साथ उनकी रंजिश की कहानियाँ आज भी अंडरवर्ल्ड के गलियारों में सुनी जाती हैं। जानकारों की मानें तो ढोलिया ने न केवल लतीफ के दबदबे को ललकारा, बल्कि अपने तेज दिमाग और मजबूत नेटवर्क के दम पर गुजरात के सट्टा और मटका बाजार पर अपना एकछत्र साम्राज्य स्थापित किया।

फिल्मी स्टाइल की लाइफस्टाइल और रसूख

घनश्याम ढोलिया का व्यक्तित्व पूरी तरह से एक 'लार्जर दैन लाइफ' कैरेक्टर जैसा था। छोटे से सट्टे से शुरुआत कर करोड़ों के साम्राज्य तक पहुँचने का उनका सफर पेचीदा था। उनके संपर्क केवल सट्टा बाजार तक सीमित नहीं थे; सिस्टम में बैठे लोगों तक उनकी सीधी पहुँच थी। यही कारण था कि कई बार विवादों में रहने के बावजूद उनका 'नेटवर्क' कभी कमजोर नहीं हुआ। अंतिम यात्रा में 'लाइन' में लगे रसूखदार ढोलिया की अंतिम क्रिया के दौरान जो दृश्य देखने को मिले, उन्होंने शहर में नई चर्चा छेड़ दी है। एक अपराधी और सट्टा किंग की विदाई में पुलिस अधिकारियों और राजनेताओं की लंबी कतार ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या यह केवल एक सामाजिक रिश्ता था या फिर पर्दे के पीछे की कोई गहरी सांठगांठ? महानगर मेट्रो की पड़ताल बताती है कि ढोलिया का प्रभाव हर उस तबके में था, जहाँ सत्ता और रसूख की जरूरत होती थी। एक युग का ढलना अब्दुल लतीफ के खात्मे के बाद गुजरात की अंडरवर्ल्ड हिस्ट्री में जिसने अपनी समांतर सत्ता बनाए रखी, वह नाम अब इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है। घनश्याम ढोलिया की मौत ने सट्टा जगत में एक बड़ा शून्य पैदा कर दिया है, जिसे भरने के लिए आने वाले समय में नए समीकरण देखने को मिल सकते हैं।

तमिलनाडु में राजनीतिक गतिरोध: सबसे बड़ी पार्टी बनकर भी 'विजय' की राह में रोड़ा, राज्यपाल के फैसले पर घमासान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

तमिलनाडु। सियासत में इन दिनों हाई-वोल्टेज ड्रामा चल रहा है। सुपरस्टार से राजनेता बने थलपति विजय की पार्टी तमिझगा वेत्री कड़गम (ञक्क्य) विधानसभा चुनाव में सबसे बड़े दल के रूप में उभरकर सामने आई है, लेकिन सत्ता की दहलीज तक पहुँचने के लिए 'बहुमत' का आंकड़ा अभी भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। विजय ने दो बार राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया, लेकिन राजभवन की 'ना' ने राज्य में संवैधानिक संकट खड़ा कर दिया है।

राजभवन की दलील: 118 का जादुई आंकड़ा कहाँ है?

राज्यपाल और विजय के बीच बढ़ते तनाव ने राज्य की राजनीति को गरमा दिया है। अभिनेता विजय अब तक दो बार राज्यपाल से मिल चुके हैं, लेकिन राज्यपाल ने उन्हें सरकार बनाने का न्योता देने से साफ इनकार कर दिया है। राजभवन का तर्क स्पष्ट है– सरकार बनाने के लिए आवश्यक 118 विधायकों का समर्थन पत्र विजय के पास मौजूद नहीं है। दूसरी ओर, टीवीके समर्थकों का आरोप है कि सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते लोकतांत्रिक परंपरा के अनुसार पहला मौका विजय को ही मिलना चाहिए।

मैदान में उतरी कांग्रेस: विजय को समर्थन, सड़क पर संग्राम इस पूरे विवाद में अब कांग्रेस की एंट्री ने आग में घी डालने का काम किया है। कांग्रेस ने विजय की पाटी TVK' को अपना बिना शर्त समर्थन देने का ऐलान किया है। समर्थन मिलने के बाद विजय का पलड़ा भारी तो हुआ है, लेकिन विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा।

आज तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल के रुख के खिलाफ उग्र विरोध-प्रदर्शन किया। कांग्रेस का आरोप है कि राज्यपाल केंद्र के इशारे पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बाधा डाल रहे हैं।

विजय की अग्निपरीक्षा: गठबंधन या संघर्ष विजय के लिए यह फिल्म के किसी क्लाइमेक्स जैसा मोड़ है। सबसे बड़ा दल होने के बावजूद

बहुमत की कमी ने उन्हें गठबंधन की राजनीति की पिच पर खेलने को मजबूर कर दिया है। क्या विजय अन्य क्षेत्रीय दलों को साथ पाएंगे? या फिर तमिलनाडु में राष्ट्रपति शासन की आहट सुनाई देगी?

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि राज्यपाल सबसे बड़ी पार्टी को मौका नहीं देते हैं, तो यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक जा सकता है। तमिलनाडु की जनता की नजरें अब राजभवन की अगली हलचल पर टिकी हैं।

माईनिंग अधिकारी बनकर खुद को पत्रकार बता कर वसूली करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डोंगरगांव। क्षेत्र में खुद को माइनिंग अधिकारी और पत्रकार बताकर अवैध तरीके से उगाही करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने पकड़ने में सफलता प्राप्त की है पुलिस सूत्रों से मेरी जानकारी के अनुसार राजनांदगांव पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव श्रीमती अंकिता शर्मा के निर्देशन में अवैध गतिविधियों एवं अवैध वसूली करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती मंजूलता बाज के मार्गदर्शन में थाना डोंगरगांव पुलिस द्वारा फर्जी माईनिंग अधिकारी बनकर वसूली करने वाले तीन आरोपियों के विरुद्ध त्वरित कार्यवाही की गई। दिनांक 07.05.2026 को थाना डोंगरगांव में प्रार्थी रामसिंह राजपूत पिता डेरा सिंह राजपूत, निवासी ग्राम दर्री, थाना डोंगरगांव, जिला राजनांदगांव द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वह ट्रांसपोर्टिंग एवं जेसीबी कार्य का व्यवसाय करता है। प्रार्थी द्वारा ग्राम आमगांव स्थित किसान यशवंत साहू के खेत में जेसीबी एवं ट्रैक्टर के माध्यम से खेत मरम्मत एवं मिट्टी समतलीकरण का कार्य कराया जा रहा था। कार्य के दौरान दोपहर लगभग 02:58 बजे स्विफ्ट कार क्रमांक सीजी 04 पीएन 1413 में सवार तीन व्यक्ति रवि शर्मा, रेहाना बेगम एवं शेख अरमान मौके पर पहुंचे। आरोपियों ने स्वयं को माईनिंग विभाग का अधिकारी बताते हुए प्रार्थी एवं उसके ड्राइवर तनुज कुमार को अवैध खनन करने का आरोप लगाकर डरा-धमकाया तथा कार्यवाही एवं बदनाम करने की धमकी देकर 10,000 रुपये की मांग की। भयवश प्रार्थी द्वारा मोबाइल फोन के माध्यम से आरोपी के मोबाइल नंबर पर 6,000 रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर किया गया। घटना की सूचना प्राप्त होने पर थाना डोंगरगांव पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए कुमरदा पेट्रोल पंप के पास उक्त स्विफ्ट वाहन में सवार तीनों संदिग्ध रवि शर्मा, रेहाना बेगम एवं शेख अरमान व्यक्तियों को पकड़ा गया। पुलिस के द्वारा पुछताछ करने पर रेहाना बेगम द्वारा खुद को पत्रकार बताया गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध थाना डोंगरगांव में धारा 204 ,308(2), 3(5) बीएनएस मे अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। उक्त कार्यवाही में प्रशिक्षु आईपीएस आदित्य कुमार, निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर, उप निरीक्षक पुष्पराज साहू, सउनि अनिल यादव यादव एवं आरक्षक हेमंत सुर्यवंशी, आरक्षक बीसराम वर्मा, महिला आरक्षक अभिलाषा सिंह, महिला आरक्षक राजकुमारी रत्नाकर की भूमिका महत्वपूर्ण रही। राजनांदगांव पुलिस द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि कोई भी व्यक्ति यदि स्वयं को शासकीय अधिकारी बताकर अवैध वसूली अथवा धमकी देता है तो तत्काल नजदीकी थाना अथवा पुलिस कंट्रोल रूम में सूचना दें। पुलिस द्वारा ऐसे मामलों में सख्त कार्यवाही की जाएगी।

सूरत डिस्ट्रिक्ट LCB पुलिस ने ओलपाड के ऐरथन गांव के बॉर्डर पर एक फार्महाउस में जुए के अड्डे पर छापा मारा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। पुलिस टीम ने ओलपाड तालुका के ऐरथन गांव के बॉर्डर पर एक फार्महाउस में जुए के अड्डे पर छापा मारा और मुख्य संदिग्ध समेत 08 जुआरियों को गिरफ्तार किया और कुल 84,600 रुपये कैश ज़ब्त किया। सूरत जिला LCB पुलिस टीम शुक्रवार, 08 तारीख को ओलपाड पुलिस स्टेशन की सीमा में पेट्रोलिंग कर रही थी, जब पुलिस टीम को एक जॉइंट इंटेलिजेंस रिपोर्ट मिली कि भावेश हिम्मत सोलंकी (निवासी: कपोदरा-सूरत सिटी) ने ऐरथान गांव के बाहरी इलाके में फार्म नंबर 32, 'द मेपल फार्म हाउस' में एक फार्म हाउस किराए पर लिया है और इस फार्म हाउस में पैसे से गंजीपाना हारजीत का गेम खेलने के लिए बाहर से लोगों को बुलाया है और अभी भी जुआ खेल रहा है। इंटेलिजेंस के बाद, पुलिस ने जुए के अड्डे पर छापा मारा और मुख्य आरोपी समेत 08 आरोपियों को गेम खेलते हुए गिरफ्तार किया। पुलिस ने जुए के अड्डे से 54,100 रुपये कैश, 30,500 रुपये कीमत का मोबाइल फोन नंबर 6, और 84,600 रुपये कीमत का दूसरा कीमती सामान, साथ ही जुए की शर्तें, कुल 84,600 रुपये जब्त किए। इस जुर्म में, पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ गैंबलिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया है और आगे की जांच कर रही है। बॉक्स मैटर 08 आरोपी जुआ खेलते पकड़े गए जुआ अड्डे से पकड़े गए ज़्यादातर जुआरी असल में सौराष्ट्र के अलग-अलग ज़िलों के हैं और चार जुआरी ज़्यादा उम्र के हैं। जिनमें से (1) संजय लालजी उर्फ़ भीखाभाई सोजिया (उम्र 42) जूनागढ़ ज़िले के अभी रह रहे हैं: रूहश्र: 202, ओपेश पैलेस, लसकाना, ञ्रड्ड. कामरेज (2) नितिनभाई लिम्बाभाई देसाई, राजकोट ज़िले से- उम्र 60 (3)परसोत्तम भीमजीभाई पटेल (उम्र 60) भावनगर ज़िले से अभी रहते हैं: 69, श्रीनाथजी बंगलोज़, राजहंस टॉवर के सामने, मोटा वराछा (4) दिलीपभाई मोहनभाई मुलानी, भावनगर ज़िले से अभी रहते हैं: B-y, प्रमुख पार्क, योगी चौक-सूरत शहर (5) भावेश हिम्मत सोलंकी (देवी पूजक) अमरेली ज़िले से (32 साल, अभी रहते हैं: 384, भागीरथ सोसाइटी, कपोदरा-सूरत शहर (6) नितेश प्रफुलभाई उमरेतिया (34 साल), अभी रहते हैं: 165, रुक्ष्मणी सोसाइटी, पुणे गांव-सूरत शहर (7) भावेश कनुभाई वसोया (44 साल), अभी रहते हैं: 104, गोकुल कॉम्प्लेक्स'अमरोली-सूरत शहर और रसिकभाई मनसुखभाई जीवनी (57 साल), अभी रहते हैं:

बंगाल में औद्योगिक क्रांति की सुगबुगाहट: अमित शाह के 'बंद फैक्ट्री' वाले बयान से सियासी हलचल तेज

जूनी बाली में सजी 'रात्रि चौपाल': प्रभारी मंत्री ने सुनी ग्रामीणों की फरियाद, अधिकारियों को दिए मौके पर ही समाधान के सख्त निर्देश '

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जूनी। भीनमाल विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जूनी बाली में राज्य सरकार की जन-सुनवाई पहल के तहत 'रात्रि चौपाल' एवं 'ग्राम रथ यात्रा' का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सत्ता और प्रशासन के शीर्ष चेहरे एक साथ ग्रामीणों के बीच पहुंचे, जिससे गांव में भारी उत्साह देखा गया।

मौके पर ही समाधान के निर्देश जिला प्रभारी मंत्री के.के. विश्नोई, भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित और जिला कलेक्टर प्रदीप के. गवांडे की मौजूदगी में आयोजित इस चौपाल में ग्रामीणों ने पानी, बिजली, सड़क और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं की झड़ी लगा दी। प्रभारी मंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए मौके पर मौजूद विभागीय अधिकारियों को फटकार लगाते हुए समस्याओं के त्वरित निस्तारण के कड़े निर्देश दिए।

अंतिम छोर तक पहुंचेगा लाभ: प्रभारी मंत्री

संबोधन के दौरान प्रभारी मंत्री के.के. विश्नोई ने कहा, 'हमारी सरकार केवल घोषणाएं करने वाली सरकार नहीं है, बल्कि धरातल पर काम करने वाली सरकार है। अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति को योजना का लाभ पहुंचाना ही हमारा संकल्प है।' वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित ने ग्राम रथ यात्रा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कैसे यह यात्रा पात्र परिवारों को योजनाओं से जोड़कर उन्हें आर्थिक और सामाजिक संबल प्रदान कर रही है। प्रशासन और जनता के बीच बढ़ी नजदीकी

कलेक्टर प्रदीप के. गवांडे ने प्रशासनिक पारदर्शिता पर जोर दिया। चौपाल में जिला संगठन प्रभारी महेंद्र मेघवाल सहित दानाराम चौधरी, शेखर व्यास और हिंगलाजदान चारण जैसे दिग्गज नेताओं की उपस्थिति रही। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से प्रशासन के चक्कर काटने की मजबूरी खत्म हो रही है। कार्यक्रम में भारी संख्या में मातृशक्ति और युवा मौजूद रहे।

बंगाल में औद्योगिक क्रांति की सुगबुगाहट: अमित शाह के 'बंद फैक्ट्री' वाले बयान से सियासी हलचल तेज

बंगाल में बंद पड़े कारखानों को संजीवनी मिलने की चर्चा तेज: युवाओं में जगी रोजगार की आस, या यह है सिर्फ चुनावी दांव?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर 'विकास और रोजगार' का मुद्दा केंद्र में आ गया है। सोशल मीडिया पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हवाले से किए जा रहे दावों ने राज्य के सियासी गलियारों और चाय की चर्चाओं को गर्मा दिया है। वायरल दावों के मुताबिक, अमित शाह ने बंगाल में वर्षों से बंद पड़ी फैक्ट्रियों और उद्योगों को पुनर्जीवित करने का खाका पेश किया है। इस खबर के बाद बंगाल के युवाओं में भविष्य को लेकर एक नई उम्मीद और बहस छिड़ गई है।

रोजगार की उम्मीद या चुनावी दांव?

सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को लेकर दो धड़े बन गए हैं। एक वर्ग का मानना है कि यदि केंद्र सरकार की पहल से बंगाल के बंद कारखाने फिर से शुरू होते हैं, तो यह राज्य के युवाओं के लिए 'गेम चेंजर' साबित होगा। वर्षों से पलायन कर रहे बंगाल के स्किल्ड लेबर और प्रोफेशनल्स को अपने ही राज्य में नौकरी के अवसर मिल सकेंगे। वहीं, दूसरा वर्ग इसे आगामी चुनावों से पहले एक और 'राजनीतिक वादा' करार दे रहा है।

मजदूर यूनियनों और युवाओं की नजर

बंगाल की बंद पड़ी जूट मिलों और भारी उद्योगों की स्थिति लंबे समय से चिंता का विषय रही है। वायरल दावों में कहा जा रहा है कि केंद्र सरकार एक विशेष पैकेज या नीति के माध्यम से इन औद्योगिक इकाइयों को दोबारा पटरी पर लाने की योजना बना रही है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन चर्चाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बंगाल की जनता अब केवल पहचान की राजनीति नहीं, बल्कि ठोस विकास चाहती है।

सोशल मीडिया पर छिड़ा 'डिजिटल वॉर'

ट्विटर (ङ्क) और फेसबुक पर #BengalDevelopment और #IndustrialGrowth जैसे हैशटैग ट्रेंड कर रहे हैं। यूज़र्स अपनी राय रखते हुए कह रहे हैं कि बंगाल में प्रतिभा की कमी नहीं है, बस सही औद्योगिक वातावरण की जरूरत है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि भाजपा इस मुद्दे को धरातल पर उतारने में सफल रहती है, तो यह बंगाल के राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह बदल सकता है।

पुलिस ने ओलपाड के वडोद गांव की सीमा से 3.14 लाख रुपये की विदेशी शराब ज़ब्त की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

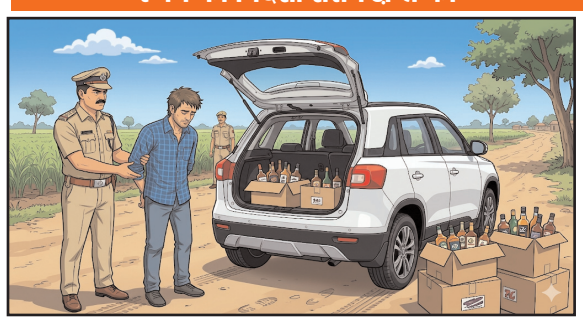

सूरत। पुलिस टीम ने पेट्रोलिंग के दौरान ओलपाड तालुका के वडोद गांव की सीमा में एक ब्रेज़ा कार से 3.14 लाख रुपये की विदेशी शराब की तस्करी कर रहे एक बूटलेगर को पकड़ा। पुलिस ने बूटलेगर को विदेशी शराब सप्लाई करने वाले अनजान व्यक्ति को इस जुर्म में वॉन्टेड घोषित किया और कुल 5,19,400 रुपये कैश ज़ब्त किया। सूरत रूरल LCB ब्रांच के AHCO अनिलसिंह विक्रमसिंह की टीम गुरुवार, 07 तारीख को ओलपाड पुलिस स्टेशन की सीमा में पेट्रोलिंग कर रही थी। उस समय सूचना मिली कि वडोद गांव की सरहद में करमाला और कोसम की ओर जाने वाली सड़क पर एक मारुति ब्रेज़ा कार चालक कार से विदेशी शराब बेच रहा है. जिस सूचना के बाद पुलिस टीम ने छापेमारी कर मारुति ब्रेज़ा कार क्रमांकः GJ-05, R.D-6817 से विदेशी शराब क्रमांक-1260 की छोटी और बड़ी बोतलें बरामद की, जिनकी कीमत 3,14,400 रुपये है. साथ ही कार चालक हितेश महादेव पटेल (उम्र 32) निवासी अहिरवास, पिंजरत गांव, ता. ओलपाड को गिरफ्तार किया गया. पुलिस ने घटनास्थल से विदेशी शराब के साथ ही 2,00,000 रुपये कीमत की कार, 5,000 रुपये कीमत का एक मोबाइल फोन क्रमांक-01 कुल 5,19,400 रुपये जब्त किया. वहीं पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपी हितेश पटेल से पूछताछ की गई तो उसने विदेशी शराब की आपूर्ति करने वाले व्यक्ति का मोबाइल नंबर दिया और कहा कि वह इस व्यक्ति का नाम और पता नहीं जानता. इसलिए पुलिस ने उसे वॉन्टेड घोषित कर दिया और दोनों के खिलाफ कानूनी केस दर्ज कर लिया। आगे की जांच कीम पुलिस स्टेशन के PI पी.पी. सरवैया कर रहे हैं।

जूनी चौपालः प्रभारी मंत्री की अधिकारियों को फटकार, मौके पर हुआ समस्याओं का समाधान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

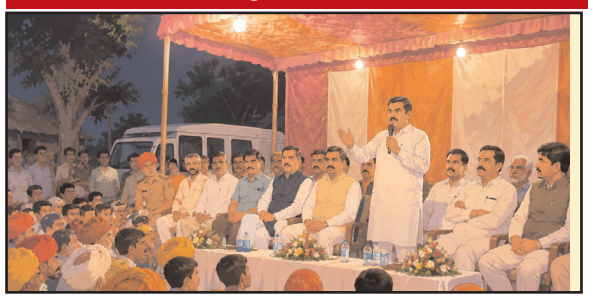

जूनी । जिला प्रभारी मंत्री के.के. विश्नोई, भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित और जिला कलेक्टर प्रदीप के. गवांडे की मौजूदगी में आयोजित इस चौपाल में ग्रामीणों ने पानी, बिजली, सड़क और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं की झड़ी लगा दी। प्रभारी मंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए मौके पर मौजूद विभागीय अधिकारियों को फटकार लगाते हुए समस्याओं के त्वरित निस्तारण के कड़े निर्देश दिए।

अंतिम छोर तक पहुंचेगा लाभः प्रभारी मंत्री

संबोधन के दौरान प्रभारी मंत्री के.के. विश्नोई ने कहा, 'हमारी सरकार केवल घोषणाएं करने वाली सरकार नहीं है, बल्कि धरातल पर काम करने वाली सरकार है। अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति को योजना का लाभ पहुंचाना ही हमारा संकल्प है।' वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित ने ग्राम रथ यात्रा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कैसे यह यात्रा पात्र परिवारों को योजनाओं से जोड़कर उन्हें आर्थिक और सामाजिक संबल प्रदान कर रही है। प्रशासन और जनता के बीच बढ़ी नजदीकी कलेक्टर प्रदीप के. गवांडे ने प्रशासनिक पारदर्शिता पर जोर दिया। चौपाल में जिला संगठन प्रभारी महेंद्र मेघवाल सहित दानाराम चौधरी, शेखर व्यास और हिंगलाजदान चारण जैसे दिग्गज नेताओं की उपस्थिति रही। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से प्रशासन के चक्कर काटने की मजबूरी खत्म हो रही है। कार्यक्रम में भारी संख्या में मातृशक्ति और युवा मौजूद रहे।

हाफूस आम की मधुर सेवा से गौमाता का हुआ सत्कार।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। (निप्र)-श्री राजेन्द्र सूरी जी महाराजा के द्विशताब्दी जन्मोत्सव वर्ष के पावन अवसर पर अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद्, शाखा नागदा के तत्वावधान में परम गुरुभक्त परिवार द्वारा गोपाल गौशाला में मूक पशुओं (गायों) की सेवा हेतु विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर गौशाला में गायों को हाफूस आम की 12 पेटियाँ (12म24) अत्यंत श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ खिलाई गईं। कार्यक्रम में श्रीसंघ के अनेक पदाधिकारी, सदस्य एवं समाजजन उपस्थित रहे। सभी ने जीवदया एवं सेवा के इस पुण्य कार्य में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। इस अवसर पर परिषद के मीडिया प्रभारी ब्रजेश बोहरा, शाखा अध्यक्ष दिलीप जैन, मनोज वागरेचा, नितिन बुडावन वाला, पारस पोखरना, बंटी पोरवाल, राजू राव, सुरेश सोनी, वीरू बैरागी, आनंद वर्मा, पप्पू कोचर, प्रवीण पोरवाल लोकुमल खत्री, हर्षद शुक्ला, आनंद वर्मा, कमलेश शर्मा पंडितजी, जयंती चंडालिया सहित अन्य गौसेवक उपस्थित रहे।गौशाला में यद्वीक सोलंकी का जन्मदिन भी गौसेवा कर नानाजी मांगीलाल पांचाल द्वारा मनाया गया एवं स्व.श्रेणीकलालजी की पुण्यस्मृति में दिनेश ओरा जैन मोटर्स द्वारा गौ सेवा की गई। उपस्थितजनों ने कहा कि मूक पशुओं की सेवा करना सच्ची मानवता एवं धर्म आराधना का प्रतीक है। सेवा कार्य के माध्यम से सभी ने गुरु भगवंत के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए जीवमात्र के प्रति करुणा का संदेश दिया। अंत में परिषद परिवार की ओर से मनोज वागरेचा द्वारा लाभार्थी व परम गुरूभक्त परिवार व उपस्थित सभी गौ सेवको का आभार व्यक्त किया गया। दिनांक 08/05/2026 नितिन बुडावनवाला मीडिया प्रभारी मो. 9039248711 नागदा से जीवनलाल जैन की रिपोर्ट।9179662633

रक्त रंजित बंगालः सुवेंदु अधिकारी के करीबी PA की सरेआम हत्या,

बंगालः सुवेंदु अधिकारी के PA की हत्या, सामने आया 'सूरत कनेक्शन'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा और राजनीतिक हत्याओं का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्य में भाजपा के दिग्गज नेता और विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के सबसे विश्वसनीय निजी सहायक (PA) चंद्रनाथ रथ की बुधवार (6 मई) को गोली मारकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस घटना ने न केवल बंगाल, बल्कि गुजरात की राजनीति में भी शोक और हड़कंप मचा दिया है।

हत्या से कुछ घंटे पहले 'सूरत कनेक्शन'

इस हत्याकांड का एक चौंकाने वाला पहलू यह है कि अपनी मौत से महज कुछ घंटे पहले चंद्रनाथ रथ ने सूरत के वरिष्ठ भाजपा नेता और भवानीपुर विधानसभा के प्रभारी डॉ. प्रकाश चंद्र के साथ समय बिताया था।

डॉ. प्रकाश चंद्र पिछले 110 दिनों से बंगाल में चुनाव प्रभारी के रूप में सक्रिय हैं। उन्होंने भारी मन से इस घटना की जानकारी साझा की।

घटनाक्रमः आखिरी मुलाकात और खौफनाक रात

- शाम की चाय और रणनीतिः बुधवार शाम को चंद्रनाथ रथ और डॉ. प्रकाश चंद्र ने एक साथ बैठकर चाय पी थी।
- **महत्वपूर्ण बैठकः** दोनों नेता चुनाव रणनीति को लेकर आयोजित एक अहम कॉन्फ्रेंस मीटिंग में शामिल थे।
- **अंतिम विदाईः** रात करीब 10:30 बजे बैठक समाप्त होने के बाद दोनों ने एक-दूसरे से विदा ली।
- **हमलाः** मीटिंग से घर लौटते समय रास्ते में घात लगाकर बैठे हमलावरों ने चंद्रनाथ रथ पर गोलियां बरसा दीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

'मेरे लिए यह यकीन करना मुश्किल है' डॉ. प्रकाश चंद्र

'हम रात साढ़े दस बजे तक साथ थे। हमने चुनाव की बारीकियों पर चर्चा की। वह बहुत ऊर्जावान और समर्पित व्यक्ति थे। उनके जाने के कुछ ही समय बाद यह खबर मिलना दिल दहला देने वाला है।' – डॉ. प्रकाश चंद्र (प्रभारी, भवानीपुर विधानसभा)

बंगाल में बढ़ता तनाव

सुवेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी की हत्या के बाद राज्य में राजनीतिक पारा चढ़ गया है। भाजपा ने इसे तृणमूल कांग्रेस (TMC) की साजिश करार दिया है, जबकि पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इस घटना ने एक बार फिर बंगाल में चुनाव के दौरान कार्यकर्ताओं और सहायकों की सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

शुभेंदु अधिकारी विधायक दल के नेता चुने गए आज लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ महानगर मेट्रो की खबर पर मुहर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनावी रंजिश और राजनीतिक हत्याओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्य के दिग्गज भाजपा नेता और नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी के सबसे भरोसेमंद निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की बुधवार (6 मई) को बेरहमी से गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस निर्मम हत्याकांड ने बंगाल की राजनीति में भूचाल ला दिया है, वहीं इस घटना के तार गुजरात के सूरत से जुड़ने के कारण वहां के सियासी गलियारों में भी शोक और हड़कंप का माहौल है। हत्या से ठीक पहले का 'सूरत कनेक्शन' इस पूरी घटना में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया है कि अपनी दर्दनाक मौत से महज कुछ घंटे पहले चंद्रनाथ रथ ने सूरत के वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. प्रकाश चंद्र** के साथ समय बिताया

था। डॉ. प्रकाश चंद्र पिछले 110 दिनों से बंगाल में भवानीपुर विधानसभा के चुनाव प्रभारी के रूप में सक्रिय हैं। उन्होंने बेहद भारी मन से इस खौफनाक रात की पूरी जानकारी साझा की है। उस खौफनाक रात का सिलसिलेवार घटनाक्रम शाम की चाय और रणनीतिक चचाःबुधवार की शाम चंद्रनाथ रथ और डॉ. प्रकाश चंद्र एक साथ मौजूद थे। दोनों ने साथ बैठकर चाय पी और राजनीतिक हालात पर चर्चा की। अहम कॉन्फ्रेंस में हुए शामिलः इसके बाद दोनों नेता चुनाव रणनीति को लेकर आयोजित एक बेहद महत्वपूर्ण कॉन्फ्रेंस मीटिंग में शामिल हुए, जहां आगामी चुनाव की रूपरेखा पर मंथन किया गया। रात 10:30 बजे अंतिम विदाईः यह बैठक देर रात करीब 10:30 बजे तक चली। बैठक समाप्त होने के बाद दोनों ने एक-दूसरे से विदा ली और अपने-अपने गंतव्य के लिए निकल गए। घात लगाकर बैठे थे हत्यारे मीटिंग से अपने घर लौटते समय रास्ते में पहले से घात लगाकर बैठे अज्ञात हमलावरों ने चंद्रनाथ रथ की गाड़ी को घेर लिया और उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। इस जानलेवा हमले में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। यकीन करना मुश्किल है' - छलका डॉ. प्रकाश चंद्र का दर्द भवानीपुर विधानसभा के प्रभारी डॉ. प्रकाश चंद्र इस घटना से गहरे सदमे में हैं। उन्होंने अपना दुख व्यक्त करते हुए कहाः मेरे लिए यह यकीन करना बेहद मुश्किल है।

रेत का अवैध भण्डारण से परिवहन करने पर 2 माजदा जप्त बरसात के पहले डंपिंग का खेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव. कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा जिले में खनिज का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में खनिज विभाग द्वारा कुमरदा एवं डोंगरगांव अंतर्गत आने वाले शिवनाथ नदी किनारे स्थित ग्राम मोतीपुर, नांदिया, धनगांव का निरीक्षण कर ग्रामीणों की उपस्थिति में जांच की गई। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम मोतीपुर स्थित शिवनाथ नदी से रेत खनन कर लगभग 500 मीटर दूरी पर पानी टंकी के पास लगभग 18 ट्रिप माजदा में खनिज रेत का अवैध भण्डारण पाया गया। क्षेत्र में अवैध भण्डारण से रेत का परिवहन करने पर 2 माजदा जप्त कर थाना डोंगरगांव को सुपुर्द किया गया। खनि अधिकारी ने बताया कि मोतीपुर कुमरदा निवासी लोकेश निर्मलकर के स्वामित्व के माजदा सीजी 04 आरएल 7909 से वाहन चालक रेखचंद एवं मोतीपुर कुमरदा निवासी शंकर देवांगन के स्वामित्व के माजदा सीजी 09 जेसी 0764 से वाहन चालक सोमेश नायक द्वारा रेत का अवैध भण्डारण से परिवहन करने पर कार्रवाई की गई। प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण की रोकथाम के लिए लगातार गस्त व निगरानी की जा रही है।

18 लाख की शराब पकड़ाने पर गाज, PI और जमादार सस्पेंड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महेसाणा। गुजरात में शराबबंदी को सख्ती से लागू करने के दावों के बीच महेसाणा पुलिस विभाग में बड़ी कार्रवाई हुई है। महेसाणा तालुका पुलिस स्टेशन की सीमा में भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद होने के बाद राज्य पुलिस प्रमुख ने 'लाल आंख' दिखाते हुए स्थानीय पुलिस निरीक्षक और एक जमादार को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। पूरा मामला महेसाणा तालुका के छठियारडा गांव की सीमा का है। गांधीनगर स्टेट मॉनिटरिंग सेल को गुप्त सूचना मिली थी कि इस इलाके में अवैध रूप से विदेशी शराब का बड़ा जत्था छुपाया गया है। स्स्ष्ट की टीम ने जब मौके पर दबिश दी, तो वहां से 18 लाख रुपये से अधिक की विदेशी शराब और अन्य सामान बरामद हुआ। नियमों के मुताबिक, यदि किसी स्थानीय पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में स्टेट मॉनिटरिंग सेल की रेड सफल होती है, तो इसे स्थानीय पुलिस की विफलता माना जाता है।

- लापरवाही का आरोपः स्थानीय पुलिस की नाक के नीचे इतना बड़ा अवैध कारोबार चल रहा था और पुलिस को भनक तक नहीं थी।

- कड़ा एक्शनः कर्तव्य में लापरवाही और ड्यूटी के प्रति उदासीनता बरतने के आरोप में PI डी.आर. राव और जमादार चिरागजी को निलंबित करने का आदेश जारी किया गया है। इस कार्रवाई के बाद जिले के पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों का कहना है कि अवैध गतिविधियों को लेकर किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विपक्ष में बड़ी दरार? DMK ने कांग्रेस से बनाई दूरी, लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखकर की अलग बैठने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय राजनीति के गलियारों से एक चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। जहाँ एक तरफ कांग्रेस संसद में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है, वहीं उसके सबसे पुराने और भरोसेमंद सहयोगियों में से एक, छ्रख्र (द्रविड़ मुनेत्र कड़गम) ने बगावती सुर अपना लिए हैं। सूत्रों के मुताबिक, छ्रख्र ने लोकसभा स्पीकर को एक औपचारिक पत्र लिखकर मांग की है कि सदन में उनकी बैठने की व्यवस्था (Seating Arrangement) को बदला जाए।

मुख्य बिंदुः आखिर क्यों आई रिश्तों में खटास • साथ बैठने से इनकारः DMK ने अपने पत्र में स्पष्ट रूप से कहा है, 'हमारी लोकसभा सीट बदली जानी चाहिए, हम कांग्रेस के साथ नहीं बैठेंगे। '

ज विपक्ष की एकता पर सवालः यह कदम तब उठाया गया है जब कांग्रेस ने हाल ही में 'विजय' (Vijay) को अपना समर्थन दिया है। माना जा रहा है कि इसी राजनीतिक तालमेल से छ्रख्र असहमत है।

- असंतोष की लहरः राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सीटों के बंटवारे या क्षेत्रीय राजनीति में कांग्रेस के बढ़ते दखल ने छ्रख्र को यह सख्त कदम उठाने पर मजबूर किया है।
- 'संसद के भीतर बैठने की व्यवस्था बदलना केवल सीटों का फेरबदल नहीं है, बल्कि यह गठबंधन के भविष्य पर मंडरा रहे खतरों का संकेत है।' – राजनैतिक विश्लेषक फिलहाल लोकसभा स्पीकर के कार्यालय ने इस पत्र पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। यदि छ्रख्र की मांग स्वीकार कर ली जाती है, तो संसद के भीतर विपक्षी बेंचों का नजारा पूरी तरह बदल जाएगा। कांग्रेस के लिए यह एक बड़ा झटका साबित हो सकता है क्योंकि वह 'इंडिया' गठबंधन को एकजुट रखने का दावा करती रही है।

देश के युवाओं को बर्बाद होने से रोकने हेतु सड़कों पर उतरेगी हिंदू महासभा, स्वामी चक्रपाणि महाराज पर बन रही फिल्म 'लंका हन' को लेकर मंथन '

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। अखिल भारत हिंदू महासभा एवं संत महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि महाराज ने देश में तेजी से बढ़ती ड्रग्स तस्करी, नशाखोरी, खाद्य पदार्थों में मिलावट एवं जहरीले केमिकल के प्रयोग पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि यह केवल कानून व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र की आने वाली पीढ़ियों को कमजोर एवं बर्बाद करने की गंभीर अंतरराष्ट्रीय साजिश प्रतीत होती है।

स्वामी चक्रपाणि महाराज ने कहा कि जिस प्रकार अमेरिका एवं अन्य देशों में 'जॉम्बी ड्रग्स' के दुष्प्रभाव के भयावह दृश्य सामने आए, उसी प्रकार के वीडियो और घटनाएँ अब भारत में भी दिखाई देने लगी हैं। यह अत्यंत चिंताजनक एवं खतरनाक स्थिति है। यदि समय रहते इसे नहीं रोका गया तो देश के करोड़ों युवा नशे और जहरीले पदार्थों की गिरफ्त में आ सकते हैं।

उन्होंने कहा कि आज देश में दूध, पनीर, घी, मसाले, मिठाइयाँ, फल, सब्जियाँ एवं पैक खाद्य पदार्थों तक में जहरीले केमिकल और मिलावट की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। त्योहारों के समय नकली खाद्य सामग्री खुलेआम बिकती है। खेतों में अत्यधिक रासायनिक प्रयोग, जहरीले इंजेक्शन एवं कृत्रिम रंगों का उपयोग लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। यही कारण है कि देश में कैंसर, किडनी, लीवर एवं गंभीर बीमारियों के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के जगद्गुरु सनातन सम्राट स्वामी चक्रपाणि महाराज ने कहा कि आज हर तीसरे-चौथे परिवार में कोई न कोई गंभीर बीमारी से पीड़ित दिखाई देता है। जनता यह जानना चाहती है कि आखिर देश में कैंसर और गंभीर रोग इतनी तेजी से क्यों बढ़ रहे हैं? खाद्य पदार्थों में मिलावट, जहरीले रसायन, नशाखोरी और प्रदूषण इसके बड़े कारण बनते जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकारों को केवल चुनावी राजनीति तक सीमित न रहकर देश की आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य, पौष्टिक भोजन और नशामुक्त भारत पर गंभीरता से काम करना चाहिए। यदि देश का युवा ही नशे और जहरीले भोजन से कमजोर हो जाएगा तो राष्ट्र कैसे मजबूत बनेगा?

स्वामी चक्रपाणि महाराज ने मांग की कि – ड्रग्स तस्करों एवं मिलावटखोरों के विरुद्ध कठोरतम कानून बनाया जाए। जहरीली मिलावट करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। पूरे देश में विशेष अभियान चलाकर ड्रग्स माफिया और मिलावट माफिया पर कार्रवाई हो।खाद्य पदार्थों की नियमित जांच हो। गरीबों को निःशुल्क एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जाए। स्कूलों एवं कॉलेजों में नशा विरोधी अभियान चलाए जाएँ। स्वामी चक्रपाणि

महाराज ने देश के सभी राष्ट्रभक्त नागरिकों से भी भावुक अपील करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि समाज सड़कों पर उतरकर उन राष्ट्रविरोधी एवं देशद्रोही तत्वों की पहचान करे, जो नशे, ड्रग्स, ज़हरीली मिलावट और जहरीले पदार्थों के माध्यम से देश के युवाओं एवं आने वाली पीढ़ियों को बर्बाद करने में लगे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि यह केवल सरकार का नहीं, बल्कि पूरे समाज, सभी राष्ट्रवादी संगठनों, संत समाज, सामाजिक संस्थाओं, राजनीतिक दलों एवं सत्ता में बैठे लोगों का भी दायित्व है।

दैनिक राशिफल

9 मई 2026, शनिवार

1. मेष Aries
आज का दिन ऊर्जा से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत रंग लागी; सीनियर्स प्रशंसा करेंगे। आर्थिक सुधार होगा, शाम को थोड़ा विश्राम करें।

2. वृषभ Taurus
क्रोध पर नियंत्रण रखें। परिवार में अनबन हो सकती है, धैर्य रखें। निवेश के लिए दिन अच्छा है, पर अनुभवी व्यक्ति की सलाह अवश्य लें।

3. मिथुन Gemini
सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दोस्तों के साथ समय बीतेगा। नया व्यापार शुरू करने की योजना के लिए दिन शुभ है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

4. कर्क Cancer
मानसिक शांति बनी रहेगी। अटके काम पूरे होंगे। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा गा। विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने का बेहतरीन अवसर है।

5. सिंह Leo
कार्यक्षेत्र में नई चुनौतियाँ अपनी चतुराई से हल कर लेंगे। उधार देने से बचें। हनुमान चालीसा का पाठ करना विशेष रूप से शुभ रहेगा।

6. कन्या Virgo
दिन मिला-जुला रहेगा। ऑफिस में काम का बोझ बढ़ सकता है। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। खान-पान का ध्यान रखें, पेट की समस्या हो सकती है।

7. तुला Libra
कला-साहित्य से जुड़े लोगों के लिए दिन शानदार है। बड़ी उपलब्धि मिल सकती है। मेहमानों के आने से घर में चहल-पहल और मन प्रसन्न रहेगा।

8. वृश्चिक Scorpio
वित्तीय मामलों में सावधानी बरतें। सुखद यात्रा के योग हैं। पुराने मित्र से मुलाकात होगी। विवाद से बचने के लिए वाणी पर संयम रखें।

9. धनु Sagittarius
अध्यात्म की ओर झुकाव बढ़ेगा। कानूनी विवाद का फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। संतान से शुभ समाचार और आर्थिक लाभ के प्रबल योग हैं।

10. मकर Capricorn
पुरानी मेहनत का फल मिलेगा। प्रॉपर्टी विवाद सुलझेंगे। घर में मांगलिक कार्य की योजना बनेगी। पार्टनर के साथ अच्छा समय बीतेगा।

11. कुंभ Aquarius
जल्दबाजी में फैसला न लें। व्यापार में उतार-चढ़ाव आ सकता है। भाई-बहनों से आत्मविश्वास बढ़ेगा। शांति के लिए योग और प्राणायाम करें।

12. मीन Pisces
अधूरे सपने पूरे होंगे। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। दिन सुखद और उन्नतिदायक है.

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन है वैचारिक बदलाव का संकेत

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

पश्चिम बंगाल की राजनीति अब एक नए मोड़ पर खड़ी है। भाजपा की जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बंगाल अब राजनीतिक रूप से 'अपवाद' नहीं रहा। यहाँ भी वही प्रश्न महत्वपूर्ण हो गए हैं जो देश के अन्य हिस्सों में प्रभावी हैं-सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रवाद, सुरक्षा, विकास और सामाजिक संतुलन। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ जिम्मेदारियाँ भी आती हैं।

पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों को केवल एक राजनीतिक दल की जीत या हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह परिणाम उस वैचारिक संघर्ष का प्रतीक बनकर उभरे हैं, जो लंबे समय से बंगाल की राजनीति के भीतर सुलग रहा था। वर्षों तक बंगाल को एक ऐसे राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां कथित रूप से जाति, धर्म और पहचान की राजनीति नहीं चलती, बल्कि विचारधारा, वर्ग-संघर्ष और बंगालियत की राजनीति प्रभावी रहती है। किंतु 2026 के चुनाव परिणामों ने इस स्थापित धारणा को गहराई से चुनौती दी है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान में आए परिवर्तन का भी संकेत है। मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या वैचारिक रोमांटिसिज्म के आधार पर मतदान नहीं कर रहा, बल्कि वह अपनी सांस्कृतिक पहचान, सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और भविष्य को भी ध्यान में रख रहा है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व सफलता को अनेक विश्लेषक एक प्रकार के 'सांस्कृतिक पुनर्जागरण' के रूप में देख रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में 'बंगाली अस्मिता' और 'हिंदू पहचान' के बीच एक वैचारिक द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा था। तृणमूल कांग्रेस ने स्वयं को बंगाल की संस्कृति और क्षेत्रीय गौरव का संरक्षक बताया, जबकि भाजपा ने राष्ट्रीयता, हिंदुत्व और सांस्कृतिक चेतना को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया। वास्तव में बंगाल की ऐतिहासिक चेतना कभी संकुचित नहीं रही। यह वही भूमि है जहाँ से स्वामी विवेकानंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, रवींद्रनाथ ठाकुर और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे महापुरुषों ने भारतीय राष्ट्रवाद को नई दिशा दी। 'वंदे मातरम्' का उद्घोष भी इसी भूमि से निकला। इसलिए जब बंगाल में राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक अस्मिता की चर्चा होती है, तो वह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि भावनात्मक और ऐतिहासिक संदर्भ भी ग्रहण कर लेता है। भाजपा ने इसी ऐतिहासिक चेतना को पुनः जागृत करने का प्रयास किया। दुर्गापूजा, रामनवमी, हनुमान जयंती और हिंदू धार्मिक प्रतीकों को लेकर जिस प्रकार की राजनीतिक बहसें पिछले वर्षों में सामने आईं, उन्होंने हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग को यह महसूस कराया कि उसकी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां राजनीतिक विवाद का विषय बन रही हैं। परिणामस्वरूप एक बड़ा वर्ग अपनी पहचान के प्रश्न पर अधिक मुखर हुआ।

पश्चिम बंगाल की राजनीति लंबे समय से अल्पसंख्यक वोट बैंक के इर्द-गिर्द घूमती रही है। विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा कि ममता बनर्जी सरकार ने संतुलित शासन के बजाय तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया। चाहे इमाम भत्ता का मुद्दा हो, धार्मिक आयोजनों को लेकर प्रशासनिक निर्णय हों या सीमावर्ती जिलों में बदलता जनसांख्यिकीय संतुलन-इन सभी विषयों ने धीरे-धीरे हिंदू समाज के भीतर असंतोष को जन्म दिया। यह असंतोष केवल धार्मिक नहीं था, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी था। अनेक लोगों को यह लगने लगा कि राज्य में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक निर्णयों में निष्पक्षता का अभाव है। भाजपा ने इसी भावना को राजनीतिक रूप दिया। उसने यह संदेश देने का प्रयास किया कि उसकी राजनीति केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि 'सांस्कृतिक सुरक्षा' स्थापित करने की राजनीति है। यही कारण है कि चुनाव प्रचार के दौरान 'जय श्रीराम' जैसे नारे केवल धार्मिक उद्घोष नहीं रहे, बल्कि वे एक प्रकार के राजनीतिक प्रतिरोध और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक बन गए।

इस चुनाव में हिंदी भाषी मतदाताओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। पिछले कुछ वर्षों में बंगाल के औद्योगिक और शहरी क्षेत्रों में हिंदी भाषी समाज का प्रभाव बढ़ा है। यह वर्ग लंबे समय से स्वयं को राजनीतिक रूप से उपेक्षित महसूस करता रहा था। भाजपा ने इस वर्ग को संगठित करने में सफलता प्राप्त की। हालांकि इस चुनाव को केवल 'हिंदी बनाम बंगाली' के दृष्टिकोण से देखना भी उचित नहीं होगा। वस्तुतः भाजपा ने हिंदी भाषी और स्थानीय हिंदू समाज के बीच एक वैचारिक सेतु बनाने का प्रयास किया। उसने यह संदेश दिया कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर है। यही कारण है कि बंगाल के अनेक क्षेत्रों में भाजपा को व्यापक समर्थन मिला। पश्चिम बंगाल कभी वामपंथ का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था। वर्ग-संघर्ष, श्रमिक राजनीति और धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा यहाँ की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा रही। लेकिन समय के साथ यह विचारधारा जमीन से कटती चली गई। वामपंथी दल जनता की नई आकांक्षाओं, युवाओं की उम्मीदों और बदलते सामाजिक यथार्थ को समझने में असफल रहे। आज का युवा केवल वैचारिक भाषण नहीं चाहता- वह रोजगार, सुरक्षा, सांस्कृतिक सम्मान और विकास चाहता है। यही कारण है कि वामपंथ धीरे-धीरे राजनीतिक हाशिये पर पहुँच गया। भाजपा ने इस खाली स्थान को भरते हुए स्वयं को एक वैकल्पिक शक्ति के रूप में स्थापित किया।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सफलता को अनेक लोग डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों से भी जोड़कर देख रहे हैं। डॉ. मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय एकता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने विभाजनकारी राजनीति का विरोध किया और राष्ट्रीय एकात्मता को सर्वोपरि माना। बंगाल की राजनीति में भाजपा का उभार कहीं न कहीं उसी विचारधारा की पुनर्स्थापना के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है कि बंगाल अब केवल क्षेत्रीय राजनीति का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि वह पुनः राष्ट्रीय चेतना का नेतृत्व करेगा। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या इन चुनाव परिणामों को 'हिंदू पुनर्जागरण' कहा जा सकता है? इसका उत्तर पूरी तरह सरल नहीं है, किंतु इतना स्पष्ट है कि हिंदू समाज के भीतर अपनी सांस्कृतिक पहचान को लेकर एक नई जागरूकता अवश्य उत्पन्न हुई है। यह जागरूकता केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं, बल्कि राजनीतिक अभिव्यक्ति का भी रूप ले रही है। हालांकि किसी भी लोकतंत्र में यह आवश्यक है कि सांस्कृतिक चेतना सामाजिक सौहार्द और संवैधानिक मूल्यों के साथ संतुलित रहे। यदि पहचान की राजनीति संवाद और समावेशिता के बजाय टकराव का रूप लेती है, तो वह लोकतंत्र के लिए चुनौती बन सकती है। इसलिए बंगाल के इस परिवर्तन को केवल विजय उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी और आत्ममंथन के अवसर के रूप में भी देखा जाना चाहिए। पश्चिम बंगाल की राजनीति अब एक नए मोड़ पर खड़ी है। भाजपा की जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बंगाल अब राजनीतिक रूप से 'अपवाद' नहीं रहा। यहाँ भी वही प्रश्न महत्वपूर्ण हो गए हैं जो देश के अन्य हिस्सों में प्रभावी हैं-सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रवाद, सुरक्षा, विकास और सामाजिक संतुलन। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ जिम्मेदारियाँ भी आती हैं। यदि भाजपा वास्तव में बंगाल में एक नए युग की शुरूआत करना चाहती है, तो उसे केवल वैचारिक नारों तक सीमित नहीं रहना होगा। उसे रोजगार, उद्योग, शिक्षा, कानून व्यवस्था और सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर ठोस कार्य करना होगा। बंगाल की धरती ने हमेशा भारत को विचार, साहित्य, संस्कृति और राष्ट्रवाद की नई दिशा दी है। आज फिर इतिहास एक नए मोड़ पर खड़ा है। आने वाला समय तय करेगा कि यह परिवर्तन केवल राजनीतिक लहर साबित होगा या वास्तव में बंगाल के सांस्कृतिक और वैचारिक पुनर्जागरण का आधार बनेगा।

संपादकीय

हिंसा अस्वीकार्य

छिटपुट हिंसा की घटनाओं के बावजूद पश्चिम बंगाल में कमोबेश शांतिपूर्ण मतदान हुआ था। लेकिन चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हो रही हिंसा की घटनाएं परेशान करने वाली हैं। भाजपा व टीएमसी के कुछ समर्थकों में हिंसक झड़पों के अलावा राज्य में पार्टी के अगु?वा रहे सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या चौंकाने वाली है। इससे दोनों दलों के बीच तनाव बढ़ा है। राज्य में मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार सुवेंदु अधिकारी का दावा है कि रथ की हत्या उनके करीबी होने के कारण की गई है। वहीं चंद्रनाथ के परिजनों का आरोप है कि यह हत्या ममता बनर्जी की भवानीपुर में अधिकारी से हुई हार का बदला लेने के लिये की गई है। उल्लेखनीय है कि इस दौरान कुछ भाजपा व टीएमसी कार्यकताओं की भी हत्या की गई है। दरअसल, पंद्रह साल से सत्ता में काबिज रही टीएमसी पर भाजपा की बड़ी जीत ने दोनों पार्टियों के बीच तनाव को बढ़ाया है। यही वजह है कि भारतीय चुनाव आयोग पर हमलावर होते हुए ममता बनर्जी ने केवल चुनाव परिणामों को ही खारिज नहीं किया, बल्कि मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने तक से मना कर दिया। उनकी इस घोषणा ने लंबे समय से जारी टकराव को बढ़ाने का काम ही किया। इस घटनाक्रम से टीएमसी कार्यकताओं को आक्रामक होने का मौका मिला। निश्चय ही यह स्थिति राज्य के हित में नहीं कही जा सकती। राज्य में कानून व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर बहाल किए जाने की जरूरत है। कायदे में चुनाव परिणाम सामने आने के बाद ममता को सदाशयता का परिचय देते हुए कार्यकताओं से शांत रहने की अपील राज्य हित में करनी चाहिए। यही लोकतंत्र का तकाजा भी है। वहीं दूसरी ओर, भाजपा को भी अपने कार्यकताओं को शांत रहने के लिये प्रेरित करना चाहिए। उन्हें चुनाव परिणाम सामने आने के बाद हिंसा से परहेज करना चाहिए। यही लोकतंत्र की प्रतिष्ठा भी है। यह विडंबना ही है कि चुनाव आयोग द्वारा राज्य के अधिकारियों को विजय जुलूसों पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश देने के बाद भी दोनों दलों के कार्यकताओं के बीच हिंसक झड़पें हुई हैं। ऐसी स्थिति में राज्य पुलिस को हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस दिखाते हुए, केंद्रीय बलों के साथ कानून व्यवस्था बहाल करने के लिये मिलकर काम करना चाहिए। यूं तो पूरे राज्य में ही, अन्यथा खासकर संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ायी जानी चाहिए। हिंसक वारदातों व तोड़फोड़ में शामिल लोगों की पहचान करके उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल से संबद्धता की परवाह किए बिना उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना वक्त की जरूरत है। भाजपा व टीएमसी को अपने कार्यकताओं से संयम बरतने को कहना चाहिए। वास्तव में अतीत में हिंसा का लंबा इतिहास रखने वाले पश्चिम बंगाल को अब नये सिरे से शुरूआत करके विकास के पथ पर लौटना चाहिए। यह निर्विवाद सत्य है कि किसी भी हिंसा की कीमत आखिर आम जनता को ही चुकानी पड़ती है। यदि पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो पाते हैं कि राज्य की राजनीति में अपराध जगत से जुड़े व दबंग किस्म के लोग दखल देते रहे हैं। कभी वे राजनीतिक दलों के लिए बूथ लूटने का काम किया करते थे। एक समय वामपंथी सरकार में दखल रखने वाले ये लोग कालांतर तृणमूल कांग्रेस के लिये काम करने लगे थे।

चिंतन-मनन

दौलत की चाह

संत जुनैद की एक झलक पाने और उनसे ज्ञान की बातें सुनने के लिए लोग बेकरार रहते थे। पर जुनैद दुनियावी चीजों से तटस्थ और निर्लिप्त रहते थे। वह खाने-पीने और अपने कपड़े से भी बेपरवाह रहते थे। वह हर समय घूमते रहते थे। जहां भी रात होती वह वहीं टिक जाते। एक बार वह एक बड़े शहर के बाहर रुके तो शहर के जाने-माने एक सेठ उनके दर्शन के लिए आ पहुंचे। वह अपने साथ ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं लेकर आए थे।

उन्होंने उसकी थैली जुनैद के चरणों में रख दी और हाथ जोड़कर खड़े हो गए। जुनैद ने थैली पर नजर डाली, फिर मुस्कराते हुए पूछा-क्या इसके अलावा भी आपके पास और दौलत है? सेठ जी ने प्रसन्न होकर सोचा कि जुनैद को और भी धन चाहिए। सेठ ने कहा-मेरे पास तो इससे कई गुना धन-संपत्ति और है। सेठ ने पूछा-क्या आप और दौलत पाने की ख्वाहिश रखते हैं? सेठ ने कहा- हां, हां क्यों नहीं, अब इतने से क्या होता है। थोड़ी और दौलत मिल जाए तो जिंदगी बेहतर हो जाएगी।

जुनैद ने कहा- तब तो ये दौलत भी आप ही रख लीजिए। इसकी असल जरूरत तो आपको ही है। आपको और धन-संपत्ति चाहिए। इतना आप मुझे ही दे देंगे तो आपका खजाना थोड़ा खाली हो जाएगा। जिसके पास सब कुछ हो लेकिन और पाने की चाह हो, उसके दान का भी कोई अर्थ नहीं है। यह सुनकर सेठ जी लज्जित हो गए। उन्होंने जुनैद से वादा किया कि वह अब और दौलत के पीछे नहीं भागेंगे

क्या राज्यपाल संवैधानिक मयार्दा से ऊपर हैं?

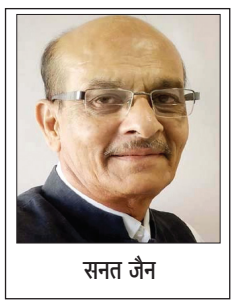

सनत जैन

तमिलनाडु में चुनाव परिणाम आने के बाद उत्पन्न राजनीतिक स्थिति ने एक बार फिर भारतीय लोकतंत्र में राज्यपाल की भूमिका को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया है। पहली बार चुनाव मैदान में उतरी अभिनेता से नेता बने जोसेफ विजय की पार्टी ने 108 सीटें जीतकर राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। इसके साथ ही सरकार बनाने का दावा विजय राज्यपाल के सम्मुख कर चुके हैं। कांग्रेस के समर्थन के बाद यह संख्या 113 तक पहुंच गई। बहुमत के लिए 118 विधायकों की आवश्यकता है। इसके बावजूद राज्यपाल द्वारा सरकार गठन के लिए आमंत्रित न करना केवल राजनीतिक विवाद नहीं, बल्कि संवैधानिक परंपराओं और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन गया है। भारतीय संविधान में राज्यपाल को एक संवैधानिक प्रमुख माना गया है, न कि राजनीतिक निर्णायक। संसदीय लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यही है कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की इच्छा सर्वोपरि होगी। जब किसी दल को स्पष्ट बहुमत न मिले, तब सबसे बड़े दल या गठबंधन को सरकार बनाने का अवसर देना एक स्थापित संवैधानिक परंपरा बन चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने कई ऐतिहासिक फैसलों में यह स्पष्ट किया है कि बहुमत का परीक्षण विधानसभा के भीतर होना चाहिए, राजभवन में नहीं। कर्नाटक, महाराष्ट्र, गोवा और उत्तराखंड जैसे मामलों में न्यायपालिका ने बार-बार यही सिद्धांत दोहराया है।

वर्तमान में तमिलनाडु का मामला इसलिए अधिक गंभीर माना जा रहा है क्योंकि चुनाव नतीजों के मुताबिक दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली अन्य पार्टियों ने सरकार बनाने का दावा ही प्रस्तुत नहीं किया है। ऐसी स्थिति में सबसे बड़े दल को शपथ ग्रहण का अवसर न देना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अनावश्यक रूप से बाधित करने जैसा प्रतीत होता है। राज्यपाल यदि यह कहें कि पहले पूर्ण बहुमत साबित करें, तभी शपथ दिलाई जाएगी, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि फिर विधानसभा में बहुमत परीक्षण की परंपरा का महत्व क्या रह जाएगा? पिछले कुछ वर्षों में देश के कई राज्यों में राज्यपाल और निर्वाचित सरकारों के बीच टकराव बढ़ा है। विपक्ष शासित राज्यों में विधेयकों को महीनों और कभी-कभी वर्षों तक लंबित रखना, सरकारों के प्रशासनिक निर्णयों में हस्तक्षेप तथा राजनीतिक बयानबाजी ने इस पद की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। संविधान निमार्ताओं ने राज्यपाल पद की कल्पना केंद्र और राज्य के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए की थी, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह पद कई बार राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बनता दिखाई देता है।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यदि संवैधानिक पदों पर बैठे लोग न्यायालयों द्वारा स्थापित सिद्धांतों की भी अनदेखी करने लगें, तो लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास कमजोर होने लगता है। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने से नहीं चलता; वह संवैधानिक मयार्दा, संस्थागत निष्पक्षता और स्थापित परंपराओं के सम्मान पर टिकता है। यदि निर्वाचित सरकारों के गठन में भी व्यक्तिगत विवेक या राजनीतिक झुकाव हावी होने लगे, तो यह संघीय ढांचे के लिए खतरे का संकेत होगा। ऐसे समय में न्यायपालिका की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। सुप्रीम कोर्ट को यह स्पष्ट करना होगा कि राज्यपाल का विवेक सीमित है और वह संविधान से ऊपर नहीं हो सकता। लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के जनादेश की होती है। उस जनादेश का सम्मान करना ही संविधान की वास्तविक आत्मा है।

उम्र की इज़्ज़त या काबिलियत की ? सफेद बाल और ज्ञान में क्या फर्क है

उम्र नहीं, अनुभव इंसान को बड़ा बनाता है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

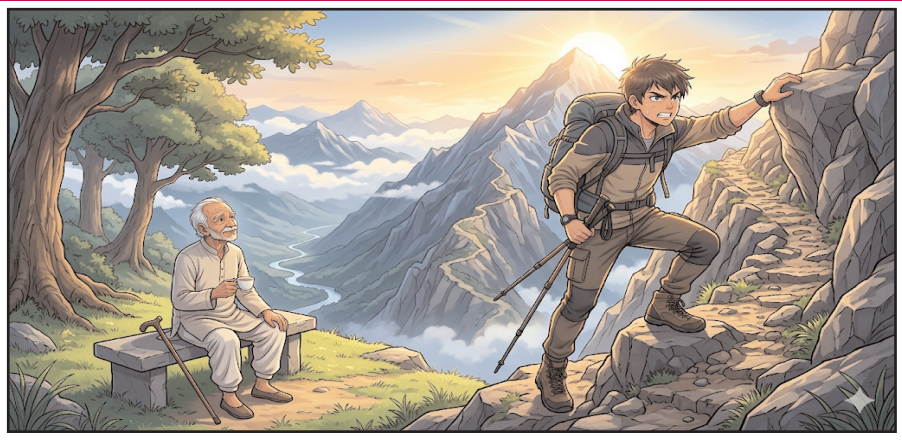

अनुभव इस बात का पैमाना है कि कोई इंसान कैसे जिया, न कि कितने साल जिया। आमतौर पर, हमारे समाज में ज्ञान को सीधे उम्र से जोड़ा जाता है। हम मान लेते हैं कि चेहरे पर झुर्रियां समझदारी की निशानी हैं और सिर पर सफेद बाल अनुभव का सर्टिफिकेट। लेकिन, क्या सिर्फ सालों का बीत जाना ही ज्ञान की गारंटी है? क्या एक कंजर्वेटिव कमरे में बिताए 60 साल, सड़क पर लड़खड़ाते हुए बिताए 20 सालों से ज़्यादा कीमती हो सकते हैं?

आज, यह समझने का समय आ गया है कि 'बुजुर्ग' होने और 'समझदार' होने में जमीन-आसमान का फर्क है। उम्र कुदरत की देन है, जो समय के साथ अपने आप बढ़ती है, लेकिन समझदारी खून-पानी से कमाई हुई कमाई है। यह आर्टिकल किसी उम्र का अपमान करने के लिए नहीं है, बल्कि 'अनुभव' का सही मतलब बताने के लिए है। आइए, उम्र के नंबरों के पीछे छिपे ज्ञान के भ्रम को तोड़ें और असलियत पर खुलकर बात करें - क्या सच में इज्ज़त उम्र या काबिलियत के आधार पर होनी चाहिए?

बूढ़ा होना एक बायोलॉजिकल प्रोसेस है। समय बहता रहता है और कैलेंडर के पन्ने बदलते रहते हैं, नतीजतन इंसान बूढ़ा होता जाता है। इसमें इंसान की अपनी कोई काबिलियत नहीं होती। लेकिन 'समझ' या 'मैच्योरिटी' कोई कुदरती तोहफ़ा नहीं है। यह ज़िंदगी के संघर्षों, उठाए गए रिस्क और की गई मेहनत का नतीजा है। जिस इंसान ने अपनी पूरी ज़िंदगी आराम में या बिना किसी तरह की ज़िम्मेदारी लिए बिताई हो, उसके पास 'साल' तो हो सकते हैं लेकिन 'आइडियोलॉजिकल मैच्योरिटी' नहीं होती।

'अगर कैलेंडर के पन्ने फाड़ने से ज्ञान बढ़ता, तो दुनिया का सबसे बड़ा जानकार भी कंगाल हो जाता। '

अक्सर हम 20 या 25 साल के नौजवान को ऐसी समझदारी दिखाते हुए देखते हैं जो 60 साल के इंसान में भी नहीं दिखती। इसका कारण यह है कि उस नौजवान ने कम उम्र में ठोकरें खाई हैं, नाकामी का स्वाद चखा है और अपनी मेहनत से अपना रास्ता बनाया है। जब इंसान संघर्ष करता है, तो वह समय से पहले मैच्योर हो जाता है। उसके लिए अनुभव सिर्फ़ समय का गुज़रना नहीं, बल्कि हालात का निचोड़ होता है। क्या कोई ऐसा इंसान जिसने अपनी पूरी ज़िंदगी में किसी चुनौती का सामना न किया हो, कुछ बनाया न हो या किसी सामाजिक बदलाव में कोई योगदान न दिया हो, सिर्फ़ 'बुजुर्ग' होने से सच्चा गाइड हो सकता है? गाइडेंस तो उससे लेनी चाहिए जिसने सड़क पर देखे हों। जो कभी सड़क पर नहीं चला, वह सिर्फ़ मैप की बात कर सकता है, सड़क का अनुभव नहीं।

हमें अपने बड़ों का सम्मान करना चाहिए, यही हमारा कल्चर है। लेकिन उनकी हर बात का सम्मान करना और आँख बंद करके मानना, ये दो अलग-अलग बातें हैं। आप किसी को जो क्वालिटी देते हैं, वह आपकी अच्छाई है, लेकिन आप किसकी सलाह मानते हैं, वह आपकी समझदारी है।

मान लीजिए आपको एक पहाड़ पर चढ़ना है। एक 70 साल का आदमी है जिसने अपनी पूरी ज़िंदगी पहाड़ के नीचे बैठकर बिताई है, और एक 20 साल का आदमी है जो पाँच बार पहाड़ पर चढ़ा और उतरा है। अब अगर आपको पहाड़ पर चढ़ना है, तो आप किसकी सलाह लेंगे? ज़ाहिर है, उस नौजवान की, क्योंकि उसके पास 'करने का अनुभव' है, जबकि उस बूढ़े आदमी के पास सिर्फ़ 'देखने का अनुभव' है।

बूढ़े आदमी की इज्ज़त ज़रूर करें, लेकिन सलाह सिर्फ़ उसी से लें जिसने ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव झेले हों। उम्र देखने से सिर्फ़ जन्म की तारीख पता चलती है, लेकिन काम देखने से इंसान की कीमत पता चलती है। आज के ज़माने में 'बड़ा' वही है जिसके विचार और काम बड़े हों, सिर्फ़ उम्र नहीं।

'अनुभव उम्र की उम्र में नहीं छिपता, वह तो ठोकरों से पैदा हुई समझ में पता चलता है। '

- दर्शना पटेल
नेशनल मेडलिस्ट एथलीट और स्पोर्ट्स टीचर (नेशनल अवॉर्ड विनर)

कानपुर में बना डाली 146 करोड़ की फर्जी कंपनी... कबाड़ और बूचड़खाने वालों ने किया पूरा खेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। में पुलिस ने एक ऐसे फर्जीवाड़े का खुलासा किया है, जिसने जांच एजेंसियों को भी चौंका दिया. फर्जी कंपनियां, नकली त्स्ज्ञ रजिस्ट्रेशन, हवाला के जरिए करोड़ों रुपये का लेनदेन और अलग-अलग राज्यों में फैला नेटवर्क... यह पूरा खेल फिल्मी लग सकता है, लेकिन हकीकत में आरोपी करोड़ों का खेल कर रहे थे. पुलिस के मुताबिक, इस पूरे नेटवर्क के जरिए करीब 146 करोड़ रुपये का फर्जी कारोबार किया गया. पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है. जांच में सामने आया कि इस नेटवर्क में कबाड़ कारोबारी और बूचड़खाने से जुड़े लोग शामिल थे. दरअसल, इस बड़े फर्जीवाड़े की परतें तब खुलनी शुरू हुईं, जब 1 फरवरी को हुई एक लूट की घटना की जांच पुलिस कर रही थी. शुरुआती जांच में पुलिस को कुछ संदिग्ध कैश ट्रांजेक्शन की जानकारी मिली. जब पुलिस ने पैसों के सोर्स और बैंक खातों की जांच शुरू की, तो मामला धीरे-धीरे करोड़ों के नेटवर्क तक पहुंच गया. पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया कि आरोपियों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कई कंपनियां बनाई थीं. इन कंपनियों के नाम पर नकली त्स्ज्ञ रजिस्ट्रेशन कराए गए और फिर उन्हीं के जरिए बड़े पैमाने पर फर्जी लेनदेन दिखाया गया. जांच में सामने आया कि इस नेटवर्क का इस्तेमाल GST चोरी, इनकम टैक्स फ्रॉड और हवाला ट्रांजेक्शन के लिए किया जा रहा था. पुलिस के मुताबिक, कई फर्जी फर्मों और लोगों की पहचान की गई है, जिनमें ताहिर, अजमेरी, रुस्तम और उनके सहयोगियों के नाम सामने आए हैं. आरोपी पूरी प्लानिंग के साथ अलग-अलग राज्यों में बैंक अकाउंट खुलवा रहे थे. पुलिस ने अब तक 68 बैंक खातों का पता लगाया है, जो फर्जी दस्तावेजों के जरिए खोले गए थे. इन अकाउंट के जरिए करोड़ों का लेनदेन किया गया. जांच एजेंसियों के अनुसार, यह नेटवर्क सिर्फ कानपुर तक सीमित नहीं था. इसके तार पंजाब, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के कई शहरों तक फैले हुए थे. आरोपियों ने अलग-अलग राज्यों में फर्जी कंपनियां बनाकर आर्थिक लेनदेन का ऐसा जाल तैयार किया था, जिससे जांच एजेंसियों को भी शुरुआत में भनक नहीं लग सकी.

एक्टिवा से ऑफिस आए, 7वीं मंजिल पर चढ़े और लगा दी छलांग... आगरा में इनकम टैक्स के इंस्पेक्टर ने क्यों दी जान?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा। यूपी के आगरा में इनकम टैक्स विभाग के एक रिकवरी इंस्पेक्टर द्वारा आत्महत्या किए जाने की दर्दनाक घटना सामने आई है. गुरुवार देर शाम थाना हरिपर्वत क्षेत्र स्थित संजय प्लेस में बने इनकम टैक्स ऑफिस की सातवीं मंजिल से कूदकर इंस्पेक्टर सुरेश चंद्र मौर्य ने जान दे दी. घटना के बाद विभागीय कर्मचारियों और परिवार में शोक की लहर दौड़ गई.

ऑफिस बंद होने के बाद कैम्पस में आए मृतक की पहचान 48 वर्षीय सुरेश चंद्र मौर्य के रूप में हुई है. वह शास्त्रीपुरम में पत्नी अलका और दो बच्चों के साथ रहते थे. उनकी बेटी दिल्ली में रहकर यूपीएससी की तैयारी कर रही है, जबकि बेटा सूरज बीटेक का छात्र है. बताया जा रहा है कि गुरुवार को सुरेश मौर्य ड्यूटी पर नहीं आए थे. शाम करीब 5:30 बजे उन्होंने घर पर कहा कि वह ऑफिस के काम से जा रहे हैं. इसके बाद वह अपनी एक्टिवा से संजय प्लेस स्थित आयकर भवन पहुंचे. उस समय ऑफिस बंद हो चुका था और अधिकांश कर्मचारी जा चुके थे. गेट पर मौजूद सुरक्षाकर्मी लोकेंद्र ने उन्हें अंदर जाते देखा. करीब 15 मिनट बाद बिल्डिंग से किसी के गिरने की तेज आवाज आई. गार्ड दौड़कर मौके पर पहुंचा तो सुरेश मौर्य खून से लथपथ जमीन पर पड़े मिले. मौके पर ही उनकी मौत हो चुकी थी.

कार की जगह स्कूटी से आए थे

सुरक्षाकर्मी के अनुसार, सुरेश मौर्य रोजाना अपनी वैगनआर कार से दफ्तर आते थे, लेकिन घटना वाले दिन वह एक्टिवा से पहुंचे थे. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई.

साथी कर्मचारियों ने बताया कि सुरेश मौर्य पिछले काफी समय से मानसिक तनाव में थे और ऑफिस में भी ज्यादा बातचीत नहीं करते थे.

वह अकेले रहना पसंद करते थे. कर्मचारियों के मुताबिक, उनकी कुछ पारिवारिक परेशानियां भी चल रही थीं. बताया गया कि वर्ष 2022 में भी उन्होंने जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया था,

लेकिन समय रहते उनका उपचार करा लिया गया था. डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने बताया कि सुरेश चंद्र मौर्य पहले स्टेनो के पद पर कार्यरत थे और प्रमोशन के बाद आयकर निरीक्षक बने थे. प्रारंभिक जांच में पारिवारिक कलह और मानसिक तनाव की बात सामने आई है. उनका उपचार डॉक्टर यूसी गर्ग के यहां चल रहा था.

घटना की सूचना पर पत्नी अलका और बेटा सूरज मौके पर पहुंचे. पति का शव देखकर पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल था. घटना इलाके में चर्चा का विषय है.

भोपाल में पकड़ा गया नकली नोटों का जखीरा, बंगाल का MBBS डॉक्टर निकला मास्टरमाइंड

खुद को एमबीबीएस डॉक्टर बताने वाला आरोपी इंटरनेशनल नंबर और व्हाट्सएप कॉलिंग के जरिए नेटवर्क चलाता था.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। के कोहेफिजा थाना पुलिस ने नकली नोटों के बड़े नेटवर्क का खुलासा करते हुए पश्चिम बंगाल निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया है. आरोपी के पास से 500-500 रुपये के कुल 280 नकली नोट, जिनकी कीमत 1 लाख 40 हजार रुपये है, बरामद किए गए हैं. आरोपी खुद को MBBS डॉक्टर बताता है और भोपाल में लंबे समय से रह रहा था. पुलिस के अनुसार 25 साल के आरोपी सैफुल इस्लाम को मुखबिर की सूचना पर सेफिया कॉलेज ग्राउंड के पास से गिरफ्तार किया गया. सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध युवक कम दामों में 500 रुपये के नोट बेचने की बात कर रहा है. इसके बाद कोहेफिजा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे दबोच लिया. तलाशी के दौरान आरोपी के बैग से चार अलग-अलग सीरीज के नकली नोट, एक आईफोन, एक एंड्रॉइड मोबाइल और अन्य सामान बरामद हुआ. पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पश्चिम बंगाल से नकली नोट लाकर भोपाल सहित अन्य जगहों पर खपाता था. पुलिस का कहना है कि आरोपी का कोई स्थायी रोजगार नहीं था और वह खर्चीला लाइफस्टाइल जीने के लिए नकली नोटों का कारोबार कर रहा था. जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी अपनी पहचान छिपाने के लिए PPLE iPhone UK +yy सीरीज का इंटरनेशनल नंबर इस्तेमाल करता था और व्हाट्सएप कॉलिंग के जरिए संपर्क करता था. आरोपी का दावा है कि इससे कॉल ट्रैकिंग और रिकॉर्डिंग से बचा जा सकता है. आरोपीके मोबाइल से कुछ संदिग्ध ट्रांजेक्शन भी मिले हैं आशंका जताई जा रही है कि आरोपी किसी बड़े नकली नोट सप्लाई गिरोह या सिंडिकेट से जुड़ा हो सकता है. पुलिस इस एंगल पर भी जांच कर रही है कि आरोपी का किसी विशेष विचारधारा या संगठित नेटवर्क से संबंध तो नहीं है. पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर 7 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया है. उससे पूछताछ जारी है और आने वाले दिनों में बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है.

छतरपुर के नौगांव स्थित पुरानी पुलिस चौकी में कॉन्स्टेबल ने दी जान, कारणों का खुलासा नहीं, जांच जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छतरपुर। जिले के नौगांव बस स्टैंड स्थित पुरानी चौकी में पदस्थ एक आरक्षक ने जान दे दी है। इसके बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। मृतक आरक्षक का नाम तरुण गंधर्व है। कॉन्स्टेबल तरुए गंधर्व के कदम से परिजन हैरान हैं।

मौके पर पहुंचे सीएम

वहीं,घटना की सूचना मिलते ही जिले के छतरपुर एसपी रजत सकलेचा, एसडीओपी अमित मिश्रा और थाना प्रभारी संजय राय सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके

पर पहुंचे। साथ ही एफएसएल टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया शव इसके साथ ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से नीचे उतरवाया और पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल पर जांच-पड़ताल की जा रही है और साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। बीती रात सिपाही ने पुरानी चौकी जो की बजार में है और अनएक्टिव है। वही पर सिपाही ने जान दी है। संभवत: आत्महत्या का कारण मानसिक तनाव समझ आ रहा है। अमित, एसडीओपी

जांच के बाद हो पाएगा खुलासा

वहीं, मृतक सिपाही की उम्र लगभग 40 साल है। तरुण गंधर्व की मौत मामले का खुलासा जांच के बाद ही हो पाएगा। हालांकि परिजनों ने भी किसी तरह की परेशानी की बाद अभी नहीं की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही आत्महत्या के पीछे की वास्तविक वजह सामने आ सकेगी। घटना के बाद इलाके में एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

डरें नहीं बात करें:

अगर आपके मन में आत्महत्या के विचार आ रहे हैं, आप किसी परेशानी में हैं या आपको मानसिक स्वास्थ्य सहायता की जरूरत है, तो आप नीचे दिए गए हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं। मदद के लिए संकोच न करें, कोई न कोई आपकी बात सुनने के लिए हमेशा मौजूद है।

बड़वानी में दो 'राहवीर' आमने-सामने: घायल को अस्पताल पहुंचाने के दावे पर 25,000 रुपए के इनाम को लेकर विवाद

दोनों दावा कर रहे हैं कि घायल को हमने पहले मदद की और अस्पताल पहुंचाया। सरकार इस योजना के अंतर्गत 25,000 रुपए का इनाम देती है मध्यप्रदेश के बड़वानी में राहवीर योजना की राशि के लिए दो दावेदार सामने आए हैं।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बड़वानी। इंसानियत की एक मिसाल बनती कहानी अब सरकारी इनाम की होड़ में तब्दील हो गई है। जिले में हुए एक सड़क हादसे में घायल युवक को अस्पताल पहुंचाने का दावा दो अलग-अलग युवकों ने किया है। दोनों राहवीर योजना के तहत मिलने वाले 25,000 रुपए के पुरस्कार पर अपना हक जता रहे हैं।

लोडिंग वाहन और बाइक में हुई थी टक्कर

बुधवार की देर रात अंजड़ थाना क्षेत्र के मेहगांव डेब गांव के पास एक लोडिंग वाहन और बाइक के बीच जोरदार टक्कर हुई। इस हादसे में दवाना गांव निवासी सुनील के सिर और पैर में गंभीर चोटें आईं। उन्हें बड़वानी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका उपचार जारी है। निजी वाहन से पहुंचाया गया अस्पताल हादसे की सूचना पर पुलिस और एंबुलेंस को बुलाया गया,

लेकिन मदद पहुंचने में काफी देरी हुई। इस नाजुक घड़ी में मौजूद लोगों ने एक निजी वाहन की व्यवस्था कर घायल को अस्पताल पहुंचाया। यहीं से विवाद शुरू हो गया। उन्होंने सड़क पर तड़पते घायल युवक को देखा और बिना एक पल गंवाए अपने वाहन में बिठाकर जिला अस्पताल पहुंचाया। उनके अनुसार उन्होंने मानवता के नाते यह काम किया और राहवीर योजना की पुरस्कार राशि के वास्तविक हकदार वही हैं।विकास पटेल एक दावेदार दूसरे ने भी किया दावा वहीं, दूसरी ओर, सेमल्दा गांव

निवासी विकास कुशवाह का दावा बिल्कुल अलग है। उनका कहना है कि वे उस रात घायल युवक के साथ ही बड़वानी से लौट रहे थे। उनका वाहन सुनील के वाहन से पीछे था। हादसा होते ही वे सबसे पहले मौके पर पहुंचे, पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। जब एंबुलेंस समय पर नहीं आई तो उन्होंने खुद निजी वाहन की व्यवस्था करवाई और घायल को अस्पताल भिजवाया। इसलिए योजना का लाभ उन्हें मिलना चाहिए। दरअसल, यह वाहन विकास पटेल का ही था और विकास कुशवाहा

घायल सुनील के साथ इसी वाहन में जिला अस्पताल पहुंचे थे।

राहवीर योजना के तहत देती है 25,000 रुपए

मध्यप्रदेश सरकार की राहवीर योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को 'गोल्डन ऑवर' में यानी दुर्घटना के तुरंत बाद के निर्णायक समय में अस्पताल पहुंचाने वाले नागरिक को ?25,000 तक की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। इस योजना का उद्देश्य आम लोगों को दुर्घटना पीड़ितों की मदद के लिए प्रेरित करना है। ऐसे विवादों में प्रशासन गहन जांच करता है। पुलिस सूचना के कॉल रिकॉर्ड, अस्पताल के भर्ती रिकॉर्ड, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर यह तय किया जाता है

दबंगों ने दूल्हे को कार से खींचकर पीटा, सिर फोड़ा, फिर लहूलुहान हालत में दुल्हन लेने गया युवक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हमीरपुर। जिले के राठ थाना क्षेत्र के बसेला गांव के पास गुरुवार की शाम को बाइक सवार दर्जन भर दबंगों ने बारात की एक कार को रोककर खूनी संघर्ष को अंजाम दिया. कैथा गांव के निवासी अंबर ने पुरानी रंजिश के कारण अपने साथियों के साथ मिलकर झिन्ना वीरा गांव से बांदा जा रही बारात को निशाना बनाया. हमलावरों ने कार में मौजूद दूल्हे मुन्नीलाल, उसके भाई जगदेव और मासूम बच्चों पर लाठी-डंडों से हमला किया. इस हमले में दूल्हे का सिर फट गया और कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. पुलिस ने घायलों का मेडिकल कराकर मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है. बीच सड़क तांडव: कार से खींचकर दूल्हे को किया लहूलुहान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में साफ दिख रहा है कि दबंग किस कदर बेखौफ हैं. घात लगाकर बैठे हमलावरों ने बारात की गाड़ी के आगे बाइकें लगा दीं और फिर शुरू हुआ लाठियों का तांडव. दबंगों ने दूल्हे मुन्नीलाल और

उसके भाई जगदेव को कार से बाहर खींच लिया और बेरहमी से पीटा. हमले के दौरान कार के शीशे तोड़ दिए गए. चीख-पुकार मचने के बावजूद हमलावर रुके नहीं और दूल्हे का सिर फोड़ दिया. दबंगों की इस बर्बरता की चपेट में दूल्हे की भांजी रूपाली, पुत्र गगन और पुत्री अमृता भी आए. पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए दबंगों ने छोटे बच्चों और महिलाओं तक का लिहाज नहीं किया. इस वारदात से इलाके के नागरिकों में भारी दहशत व्याप्त है. हमले के बाद सड़क पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा. अस्पताल में पट्टी बंधवाई और फिर दुल्हन लाने निकला दूल्हा हमल में गंभीर रूप से घायल दूल्हे मुन्नीलाल और उसके परिजनों को तत्काल राठ के सरकारी अस्पताल ले जाया गया. वहां डॉक्टरों ने दूल्हे के सिर और शरीर पर आई चोटों का प्राथमिक उपचार किया. हिम्मत की बात यह रही कि सिर पर पट्टी बंधवाने के बाद भी दूल्हा पीछे नहीं हटा. वह उसी लहूलुहान और घायल अवस्था में दूसरी कार से दुल्हन लेने के लिए बांदा के बबेरू क्षेत्र के लिए रवाना हो गया. राठ के क्षेत्राधिकारी राजीव प्रताप सिंह ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही घायलों को उपचार के लिए भेजा गया. सभी पीड़ितों का मेडिकल परीक्षण कराया जा चुका है. पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करने और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं. पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो के आधार पर दबंगों की पहचान की जा रही है और कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी.

'अमेरिका को कुछ ऐसा चाहिए, वो हम कभी नहीं दे सकते', खामेनेई के प्रतिनिधि अब्दुल मजीद की ट्रंप को सीधी चुनौती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जौनपुर। ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामेनेई के प्रतिनिधि डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने गुरुवार की देर रात जौनपुर के शिया कॉलेज में मजलिस को संबोधित किया। उन्होंने ईरान और भारत के संबंध को लेकर भी बात की। मीडिया से बातचीत के दौरान अब्दुल मजीद ने कहा कि ईरान अपने हक और आजादी कि लड़ाई लड़ रहा है। उन्होंने कहा कि ईरान में माहौल अब ठीक है। ईरान की जनता बहुत मजबूत है। उन्होंने डोनाल्ड ट्रम्प के बयान पर बात करते हुए कहा कि डोनाल्ड ट्रम्प डील को लेकर सीरियस नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका को कुछ ऐसा चाहिए जो ईरान कभी नहीं दे सकता है। ईरान को न्याय और स्वतंत्रता चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका हार चुका है। अब वो तेल कि कीमतों पर अपना कंट्रोल चाहते हैं। वो किसी तरह कि डील में सीरियस नहीं हैं।

अमेरिका ने आखिर ईरान पर हमला क्यों किया?

उन्होंने कहा कि ईरान अपने अधिकारों कि लड़ाई लड़ रहा है। अमेरिका ने 7000 मील दूर आकर आखिर ईरान पर हमला क्यों किया? उनके पास ऐसा कोई कारण भी नहीं है। उन्होने 4 हजार से अधिक निर्दोष लोगों को मारा, स्कूल में पढ़ने वाली 175 लड़कियों को मारा। अगर वह परमाणु हथियारों को इसका कारण बता रहे हैं तो ईरान पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि उसके पास किसी भी तरह का कोई परमाणु हथियार नहीं है।

गैस-पेट्रोल के दाम बढ़ने के पीछे युद्ध

अब्दुल मजीद ने कहा कि स्ट्रेट ऑफ़ होमुर्ज में जो स्थिति उत्पन्न हुई है, उसके पीछे ईरान का हाथ नहीं है। गैस और पेट्रोल के दाम बढ़ रहे, इसका कारण सिर्फ यह युद्ध है, लेकिन इस युद्ध को किसने शुरू किया। उन्होंने कहा कि अब हमें डोनाल्ड ट्रंप पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं है। कई बार वार्ता के लिए प्रस्ताव हुआ, लेकिन उसके बाद भी हमला हुआ।

कोयले से भरा डंपर कार पर पलटा, दबकर कारोबारी की दर्दनाक मौत, टायर फटने से हो गया बड़ा हादसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छिंदवाड़ा: जिले के शिवपुरी क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। झुररे की ओर से आ रहा कोयले से भरा डंपर अचानक अनियंत्रित होकर सामने से आ रही कार पर पलट गया। हादसे में परासिया निवासी अगरबत्ती कारोबारी मुकेश काले की मौत हो गई, जबकि उनके साथी सुरेंद्र मालवीय घायल हो गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक, डंपर क्रमांक रू। 40 CB 4001 झुररे की ओर से कोयला भरकर आ रहा था। बताया जा रहा है कि मोड़ पर अचानक डंपर का टायर फट गया, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर सामने से आ रही सफेद कार क्रमांक कार पर गिरा पूरा कोयला, अंदर फंस गए कारोबारी प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, डंपर पलटते ही उसमें भरा पूरा कोयला सीधे कार के ऊपर गिर गया। देखते ही देखते कार पूरी तरह दब गई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के समय कार में अगरबत्ती कंपनी संचालक मुकेश काले अपने साथी सुरेंद्र मालवीय के साथ सवार थे। हादसे के तुरंत बाद सुरेंद्र मालवीय किसी तरह कार से बाहर निकलने में सफल हो गए, लेकिन मुकेश काले अंदर ही फंस गए। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलते ही शिवपुरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। कार पूरी तरह ट्रक और कोयले के नीचे दब चुकी थी, इसलिए मुकेश काले को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। करीब 2 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद पुलिस और राहत दल ने कार में फंसे मुकेश काले को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

धर्म के कॉलम में इस्लाम, मातृभाषा में उर्दू दर्ज करें... जनगणना को लेकर मुस्लिम समाज से मौलाना की अपील

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के चेयरमैन मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने जनगणना को लेकर मुस्लिम समुदाय से खास अपील की है. उन्होंने कहा है कि जनगणना फॉर्म भरते समय धर्म के कॉलम में इस्लाम और मातृभाषा के कॉलम में उर्दू लिखें. लखनऊ स्थित इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया में आयोजित बैठक के दौरान मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि देश में स्व-गणना यानी सेल्फ एन्यूमरेशन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. मौलाना ने कहा कि बृहस्पतिवार से यह प्रक्रिया शुरू हुई है और 21 मई तक परिवार का मुखिया ऑनलाइन पोर्टल के जरिए परिवार की जानकारी खुद दर्ज कर सकता है. मौलाना ने कहा कि जनगणना केवल सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि समाज की पहचान और आंकड़ों से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य है. इसलिए सभी लोगों को फॉर्म में सही और स्पष्ट जानकारी भरनी चाहिए. उन्होंने विशेष रूप से मुस्लिम समुदाय से अपील करते हुए कहा कि

धर्म वाले कॉलम में इस्लाम लिखा जाए. वहीं मातृभाषा के कॉलम में उर्दू दर्ज की जाए. उनका कहना था कि सही जानकारी दर्ज होने से समुदाय की वास्तविक जनसंख्या और भाषाई पहचान सामने आएगी. बैठक में मौलाना ने यह भी कहा कि सेल्फ एन्यूमरेशन प्रक्रिया में किसी प्रकार के दस्तावेज अपलोड करने की जरूरत नहीं है. लोग आसानी से ऑनलाइन माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं. उन्होंने कहा कि कई लोगों को ऑनलाइन प्रक्रिया की जानकारी नहीं है, इसलिए समाज के जिम्मेदार लोगों को आगे आकर जागरूकता फैलानी चाहिए. इसी उद्देश्य से इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया ने ईदगाह ऐशबाग परिसर में एक हेल्प डेस्क भी स्थापित की है. इस हेल्प डेस्क पर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक लोगों को सहायता दी जाएगी. यहां जनगणना फॉर्म भरने से जुड़ी जानकारी और तकनीकी मदद उपलब्ध रहेगी. मौलाना खालिद रशीद ने मस्जिदों के इमामों से भी अपील की कि वे जुमे के खुत्बे के दौरान लोगों को जनगणना की जानकारी भरने के लिए जागरूक करें. उन्होंने कहा कि जनगणना देश की नीतियों और योजनाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. इसलिए सभी लोगों को जिम्मेदारी के साथ इस प्रक्रिया में भाग लेना चाहिए. लोगों की सुविधा के लिए इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया की ओर से हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं. सहायता और जानकारी के लिए 7905381076, 7335509779 और 9580112032 नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है.

दिल्ली को मिलेगा एक और मेडिकल कॉलेज, MBBS की 250 सीटें बढ़ेंगी, CM रेखा गुप्ता ने दी मंजूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी के हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए द्वारका में नया सुपर स्पेशियलिटी मेडिकल कॉलेज बनाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई व्यय वित्त समिति की बैठक में द्वारका स्थित इंदिरा गांधी अस्पताल परिसर में अत्याधुनिक मेडिकल कॉलेज और हॉस्टल निर्माण परियोजना को मंजूरी दे दी गई। इस महत्वाकांक्षी योजना पर 805.99 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। मेडिकल कॉलेज के निर्माण को वर्ष 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। सीएम रेखा गुप्ता के मुताबिक मेडिकल कॉलेज को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग के मानकों के अनुरूप विकसित किया जाएगा। इसके बनने से हर साल 250 एमबीबीएस सीटों पर दाखिले बढ़ेंगे।

150 छात्रों के साथ शुरू की जाएगी पढ़ाई

उन्होंने कहा कि शुरुआती चरण में 150 छात्रों के साथ पढ़ाई शुरू की जाएगी। परियोजना के पहले चरण में अकैडमिक ब्लॉक, स्टूडेंट्स के अलग हॉस्टल और फैकल्टी के लिए रेजिडेंशल ब्लॉक बनाए जाएंगे। इसके निर्माण से स्वास्थ्य सेवाएं और मजबूत होंगी। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य दिल्ली को मेडिकल एजुकेशन का प्रमुख केंद्र बनाना है।

1.17 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में किया जाएगा निर्माण

सीएम ने बताया कि मेडिकल कॉलेज, हॉस्टल और रेजिडेंशल ब्लॉक का निर्माण करीब 1.17 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में होगा, जिसमें बेसमेंट पार्किंग और अन्य सुविधाएं भी रहेंगी। प्रोजेक्ट में ग्रीन बिल्डिंग मानकों का पालन किया जाएगा। परिसर में सोलर पावर रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, वॉटर रीसाइक्लिंग, प्राकृतिक रोशनी और वेंटिलेशन जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। बिल्डिंग को भूकंपरोधी और दिव्यांगों के अनुकूल बनाया जाएगा। सरकार के मुताबिक, निर्माण कार्य की गुणवत्ता और समयसीमा पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। लोक निर्माण विभाग निर्माण कार्य करेगा, जबकि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग परियोजना की मॉनिटरिंग करेगा।

दिल्ली को एक नया मेडिकल कॉलेज मिलने से बड़ा फायदा होगा। पहला, छात्रों के लिए MBBS की सीटों में इजाफा होगा। दूसरा, दिल्ली सरकार के अस्पतालो में डॉक्टरों की कमी को पूरा करने में भी मदद मिलेगी। द्वारका के जिस इंदिरा गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल परिसर में यह कॉलेज बनेगा, वहां भी डॉक्टर्स की कमी है। इसके चलते अस्पताल पूरी क्षमता से काम नही कर रहा है। मेडिकल कॉलेज बनने, एमबीबीएस छात्रों की पढ़ाई शुरू होने के साथ अस्पताल को भी पूरी क्षमता के साथ चलाने में भी मदद मिलेगी। द्वारका के साथ-साथ दिल्ली के आसपास के इलाकों, बाहरी दिल्ली के इलाकों से आने वाले लोगों के लिए मेडिकल सुविधाएं बढ़ेंगी।

DDMA ने यमुना बाजार फ्लड प्लेन की 310 झुग्गियों को भेजा नोटिस, 15 दिन बाद होगा बुलडोजर एक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (DDMA) ने यमुना बाजार में 310 झुग्गियों को खाली करने का नोटिस जारी किया है। नोटिस के अनुसार, यमुना बाजार में रहने वाले लोगों को अगले 15 दिनों में झुग्गियां खाली करनी होंगी। झुग्गियों को खुद तोड़ने का भी आदेश है। DDMA की ओर से यह कार्रवाई यमुना के बाढ़ क्षेत्र में बर्न अवैध झुग्गियों और निर्माण को लेकर है। ष्ष्ष्क्रके नोटिस के अनुसार, यमुना बाजार इलाके में करीब 310 अवैध आवास/झुग्गियों हैं, जो हर साल बाढ़ के दौरान बड़े खतरे का कारण बनती है।

यह क्षेत्र यमुना की फ्लड प्लेन यानी ओ-जोन में आता है। यहां रहने वाले लोगों के जान-माल, पशुधन और संपत्ति को बाढ़ के दौरान गंभीर नुकसान पहुंचने की आशंका बनी रहती है। इसी को देखते हुए DDMA एक्ट-2005 की धारा 34 के तहत कार्रवाई शुरू की गई है। नोटिस में सभी निवासियों को आदेश दिया गया है कि वे 15 दिनों के भीतर झुग्गियां खाली कर दें। तय समय के बाद बिना किसी सूचना के बुलडोजर से निर्माण हटाया जाएगा।

'ओ जोन में एरिया, नही कर सकते अतिक्रमण': सरकार का पक्ष

यमुना बाजार में 310 झुग्गियों को हटाए जाने को लेकर जारी हुए नोटिस पर सरकार ने कहा कि ओ जोन में अतिक्रमण/कब्जा नहीं किया जा सकता। यमुना बाजार घाट क्षेत्र में कुल 32 घाट है, जिन पर अतिक्रमण करके 310 मकान बनाए गए है। यह जमीन डीडीए की है और यहा निर्माण पूरी तरह से प्रतिबधित है। सरकार के मुताबिक यमुना बाजर की चारदीवारी के अंदर यमुना नदी के किनारे स्थित यमुना बाजार के घाटों के बाढ़-मैदान वाले क्षेत्र 'ओ जोन' के अंतर्गत आते है।

एनजीटी ने डीडीए को निर्देश दिया है कि वह यमुना के बाढ़-मैदानो में किए गए ऐसे सभी अतिक्रमणों को हटाए। इसी आदेश के तहत पिछले कुछ वर्षो में डीडीए ने कई कार्रवाई की है। सरकार का कहना है कि हर साल यमुना में बाढ़ (विशेषकर 2023 और 2025) के दौरान यह एरिया जलमग्न हो जाता है, जिससे जान माल के नुकसान का खतरा बना रहता है।

'बिना व्यवस्था किए घर तोड़ने का नोटिस गलत': कांग्रेस

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि निगम बोध घाट के पास यमुना के किनारे रहने वाले लगभग 310 परिवारों को 15 दिनो के भीतर घरों को खाली करने के लिए सरकार ने नोटिस दिया है।

ऐसे में पुरानी दिल्ली की यमुना बाजार कॉलोनी के लोगों को पुनर्वास के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के बिना सड़कों पर फेंक दिए जाने का डर उन्हें सता रहा है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ने पिछले एक साल में लाखों लोगे को कोई वैकल्पिक जगह दिए बिना उन्हें झुग्गी बस्तियों को उजाड़ कर बेदखल कर दिया है। विस्थापित गरीब लोग अपने आजीविका कमाने के लिए ही दिल्ली में ही दयनीय हालत में रह रहे है।

इस मामले को लेकर पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व सासद जेपी अग्रवाल और प्रदेश काग्रेस के उपाध्यक्ष मुदित अग्रवाल ने इलाके का दौरा किया। मुदित ने कहा कि बीजेपी की दिल्ली सरकार से यमुना की गदगी तो साफ नहीं हुई, लेकिन दिल्ली के ऐतिहासिक यमुना घाट,

सिविल लाइंस में बसे सैकड़ों परिवारों को साफ करने का फरमान जारी कर दिया गया।

बंगाल की जीत पर पीएम मोदी को दी बधाई तो तिलमिलाए संजय राउत, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सुनाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी की प्रचंड जीत हुई है। ममता बनर्जी ने इस्तीफा देने से इनकार किया तो राज्यपाल ने अपने अधिकरों को प्रयोग करते हुए टीएमसी की सरकार को भंग कर दिया। अब बंगाल में बीजेपी का मुख्यमंत्री बनेगा। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बंगाल की जीत पर बधाई दी है। ड्रोनाल्ड ट्रंप के पीएम को बधाई देने से संजय राउत तिलमिला गए। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप को जमकर सुनाई। शिवसेना यूबीटी के प्रवक्ता संजय राउत ने एक्स पर डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर एक लंबा पत्र लिखा और उन्हें टैग किया। संजय राउत ने लिखा प्रिय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, नमस्ते। भारत से संसद सदस्य के तौर पर, मैं पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणामों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आपकी बधाई की खबरों के जवाब में यह पत्र लिख रहा हूं।

'चुनाव आयोग ने निष्पक्ष काम नहीं किया'

ये राज्य स्तरीय चुनाव हैं- जो भारत के संघीय लोकतंत्र का एक आंतरिक मामला है। इस पर किसी भी बाहरी समर्थन की बात करना जल्दबाजी और अनुचित लगता है। इससे भी ज़्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि कुछ गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। कई शिकायतों में डर, धमकाने और व्यवस्थागत दबाव के माहौल का आरोप लगाया गया है। आम धारणा यह है कि चुनाव आयोग ने निष्पक्ष होकर काम नहीं किया और उसका कामकाज BJP के पक्ष में झुका हुआ लगा, जिससे संस्थागत निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं। 'चिंताएं व्यापक बेचैनी को दर्शाती हैं' संजय राउत ने कहा कि उतनी ही परेशान करने वाली बात केंद्रीय बलों की बड़े पैमाने पर तैनाती को लेकर लगाए गए आरोप हैं, जिनके बारे में कई लोगों का मानना है कि इससे विश्वास पैदा होने के बजाय जबरदस्ती का माहौल बना। ममता बनर्जी सहित वरिष्ठ नेताओं ने इस प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर सार्वजनिक रूप से चिंताएं जताई हैं। ये चिंताएं एक व्यापक बेचैनी को दर्शाती ' लोकतंत्र का मतलब सिर्फ चुनाव करवाना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और विश्वसनीय हों। जब गंभीर आरोप सामने आते हैं, तो उनकी गहन जांच होनी चाहिए, न कि उनका जश्न मनाया जाना चाहिए। क्या आपके बयान से पहले इन चिंताओं पर विचार किया गया था? उन्होंने आगे कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों पर आपके जोर को देखते हुए, मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप इस मामले पर अधिक जानकारीपूर्ण और संतुलित दृष्टिकोण अपनाएं। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। डोनाल्ड ट्रंप ने दी थी पीएम मोदी को बधाई अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक और निर्णायक चुनावी जीत पर उन्हें बधाई दी है। वॉइट हाउस के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस चुनाव में अभूतपूर्व जीत हासिल की है। वॉइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने यह भी बताया कि पिछले महीने ही फोन पर हुई बातचीत में राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त की थी और कहा था कि भारत भाग्यशाली है कि उन्हें प्रधानमंत्री के नेता के रूप में पाया जा रहा है।

कटनी में सेवा और जागरूकता का संगमः आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों को सामग्री वितरण, स्वच्छता का संदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कटनी। भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट - जिला कटनी द्वारा ग्राम अमोच स्थित आंगनवाड़ी क्रमांक-1 में सामाजिक सेवा एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 7 मई 2026 को आयोजित इस कार्यक्रम में जरूरतमंद बच्चों को बैग, पानी की बोतल, फल, चॉकलेट, नाश्ता सहित अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गई।

कार्यक्रम में संभाग अध्यक्ष श्रीमती अनीता दुबे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उनके मार्गदर्शन में बच्चों एवं ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए स्वच्छ वातावरण और स्वस्थ जीवन का संदेश दिया गया। इस अवसर पर संगठन के नए सदस्यों को आईडी कार्ड भी प्रदान किए गए और ट्रस्ट के सामाजिक एवं मानव अधिकार संबंधी कार्यों की जानकारी साझा की गई।

कार्यक्रम के दौरान जिला कटनी टीम द्वारा संभाग अध्यक्ष श्रीमती अनीता दुबे का स्वागत एवं सम्मान किया गया। साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के योगदान को सराहते हुए उनका भी सम्मान किया गया।

इसी अवसर पर ट्रस्ट की मासिक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। जिला अध्यक्ष श्री सुरेंद्र शर्मा ने पूरी टीम को समाजहित में सक्रिय रूप से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में जिला एवं तहसील स्तर के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से श्री सुरेंद्र शर्मा (जिला अध्यक्ष), श्रीमती नीतू शर्मा (जिला सचिव), श्रीमती संध्या काछी, श्रीमती पुष्पलता काछी, श्री अभिषेक कुशवाहा, श्री राहुल काछी, श्री आनंद जायसवाल, श्री सत्येंद्र काछी, श्री सोमनाथ, श्री विकास कुशवाहा, श्री मिंटू कुशवाहा, श्री नवल किशोर यादव,

श्री दिनेश मिश्रा, श्री नितिन उपाध्याय, श्री शिवकुमार रजक एवं श्री सुनील कुमार सेन शामिल रहे।

इसके अलावा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आशाबाई हल्दकार, काशीबाई हल्दकार, रजनी बाई हल्दकार, सहायिका मिथिलेश यादव सहित ग्राम अमोच के ग्रामीणजन भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजनाः वडोदरा के वडसर में 2 घंटे 13 मिनट के अंदर बड़ा गर्डर लॉन्च, रेकॉर्ड

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट ने अहमदाबाद के मणिनगर में, चालू भारतीय रेलवे ट्रैक के ऊपर पांच भारी पोर्टल बीम लगाने का काम 22 दिनों के अंदर पूरा कर लिया है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना भारत की सबसे बड़ी और सबसे आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में से एक मानी जा रही है। यह सिर्फ एक ट्रेन लाइन नहीं है बल्कि भारत में हाई-स्पीड रेल तकनीक की दिशा में एक बड़ा कदम है। हाल ही में इस प्रोजेक्ट में वडोदरा के वडसर रोड ओवर ब्रिज पर 40 मीटर लंबे गर्डर को फुल स्पैन लॉन्चिंग मेथड (एफएसएलएम) के जरिए स्थापित किया गया। फुल स्पैन लॉन्चिंग मेथड खास इसलिए है क्योंकि इसमें पूरा स्ट्रक्चर एक साथ लॉन्च किया जाता है, जिससे काम तेजी से और सुरक्षित तरीके से पूरा हो जाता है। यह काम किसी खाली जगह पर नहीं बल्कि एक बेहद व्यस्त शहरी कॉरिडोर में किया गया, जहां हर दिन 100 से ज्यादा ट्रेनें और करीब 70,000 वाहन सड़क से गुजरते हैं। ऐसे माहौल में निर्माण कार्य करना अपने आप में बहुत चुनौतीपूर्ण होता है लेकिन इसे सिर्फ 2 घंटे 13 मिनट में सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। इस पूरे प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के पास है, जो इस बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का विकास कर रही है। यह प्रोजेक्ट लगभग 508 किलोमीटर लंबा है जो मुंबई से अहमदाबाद को जोड़ता है। इसमें से अब तक करीब 349 किलोमीटर वायाडक्ट और 443 पियर्स का काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा 17 नदी पुल, 5 प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (पीएससी) और 13 स्टील ब्रिज भी पूरे हो चुके हैं। शोर को कम करने के लिए 5.7 लाख से ज्यादा नॉइज बैरियर्स लगाए जा चुके हैं, जो लगभग 288 किलोमीटर के हिस्से को कवर करते हैं। ट्रैक बिछाने का काम भी तेजी से चल रहा है। अब तक 374 ट्रैक किलोमीटर (187 रूट किलोमीटर) का आरसी ट्रैक बेड तैयार हो चुका है और 191 रूट किलोमीटर ट्रैक स्लैब भी बनकर तैयार हैं। इनमें से 74 रूट किलोमीटर में ट्रैक स्लैब बिछाकर सीमेंट अस्फाल्ट मोर्टार (सीएएम) इंजेक्ट किया जा चुका है। इलेक्ट्रिकल सिस्टम की बात करें तो 7700 से ज्यादा ओएचई मास्ट लगाए जा चुके हैं, जो लगभग 179 रूट किलोमीटर क्षेत्र को कवर करते हैं। अब टॉप कंडक्टर स्ट्रिंगिंग का काम भी शुरू हो चुका है, जो ट्रेन के इलेक्ट्रिक संचालन के लिए जरूरी है। टनल निर्माण भी इस प्रोजेक्ट का एक बड़ा हिस्सा है। गुजरात में एकमात्र माउंटेन टनल का काम पूरा हो चुका है, जबकि महाराष्ट्र के पालघर जिले में सात टनलों में से दो का ब्रेकथ्रू हासिल हो चुका है। मुंबई के पास बीकेसी और शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी टनल में से 5 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है, और बाकी काम टनल बोरिंग मशीनों (टीबीएम) से किया जा रहा है। डिपो की बात करें तो सूरत रोलिंग स्टॉक डिपो में व्हील लेथ इंस्टॉलेशन पूरा हो चुका है, जबकि सबर्मती डिपो में स्टील स्ट्रक्चर का काम चल रहा है। सभी आठ स्टेशनों वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, आनंद-नाडियाड, वडोदरा, अहमदाबाद और साबरमती की नींव पूरी हो चुकी है और फिनिशिंग का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है।

बीड के पूर्व कलेक्टर अविनाश पाठक IAS लातूल से गिरफ्तार, 241 करोड़ के भूमि अधिग्रहण घोटाले का आरोप

महाराष्ट्र के बीड जिले के पूर्व कलेक्टर अविनाश पाठक को गिरफ्तार किया गया है। उनके ऊपर 241 करोड़ रुपये के भूमि अधिग्रहण मुआवजे के घोटाले का आरोप लगा है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बीड. जिले में जमीन अधिग्रहण से जुड़े एक हाई-प्रोफ़ाइल घोटाले में एक बड़ा प्रशासनिक और कानूनी घटनाक्रम सामने आया है। इस मामले में, पूर्व ज़ि.लाधिकारी अविनाश पाठक को गिरफ्तार किया गया है। आईएएस अविनाश पाठक पर 241.62 करोड़ के 'जायकवाड़ी प्रोजेक्ट' मुआवज़ा घोटाले का आरोप है। जांचकर्ताओं का दावा है कि भारी-भरकम अतिरिक्त मुआवजे के भुगतान को मंजूरी दी गई। इसके लिए जाली हस्ताक्षरों और पिछली तारीख के सरकारी आदेशों का इस्तेमाल किया गया था। एक भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी की इस गिरफ़्तारी ने प्रशासनिक और सरकारी हलकों में व्यापक चिंता पैदा कर दी है। पुलिस के अनुसार, बीड के शिवाजीनगर थाने में अविनाश पाठक सहित 10 लोगों के खिलाफ फर्जी भूमि अधिग्रहण मुआवजे के आदेशों के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि बीड जिले से अविनाश पाठक का तबादला होने के बाद भी उनके नाम, पदनाम और जाली हस्ताक्षरों का इस्तेमाल करके फर्जी मुआवजे की मंजूरी जारी की गई थी।

धराशिव जिले के भूमि अधिग्रहण अफसर भी रहे

लातूर के मूल निवासी अविनाश पाठक ने इससे पहले कोरोना महामारी के दौरान लातूर में अतिरिक्त जिला कलेक्टर के रूप में कार्य किया था। उन्होंने धराशिव जिले में भूमि अधिग्रहण अधिकारी के रूप में भी काम किया।

पिछले साल हुआ घोटाला

मामले की जांच के लिए नियुक्त समिति ने शुरुआती जांच में गंभीर गड़बड़ी पाई। 1 मार्च 2025 से 17 अप्रैल 2025 तक की अवधि के दौरान जारी किए गए फर्जी आदेशों के 154 मामले सामने आए। पाया गया कि तत्कालीन कलेक्टर अविनाश पाठक के नाम, पदनाम और हस्ताक्षर का इस्तेमाल किया गया था। इन 154 मामलों में लगभग 241.62 करोड़ रुपये के बढ़ाए हुए मुआवजे राशि के फर्जी आदेश तैयार किए गए थे। जांच के दौरान ये सबूत मिले जांच के दौरान, पुलिस ने कथित तौर पर इस मामले से जुड़े कर्मचारियों और व्यक्तियों के मोबाइल संचार, WhatsApp बातचीत, प्रशासनिक फ़ाइलें और आधिकारिक रिकॉर्ड ज़ब्त किए। शुरुआती जांच में पता चला कि जाली हस्ताक्षरों और पिछली तारीखों में दी गई मंजूरियों के ज़रिए सरकारी प्रक्रियाओं में हेरफेर की संभावना है। इन खुलासों के बाद, जांचकर्ताओं ने हस्ताक्षर के नमूनों और संबंधित रिकॉर्ड की फ़ॉरेंसिक जांच शुरू की। सूत्रों ने बताया कि अविनाश पाठक को पहले जांच टीम के सामने पेश होकर पूछताछ में शामिल होने के लिए एक नोटिस जारी किया गया था। कई घंटों की पूछताछ के दौरान, अधिकारियों ने लिखावट और हस्ताक्षर के नमूने लिए, जिन्हें बाद में जांच के लिए फ़ॉरेंसिक लिखावट विशेषज्ञों के पास भेजा गया।

दिल्ली में नर्सरी की स्टूडेंट से छेड़छाड़, मां का आरोप- बेसमेंट में बच्ची को लेकर गई थी टीचर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जनकपुरी में एक प्राइवेट स्कूल में नर्सरी की स्टूडेंट से छेड़छाड़ और दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। बच्ची की मां ने पुलिस में शिकायत की और उसके बाद ममले की जांच शुरू हुई। जानकारी के अनुसार, इस मामले में स्कूल के केयरटेकर को गिरफ्तार किया गया। उसे गुरुवार को कोर्ट से उसको जमानत मिल गई है। मां का आरोप- 30 अप्रैल को स्कूल के बेसमेंट में वारदात को अंजाम दिया गया पीड़ित बच्ची की में ने 1 मई को पुलिस में शिकायत दी थी। इसके बाद BNS की धारा 64 (1) के तहत मामला दर्ज किया गया था। साथ ही 'द प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन ऑफेंस फ्रॉम सेक्सुअल असॉल्ट' (पॉक्सो) के सेक्शन को भी जोड़ा गया है। पीड़ित बच्ची की में का आरोप है कि उनकी बेटी के साथ 30 अप्रैल को स्कूल के बेसमेंट में वारदात को अंजाम दिया गया। आरोप है कि एक महिला टीचर उनकी बेटी को लेकर बेसमेंट के कमरे में गई थी। वहां पर बच्ची के साथ छेड छाड़ और पुलिस की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया। बच्ची दोपहर को घर आई तो बिना कुछ बोले सो गई और शाम 4 बजे सोकर उठी। शाम के समय बच्ची ने मां को बताया कि प्राइवेट पार्ट में दर्द हो रहा है। उसको नजदीक के प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने चेक करने के लिए डीडीयू अस्पताल में भेज दिया। वहां से पता चला कि पीड़ित बच्ची के साथ वारदात को अंजाम दिया गया। उसके बाद पीड़ित बच्ची की मां ने पुलिस को सूचना दी और मामले की आगे छानबीन शुरू हुई। परिवार का आरोप है, बच्ची के साथ दुर्व्यवहार किया गया। पुलिस ने कई दिनों तक बयान दर्ज करने में समय बिता दिया। अभी सिर्फ एक आरोपी को ही पकड़ा है।

महिला टीचर पर भी गंभीर आरोप

आरोप है कि इस मामले में एक महिला टीचर भी शामिल है, जो छात्र को बेसमेंट के कमरे में लेकर गई थी। बेटी के साथ हुए असॉल्ट को लेकर पीड़ित का परिवार न्याय और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा है। बेसमेंट में सीसीटीवी काम नहीं कर रहा था उनका आरोप है कि बेसमेंट में सीसीटीवी काम नहीं कर रहा था। सबूत नहीं होने के कारण आरोपी को जमानत मिल गई। इस मामले में पुलिस की तरफ से अधिकारिक बयान सामने नहीं आया और न ही जिले के डीसीपी से ही संपर्क हो पाया।

दिल्ली में उधार में अंडा देने से किया इनकार तो कर दिया मर्डर, आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में उधार में अंडा न देने पर दुकानदार को चाकू मारने का मामला सामने आया है। पीड़ित फखरुद्दीन (50) को घायल अवस्था में इलाज के लिए जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी मोहसिन (34) को गुरुवार सुबह गिरफ्तार कर लिया।

पीड़ित के साथ आरोपी का पुरान विवाद चल रहा था

पूछताछ में पता चला कि पीड़ित के साथ आरोपी का पुरान विवाद चल रहा था। बुधवार रात भी अंडे के रुपये को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद आरोपी मोहसिन ने चाकू से हमला कर पीड़ित की हत्या कर दी। आरोपी मोहसिन पहले से मारपीट, चोरी और लूट समेत 7 मामलों में शामिल रह चुका है। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

डीसीपी को मछली मार्केट में व्यक्ति को चाकू मारने की सूचना मिली

डीसीपी नॉर्थ ईस्ट आशीष मिश्रा ने बताया कि 6-7 मई की रात करीब 1:30 बने शास्त्री पार्क थाना पुलिस को बुलंद मस्जिद स्थित मछली मार्केट के पास एक व्यक्ति को चाकू मारने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां फखरुद्दीन घायल मिले। उन्हें तुरंत इलाज के लिए जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जांच में पता चला कि फखरुद्दीन बुलंद मस्जिद, शास्त्री पार्क इलाके में रहते थे। वह अपने भाई के साथ रेहड़ी पर अंडा बेचते थे। बुधवार रात मोहसिन अंडा लेने आया था। वह उधार में अंडा मांग रहा था। उन्होंने देने से इंकार कर दिया। इस बात पर झगड़ा शुरू हो गया। झगड़े के दौरान मोहसिन ने चाकू से हमला किया और मौके से भाग गया। एसएचओ मनजीत तोमर के नेतृत्व में बनी टीम ने आरोपी को पकड़ा।

कैंसर, इंसुलिन और रेबीज की नकली दवाएं दिल्ली में 6 करोड़ की फर्जी मेडिसिन जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नकली दवाओं के अवैध कारोबार का पर्दाफाश किया है. पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर और पूर्वोत्तर राज्यों में नकली जीवन रक्षक दवाओं की सप्लाई करने वाले एक बड़े अंतरराज्यीय सिंडिकेट को दबोचा है. इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने नॉर्थ दिल्ली के मुखर्जी नगर में चल रही एक सीक्रेट मैन्युफैक्चरिंग और रीपैकेजिंग यूनिट का भी भंडाफोड़ हुआ है. इस मामले में पुलिस ने गिरोह के सरगना समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मुखर्जी नगर इलाके में सरकारी दवाओं की रीपैकेजिंग और नकली लेबलिंग का काम चल रहा है. इस जानकारी पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच ने इंद्र विकास कॉलोनी स्थित एक परिसर में छापेमारी की. इस दौरान पुलिस को वहां से भारी मात्रा में नकली दवाएं, सरकारी सप्लाई की दवाएं, पैकेजिंग मशीनें और फर्जी लेबल बरामद हुए. कैसे काम करता था ये सिंडिकेट आरोपी प्रयागराज के सरकारी अस्पतालों से अवैध तरीके से दवाएं हासिल करते थे. इन दवाओं पर 'सरकारी आपूर्ति - बिक्री के लिए नहीं' लिखा होता था. दिल्ली लाकर इन दवाओं से पुराने लेबल हटा दिए जाते थे. मुखर्जी नगर की अवैध यूनिट में इन दवाओं पर फर्जी कमर्शियल लेबल चिपकाए जाते थे. इसके बाद इन्हें दिल्ली, पश्चिम बंगाल और असम और मणिपुर जैसे पूर्वोत्तर राज्यों के खुले बाजारों में ऊंचे दामों पर बेच दिया जाता था. पुलिस को इस मामले में 'हवाला' के जरिए पैसों के लेनदेन के सबूत भी मिले हैं.

स्वास्थ्य मंत्री बने निशांत कुमार ने कहा, पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाऊंगा जिम्मेदारी

पटना (एजेंसी)। पूर्व सीएम नीतीश कुमार के बेटे और जेडीयू नेता निशांत कुमार ने शुक्रवार को बिहार के नए स्वास्थ्य मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया। पद संभालने के बाद उन्होंने राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने का संकल्प लिया। इसी दौरान पत्रकारों से बातचीत में निशांत कुमार ने कहा, 'मैं पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाने का प्रयास करूंगा। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम करूंगा।' इस अवसर पर जेडीयू सांसद संजय कुमार झा ने भी निशांत कुमार के राजनीति में आने और मंत्री बनने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने बेटे को 21 वर्षों तक राजनीति से दूर रखा, लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं की जरूरत को देखते हुए उन्होंने राजनीति में कदम रखा। उन्होंने विश्वास जताया कि निशांत कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग में बेहतर काम होगा। बिहार सरकार में गुरुवार को हुए बड़े मंत्रिमंडल विस्तार में 32 मंत्रियों को शामिल किया गया था। यह विस्तार एनडीए सरकार बनने के बाद प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया।

ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ केमिस्टों की हड़ताल, 20 मई को महाराष्ट्र समेत देशभर में मेडिकल स्टोर रहेंगे बंद

मुंबई (एजेंसी)। आगामी 20 मई को महाराष्ट्र समेत देशभर में मेडिकल स्टोर बंद रहेंगे। दरअसल अखिल भारतीय औषध विक्रेता संगठनों द्वारा ऑनलाइन दवाओं की कथित अवैध बिक्री और बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों के बढ़ते दबदबे के विरोध में राष्ट्रव्यापी बंद का आह्वान किया गया है। इस हड़ताल का असर राज्य के सभी शहरों और ग्रामीण इलाकों में देखने को मिलेगा। संगठनों का कहना है कि बिना उचित जांच-पड़ताल और नियमों के इंटरनेट के माध्यम से दवाओं की बिक्री की जा रही है, जिससे न केवल छोटे मेडिकल दुकानदारों का कारोबार प्रभावित हो रहा है बल्कि मरीजों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही है। संगठन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और संबंधित अधिकारियों को कई बार ज्ञापन दिए गए, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। संगठन के अध्यक्ष जगन्नाथ शिंदे ने कहा कि प्रशासन की अनदेखी के कारण मजबूर होकर दवा विक्रेताओं को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियम लागू करने और छोटे व्यापारियों की सुरक्षा की मांग को लेकर यह बंद किया जा रहा है। हालांकि, हड़ताल के दौरान गंभीर मरीजों को परेशानी न हो, इसके लिए जीवनरक्षक और अत्यावश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई है। संगठन ने लोगों से अपील की है कि वे जरूरत की दवाएं पहले से खरीदकर रखें ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

आरोपी के कब्जे से 09 बोतल बीयर किंग फिशर एवं 04 बोतल इम्पीरियल ब्लू व्हिस्की जप्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी डोंगरगढ़ केशरी नंदन नायक के पर्यवेक्षण में क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने लगातार कार्यवाही की जा रही है। दिनांक 07/05/2026 को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी भूपेन्द्र सिन्हा निवासी बधियाटोला डोंगरगढ़, बधियाटोला रोड स्थित रतबहिनी माता मंदिर के पास अधिक मात्रा में शराब रखकर अवैध रूप से बिक्री हेतु ग्राहक तलाश रहा है। सूचना पर तत्काल घेराबंदी कर आरोपी को पकड़कर तलाशी ली गई। तलाशी दौरान आरोपी के कब्जे से 09 बोतल किंग फिशर स्ट्रांग बीयर कुल मात्रा 5.850 बल्क लीटर कीमत लगभग 1800/- रुपये एवं 04 बोतल इम्पीरियल ब्लू व्हिस्की कुल मात्रा 3.000 बल्क लीटर कीमत लगभग 3200/- रुपये तथा शराब बिक्री रकम 500/- रुपये कुल जुमला कीमत 5500/- रुपये जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 235/2026 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपी को न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय पेश किया गया।

ऑनलाइन गेमिंग कंपनी गेम्सक्राफ्ट पर ईडी का बड़ा एक्शन, तीन संस्थापक गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग सेक्टर से जुड़ी बड़ी कंपनी गेम्जक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा एक्शन लिया है। मनी लॉन्ड्रिंग और कथित धोखाधड़ी के मामले में कंपनी के तीन संस्थापकों दीपक सिंह, पृथ्वीराज सिंह और विकास तनेजा को गिरफ्तार किया गया है। ईडी की यह कार्रवाई ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स से जुड़े कई गंभीर आरोपों के बाद सामने आई है। ईडी सूत्रों के मुताबिक, गेम्सक्राफ्ट और उससे जुड़ी अन्य संस्थाओं के खिलाफ देश के अलग-अलग हिस्सों में कई एफआईआर दर्ज थीं। इन शिकायतों में लोगों को गुमराह करने, ऑनलाइन गेमिंग के जरिए आर्थिक नुकसान पहुंचाने और अवैध तरीके से धन जुटाने जैसे आरोप लगाए गए हैं।

बोहरा समुदाय में छोटी बच्चियों की खतना पर सुपीम कोर्ट में बहस, जस्टिस हैरान

-महिला ने कहा- इस प्रथा को पॉक्सो ऐक्ट के तहत अपराध घोषित किया जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुस्लिमों के दाऊदी बोहरा समुदाय में छोटी बच्चियों का खतना किए जाने की प्रथा पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को बहस हुई। इस प्रथा पर सवाल उठाते हुए एक दाऊदी बोहरा महिला ने कहा कि इसके तहत बच्चियों के जननांग के एक हिस्से को काटा जाता है। इस दौरान उन्हें बेहद पीड़ा से गुजरना होता है। यह ट्रॉमा ऐसा होता है कि उन्हें पूरी जिंदगी इससे होने वाली शारीरिक और मानसिक पीड़ा से गुजरना होता है। उन्होंने कहा कि इस खतना के दौरान हजारों नसें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। महिला ने कहा कि इससे स्वास्थ्य को खतरा होता है और उनकी गरिमा से भी समझौता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिला ने कहा कि इस प्रथा को तो पॉक्सो ऐक्ट के तहत अपराध घोषित किया जाना चाहिए। दाऊदी बोरा समुदाय की महिला की ओर से पेश वकील ने चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली बेंच से कहा कि खतना की यह प्रथा 7 साल की बच्चियों के साथ होती है। उन्होंने कहा कि जब 7 साल की बच्ची के साथ इसे अंजाम दिया जाता है तो फिर सहमति का तो सवाल ही नहीं उठता है। उन्होंने कहा कि बच्ची की सहमति की बात नहीं हो सकती और उसके परिजन सामाजिक दबाव में रहते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि यदि वे विरोध करेंगे तो उनके सामाजिक बहिष्कार का खतरा रहता है।

वकील ने कहा कि परिजन चुप रहते हैं क्योंकि यदि उनका बहिष्कार हुआ तो फिर वे ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जहां उनको समाज से बॉयकॉट कर दिया जाता है। समाज के साथ उनके आर्थिक और सामाजिक रिश्ते खत्म हो जाते हैं। इस विषय को भले ही सामाजिक प्रथा कहा जा रहा है, लेकिन जिस तरह से एक बच्ची को पीड़ा झेलनी पड़ती है वह मामला संवैधानिक और आपराधिक दायरे में चला जाता है। ऐसे में इस पर उसी आलोक में विचार किया जाना चाहिए। इस मामले की सुनवाई करने वाली बेंच में चीफ जस्टिस सूर्यकांत के अलावा जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस अमानुल्लाह, जस्टिस अरविंद कुमार समेत 9 जज शामिल हैं। इस मामले की सुनवाई में जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने हैरानी भी जताई कि आखिर इसके खिलाफ कोई कानून क्यों नहीं बना है। ऐसे में कोई कानून जरूर बनना चाहिए, जिससे इस पर रोक लग सके। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामले में कानून बनाकर रोक लगाने का अधिकार तो सरकार के पास ही है।

फ्लाइट में महुआ मोइत्रा के सामने चोर, चोर टीएमसी चोर और जय श्री राम जैसे नारे लगे

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की करारी हार के बाद राज्य की राजनीतिक तपिश अब विमानों के भीतर भी महसूस हो रही है। कृष्णानगर से लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने आरोप लगाया है कि इंडिगो की एक फ्लाइट में उनके साथ बदसलूकी की गई। कृष्णानगर से लोकसभा सांसद मोइत्रा ने एक्स पर कुछ वीडियो शेयर किए, जिसमें कुछ लोगों को चोर, चोर टीएमसी चोर, तृणमूल ईर शोब चोर और जय श्री राम जैसे नारे लगाते हुए सुना जा सकता है। टीएमसी की मोइत्रा ने इस नारेबाजी को नागरिकों का गुस्सा नहीं बताया और एक परेशानी कहा, जिसने विमान में उनकी सुरक्षा का उल्लंघन किया। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के खिलाफ अपने सख़्त रुख़ के लिए मशहूर महुआ ने इंडिगो से इन लोगों के नाम सार्वजनिक करने और उन्हें नो फ़्लाई लिस्ट में डालने को कहा, साथ ही उन्होंने नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू को भी इस बारे में टैग किया। मोइत्रा ने पोस्ट में कहा यह बीजेपी की संस्कृति है। किसी को हैरानी क्यों हो रही है? मैंने इस नज़रअंदाज़ किया और हवाई अड्डे से अपनी बैठक में चली गई। फिर लोगों ने मुझे वह वीडियो भेजा जिसे संघी लोग वायरल कर रहे थे। तभी मैंने इस पर आवाज उठा दी। टीएमसी नेता ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) में औपचारिक शिकायत दर्ज की है, जिसमें उन्होंने कहा कि चार-पांच युवकों ने इसतहर के नारे लगाए जो सीधे तौर पर उन्हें और उनकी पार्टी को निशाना बना रहे थे। उन्होंने कहा कि उन पर मौखिक हमला हुआ और उन्हें परेशान किया गया, और साथ ही यह भी जोड़ा कि उनके पास इस मौखिक दुर्व्यवहार से बचने का कोई रास्ता नहीं था। उन्होंने दावा किया कि इंडिगो के किसी भी अधिकारी ने बीच-बचाव नहीं किया, और उन्होंने एयरलाइन के कर्मचारियों के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने की मांग की। इंडिगो ने अभी तक उनके आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा ये नारे और उद्घोष मेरी पार्टी (अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस), मेरी पार्टी के नेताओं और मुझ पर व्यक्तिगत रूप से निशाना साध रहे थे। एक बंद विमान के अंदर मुझ पर मौखिक हमला कर मुझे परेशान किया गया, और चूंकि मुझे विमान से उतरने की प्रक्रिया शुरू होने तक इंतज़ार करना पड़ा, इसलिए मेरे पास इस मौखिक दुर्व्यवहार से बचने का कोई रास्ता नहीं थाजो सीधे तौर पर मुझ पर किया जा रहा था।

तमिलनाडु में राज्यपाल की भूमिका पर चिदंबरम ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में तमिलनाडु की नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने राज्यपाल की संवैधानिक भूमिका को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यदि विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता, तब राज्यपाल का कर्तव्य होता है कि वह सदन में सबसे बड़ी पार्टी के नेता को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करे। कांग्रेस नेता चिदंबरम ने कहा कि यह केवल राजनीतिक परंपरा ही नहीं, बल्कि संसदीय व्यवस्था का स्थापित नियम भी है। उन्होंने लिखा कि निर्वाचित विधायकों की संख्या के आधार पर सबसे बड़े दल के नेता को पहले सरकार गठन का मौका मिलना चाहिए। इसके बाद वह विधानसभा में बहुमत साबित कर सकता है। कांग्रेस नेता ने अपने बयान में सुप्रीम कोर्ट के 1994 के ऐतिहासिक फैसले का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विधानसभा को ही बहुमत परीक्षण का सही मंच माना है। चिदंबरम ने उन तमिलनाडु की राजनीतिक पार्टियों की भी सराहना की, जिन्होंने इस सिद्धांत को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट किया और उसका समर्थन किया।

दरअसल, तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में इस बार किसी भी दल को पूर्ण बहुमत हासिल नहीं हुआ है। अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। पार्टी ने 108 सीटें जीती हैं, लेकिन सरकार बनाने के लिए उसे अभी भी करीब 10 विधायकों के समर्थन की जरूरत है।

बहुमत का आंकड़ा नहीं होने की वजह से राज्यपाल ने अभी तक विजय को सरकार गठन का न्योता नहीं दिया है। हालांकि, कांग्रेस ने टीवीके को समर्थन देने का औपचारिक ऐलान किया है। इसके बाद तमिलनाडु की राजनीति में सरकार गठन को लेकर गतिविधियां और तेज हो गई हैं।

अखिलेश को झटका, सपा के कई दिग्गज नेता सुभासपा में शामिल

लखनऊ (एजेंसी)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर अपना कुनबा बढ़ाने और संगठन विस्तार के अभियान को तेज कर दिया है। इसी कड़ी में गुरुवार को पार्टी को उस वक्त बड़ी मजबूती मिली, जब समाजवादी पार्टी और बुनकर मजदूर विकास समिति से जुड़े लगभग 30 महत्वपूर्ण पदाधिकारियों, ग्राम प्रधानों और सक्रिय कार्यकर्ताओं ने सुभासपा का दामन थाम लिया। पार्टी के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता अरुण राजभर की उपस्थिति में आयोजित एक औपचारिक कार्यक्रम में इन सभी नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई।

पार्टी में शामिल होने वाले प्रमुख चेहरों में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव जावेद आलम का नाम सबसे ऊपर है, जिनका सुभासपा में आना विपक्षी खेमे के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। उनके साथ ही बुनकर मजदूर विकास समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष शहाबुद्दीन अंसारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. मोहम्मद नाजिम अंसारी और युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ताजुद्दीन अंसारी ने भी पार्टी की विचारधारा पर भरोसा जताया। सदस्यता लेने वाले अन्य नेताओं में दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष खालिद सैफी, राष्ट्रीय सचिव अयूब अंसारी, प्रदेश प्रभारी कारी लाइक अंसारी और कई जिला अध्यक्ष शामिल हैं। ये नेता दिल्ली, गाजियाबाद, बिजनौर, शाहदरा, प्रतापगढ़, अमरोहा और लखनऊ जैसे विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिससे सुभासपा का प्रभाव कई जिलों में बढ़ने की उम्मीद है।

इस अवसर पर अरुण राजभर ने विपक्षी दलों, विशेषकर समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के नारे पर तंज कसते हुए इसे केवल राजनीतिक स्वार्थ का जरिया बताया। राजभर ने कहा कि सपा का यह नारा जनता की भलाई के लिए नहीं, बल्कि उनकी अपनी राजनीतिक जरूरतों के हिसाब से बदलता रहता है। उन्होंने सीधा हमला बोलते हुए कहा कि उनके लिए पीडीए का असली अर्थ पार्टी ऑफ डिंपल एंड अखिलेश है, जो केवल परिवारवाद तक सीमित है। राजभर ने दावा किया कि जिस तरह से विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों के नेता सुभासपा से जुड़ रहे हैं, उससे यह स्पष्ट है कि जनता और जमीन से जुड़े कार्यकर्ता अब बदलाव चाहते हैं। संगठन में हुए इस बड़े विस्तार से पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है और इसे आगामी चुनावी जंग के लिए सुभासपा की एक बड़ी रणनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है।

अपहरण के मामलों ने बढ़ाई चिंता, देश में 10 साल में 10 लाख मामले सामने आए

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित सिविल सेवा परीक्षा कोचिंग सेंटर की निदेशक शुभ्रा रंजन का 3 मई को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में बंदूक की नोक पर अपहरण कर लिया गया था और 1.89 करोड़ रुपए से ज्यादा की फिरौती मांगी गई थी। इस तरह के अपराध का यह अकेला मामला नहीं है। पिछले एक दशक में 10 लाख से ज्यादा अपहरण के मामले सामने आए हैं। जानकारी के मुताबिक यही नहीं, वर्ष 1953 से 2024 के बीच अपहरण और अगवा करने के 20 लाख से ज्यादा मामले दर्ज किए गए, जो भारतीय दंड संहिता के तहत दर्ज कुल मामलों का करीब 1.7 फीसदी है। कुल मामलों में से 54 फीसदी 2013 से 2024 के बीच सामने आए हैं। इस अवधि में केवल 0.7 फीसदी मामले ही फिरौती से जुड़े हैं। वर्ष 1953-62 के दशक के बाद से अपहरण के मामलों में लगातार वृद्धि हुई है। आईपीसी मामलों में इनकी हिस्सेदारी 1973-82 के दशक से बढ़ रही है। आंकड़ों के मुताबिक अपहरण के मामलों में फिरौती बड़ी वजह नहीं रही है। सबसे अधिक मामले लोगों को जबरन उठाने यानी अपहरण से जुड़े हैं, जो कुल मामलों के आधे से भी ज्यादा हैं। इसके बाद शादी के लिए महिलाओं के अपहरण के मामले आते हैं, जबकि फिरौती के लिए अपहरण या अगवा करने के मामलों की हिस्सेदारी इनमें बहुत कम है। अपहरण के मामलों में शीर्ष छह राज्यों में से बिहार 2024 में सबसे नीचे रहा। पिछले कुछ सालों में यह राज्य महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के बाद तीसरे नंबर पर रहा है।

राघव चड्ढा की देशवासियों से अपील, एकजुट रहे... भारत आतंकवाद, क्रूरता और बर्बर मानसिकता के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में शुक्रवार को राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने पाकिस्तान और आतंकवाद को लेकर कड़ा बयान दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी अपने वीडियो संदेश में उन्होंने देशवासियों से एकजुट रहने की अपील की और भारतीय सेना के साहस तथा पराक्रम की जमकर सराहना की।

'जय हिंद साथियों' से अपने संदेश की शुरुआत कर बीजेपी नेता चड्ढा ने कहा कि पड़ोसी बदले नहीं जा सकते, लेकिन अगर पड़ोसी पाकिस्तान जैसा हो, तब सही रास्ते पर लाने के लिए कठोर कदम उठाना जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि भारत इस समय सिर्फ पाकिस्तान से नहीं, बल्कि आतंकवाद, क्रूरता और बर्बर मानसिकता के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है।

बीजेपी नेता चड्ढा ने कहा कि सेना इस बार आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई कर रहे हैं और आतंक की जड़ों को खत्म करने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने सीमा पर तैनात जवानों और उनके परिवारों के प्रति समर्थन जताकर कहा कि पूरे देश को उनके साथ ÷चट्टान की तरह÷ खड़ा रहना चाहिए।

उन्होंने हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र कर कहा कि निहत्थे नागरिकों की हत्या मानवता पर एक बड़ा कलंक है। इस घटना ने पूरे देश को हिला दिया है। चड्ढा ने दावा किया कि भारत ने इसका जवाब 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए देना शुरू कर दिया है और भारतीय वायुसेना तथा मिसाइल सिस्टम पाकिस्तान पर लगातार दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत का एयर डिफेंस सिस्टम दुश्मन की मिसाइलों और ड्रोन को प्रभावी ढंग से नष्ट कर रहा है।

अपने बयान में उन्होंने देश में हुए कई बड़े आतंकी हमलों का उल्लेख किया, जिनमें 2008 मुंबई आंतकी, पुलवामा अटैक, उरी अटैक, भारतीय संसद हमला और 1993 बॉम्बे बम विस्फोट शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना इन हमलों के जिम्मेदार आर्तकियों और उनकी सोच को जड़ से खत्म करने के लिए पूरी ताकत से जुटी हुई है।

शशि थरूर अपनी पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे

-कोर्ट से अपील- डीपफेक वीडियो और एआई-मॉर्फ्ड कंटेंट को तुरंत हटाए जाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपने पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। थरूर ने आरोप लगाया है कि उनकी सहमति के बिना उनके नाम, छवि और व्यक्तित्व का बेजा इस्तेमाल किया जा रहा है। इस मामले की सुनवाई शुक्रवार को जस्टिस मिनी पुष्कर्णा की पीठ करेगी।

कांग्रेस नेता ने अपनी याचिका में कई आरोपियों के खिलाफ कोर्ट से राहत मांगी है। इसमें कई अज्ञात लोग भी शामिल हैं। थरूर ने कोर्ट से अपील की है कि इंटरनेट और अन्य प्लेटफॉर्म से कई डीपफेक वीडियो और एआई-मॉर्फ्ड कंटेंट को तुरंत हटाया जाए। बता दें थरूर की ओर से यह याचिका लॉ फर्म ट्राईलीगल के पार्टनर और वकील निखिल नरेंद्रन के जरिए दायर की गई है। थरूर अब उन अभिनेताओं, क्रिकेटरों और अन्य मशहूर हस्तियों की लंबी सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने पिछले कुछ सालों में अपने पब्लिक और पर्सनैलिटी राइट्स की रक्षा के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इससे पहले बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और अनिल कपूर भी कोर्ट से इसी तरह का इंजंक्शन हासिल कर चुके हैं। कोर्ट ने विज्ञापनों, मर्चेंडाइज और एआई-जनरेटेड कंटेंट में इन सितारों के नाम, आवाज, तस्वीर और हुबहू पहचान के बिना इजाजत इस्तेमाल पर सख्त पाबंदी लगाई थी। अब शशि थरूर ने भी अपने अधिकारों को महफूज रखने और अपने नाम-पहचान के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए यही कानूनी रास्ता अपनाया है। केरल के तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सांसद शशि थरूर पूर्व राजनयिक और प्रसिद्ध लेखक भी हैं। राजनीति में कदम रखने से पहले, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में करीब तीन दशकों तक अपनी सेवाएं दीं और अंडर-सेक्रेटरी-जनरल के प्रतिष्ठित पद तक पहुंचे। भारत सरकार में वे विदेश मंत्रालय और मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री का कार्यभार भी संभाल चुके हैं।

बंगाल में राइटर्स बिल्डिंग से चलेगी नई सरकार! 1777 में बनी थी यह इमारत

-इस पर अंतिम फैसला नए सीएम ही लेंगे, नबान्न नहीं होगा ठिकाना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के साथ ही सरकार के कामकाज का केंद्र भी बदलने वाला है। निवर्तमान सीएम ममता बनर्जी के 15 साल के कार्यकाल में 13 साल तक सत्ता का केंद्र रहा नबान्न अब नई सरकार का ठिकाना नहीं होगा। राज्य में चुनाव जीतने के बाद बीजेपी राज्य सचिवालय को हावड़ा से वापस कोलकाता स्थित ऐतिहासिक राइटर्स बिल्डिंग में शिफ्ट करने की योजना बना रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने नबान्न में कार्यवाहक मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला से मुलाकात की। समिक ने उन्हें सूचित किया है कि नए सीएम के शपथ लेने के बाद सचिवालय को शिफ्ट कर दिया जाएगा। बीजेपी के मुताबिक नए मुख्यमंत्री के शनिवार सुबह ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शपथ लेने की उम्मीद है। इसके बाद नए नेता मध्य कोलकाता स्थित राइटर्स बिल्डिंग से अपना कार्यभार संभालेंगे। हालांकि, बीजेपी ने अभी तक अपने सीएम चेहरे का ऐलान नहीं किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी हमेशा से इसके ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक महत्व को देखते हुए सचिवालय को वापस राइटर्स बिल्डिंग में ले जाने की इच्छुक रही है। इस कदम का समर्थन करते हुए समिक भट्टाचार्य ने कहा कि हम 2021 से ही कह रहे हैं कि हम राइटर्स बिल्डिंग से सरकार चलाएंगे। मैंने इस साल चुनाव प्रचार के दौरान भी यह घोषणा की थी। हालांकि, इस पर अंतिम फैसला नए सीएम ही लेंगे। 250 से ज्यादा सालों तक राइटर्स बिल्डिंग सत्ता का केंद्र रही है। पहले ईस्ट इंडिया कंपनी, फिर ब्रिटिश इंडिया और आजादी के बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने अक्टूबर 2013 तक यहीं से कामकाज किया।

रिपोर्ट के मुताबिक 2011 में पहली बार शपथ लेने के बाद ममता बनर्जी ने भी राइटर्स बिल्डिंग से ही कार्यभार संभाला था, लेकिन बाद में उन्होंने अपना सचिवालय अस्थायी तौर पर गंगा पार हावड़ा के शरत चटर्जी स्ट्रीट स्थित नबान्न में शिफ्ट कर लिया था। ममता सरकार ने तब पुरानी इमारत में आग और आपदा से जुड़ी चिंताओं का हवाला देते हुए इसके जीर्णोद्धार के लिए करीब 200 करोड़ रुपए आवंटित किए थे। ममता ने तब इसे बारूद का ढेर बताते हुए कहा था कि सुरक्षा के लिहाज से अस्थायी जगह तलाशी जा रही है। हालांकि, इमारत का काम पूरा न होने के कारण सरकार की वहां कभी वापसी नहीं हो सकी।

नवीनीकरण के तहत लोक निर्माण विभाग ने इमारत की मूल ई संरचना के बीच बने दो एनेक्सी भवनों को ध्वस्त कर दिया था, लेकिन इसके बाद काम धीमा पड़ गया। राइटर्स बिल्डिंग में मूल रूप से करीब 3 लाख वर्ग फुट का कार्यक्षेत्र था, जो तोड़े जाने के बाद घटकर 2.5 लाख वर्ग फुट रह गया। हालांकि यह जगह सीएमओ समेत कम से कम 8-10 विभागों के लिए पर्याप्त है। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों का कहना है कि अगर नई सरकार तुरंत वापस लौटना चाहती है, तो उसके लिए केवल ब्लॉक 1 और 2 ही उपलब्ध कराए जा सकते हैं। नया सीएमओ दूसरी मंजिल पर काम कर सकता है, जहां जीर्णोद्धार का काम पूरा हो चुका है। मूलरूप से सीएमओ पहली मंजिल पर था, जिसकी मरम्मत में अभी 6 महीने और लग सकते हैं। इस बीच, कोलकाता पुलिस कमिश्नर अजय नंद ने सुरक्षा व्यवस्था और नवीनीकरण कार्य का जायजा लेने के लिए बुधवार को राइटर्स बिल्डिंग का दौरा किया था।

बता दें वर्ष 1777 में बनी राइटर्स बिल्डिंग को थॉमस लियोन ने डिजाइन किया था। इसका निर्माण गवर्नर जनरल वॉरेन हेस्टिंग्स के कार्यकाल में किया गया था। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से तीन साल पहले ईस्ट इंडिया कंपनी ने इसे खरीद लिया था, जिसके बाद यह क्लर्कों के कार्यालय के रूप में इस्तेमाल होने लगी। 1906 के आसपास इस लाल रंग की शानदार इमारत को इसका खास ग्रीको-रोमन लुक मिला। डलहौजी स्क्वायर पर स्थित यह इमारत भारत और बंगाल के इतिहास की मूक गवाह रही है, लेकिन अब सरकार के यहां लौटने से पहले इसे एक गंभीर कायाकल्प की जरूरत है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

वन ईएमआई टेक का शेयर 12 फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन ऋण देने वाले मंच किश्त का संचालन करने वाली कंपनी वन ईएमआई टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने शुक्रवार को शेयर बाजार में धमाकेदार शुरुआत की। कंपनी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 171 रुपये के मुकाबले करीब 12 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ, जिससे निवेशकों को पहले दिन ही अच्छा मुनाफा मिला। शुक्रवार को बीएसई पर शेयर ने 11.69 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 191 रुपये पर और एनएसई पर 11.11 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 190 रुपये पर कारोबार शुरू किया। इस सफल लिस्टिंग के साथ कंपनी का बाजार मूल्यांकन 3,417.68 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। वन ईएमआई टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस के 926 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी, और यह बोली के अंतिम दिन 9.50 गुना अभिदान प्राप्त करने में सफल रहा था। आईपीओ के लिए 162-171 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था।

पराग मिल्क फूड्स का चौथी तिमाही में मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली ।

पराग मिल्क फूड्स का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में मुनाफा 23.31 प्रतिशत बढ़कर 40.14 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 32.55 करोड़ रुपये था। पराग मिल्क फूड्स ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कुल आय बढ़कर 945.34 करोड़ रुपये हो गई जो एक वर्ष पहले इसी अवधि में 918.25 करोड़ रुपये थी। खर्च भी 898.79 करोड़ रुपये से बढ़कर 924.06 करोड़ रुपये हो गया। समूचे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का मुनाफा 152.39 करोड़ रुपये रहा जो 2024-25 के 132.59 करोड़ रुपये से 15 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के 'न्यू एज बिजनेस' खंड में प्रीमियम दूध ब्रांड 'प्राइड ऑफ काउज' और प्रोटीन पोषण ब्रांड 'अवतार' शामिल हैं। इन्होंने 2025-26 की चौथी तिमाही में 100 करोड़ रुपये के तिमाही राजस्व का आंकड़ा पार किया और सालाना आधार पर 109 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता 2027 में लागू होने की संभावना

ईयू राजदूत ने व्यापार सुगमता पर दिया जोर

नई दिल्ली । भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 2027 तक लागू हो सकता है। ईयू के भारत में राजदूत हरवे डेल्फिन ने बताया कि समझौते के मसौदे की कानूनी समीक्षा फिलहाल अंतिम चरण में है, जिसके बाद इसके सुचारु रूप से आगे बढ़ने की उम्मीद है। ब्रसेल्स में इस समझौते को मिले व्यापक राजनीतिक समर्थन के मद्देनजर 2027 तक इसके क्रियान्वयन की संभावना प्रबल है। फेडरेशन ऑफ यूरोपियन बिजनेस इन इंडिया (एफईबीआई) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए डेल्फिन ने कहा कि दोनों पक्ष मसौदे को उचित कानूनी शक्ल देने के लिए समीक्षा कर रहे हैं। भारतीय अधिकारियों ने इस प्रक्रिया के जुलाई तक पूरा होने की उम्मीद जताई है। राजदूत ने समझौते के सुचारु और सद्भावनापूर्ण क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने आगाह किया कि सीमा शुल्क प्रक्रियाएं या अनुपालन आवश्यकताएं व्यापार में अनावश्यक बाधा न बनें, अन्यथा तरजीही शुल्कों के लाभ से कहीं अधिक अनुपालन की लागत हो जाएगी। उनका मानना था कि दोनों पक्षों को व्यापार को अधिक आसान बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए। डेल्फिन ने भारत में चल रहे गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) प्रणाली में सुधारों का स्वागत किया और इस क्षेत्र में आगे कार्रवाई की उम्मीद जताई। हालांकि, उन्होंने एफटीए मसौदे में गैर-सेवा क्षेत्रों में निवेश उदारीकरण से संबंधित प्रावधान की अनुपस्थिति की ओर भी इशारा किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि एफटीए लागू होने के दो साल बाद समीक्षा खंड के तहत इस मुद्दे पर फिर से विचार किया जाएगा। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन ने नियामक बाधाओं से निपटने के लिए एफटीए में शामिल 'त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र' का उल्लेख किया। उन्होंने 'वीआईपी तंत्र' का जिक्र किया, जिसके तहत यदि कोई मुद्दा वार्ताकारों के स्तर पर हल नहीं होता है, तो वह बहुत कम समय में सीधे मंत्री स्तर पर पहुंच जाता है। जैन ने 'गैर-उल्लंघन तंत्र' को भी नवोन्मेषी बताया, जो यह सुनिश्चित करता है कि समझौते के दायित्वों का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष उल्लंघन न हो। इन तंत्रों का उद्देश्य व्यापार को सुगम बनाना और किसी भी गतिरोध को तेजी से हल करना है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 516 अंक, निफ्टी 150 अंक गिरा

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से भी बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 516.33 अंकों नीचे आकर 77,328.19 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 150.50 अंक फिसलकर 24,176.15 पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में भी मिश्रित रुख रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स नीच आया जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में तेजी आई। विभिन्न क्षेत्रों की बात करें तो निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 1.21 फीसदी की तेजी देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी पीएसयू बैंक में 3.06 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.52 फीसदी, निफ्टी मेटल में 0.87 फीसदी, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.82 फीसदी, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 0.94 फीसदी और निफ्टी ऑटो में 0.29 फीसदी की गिरावट रही । निफ्टी पैक में टाइटन, अपोलो हॉस्पिटल, एशियन पेंट्स, टाटा कंज्यूमर, अदाणी पोर्ट्स, इंफोसिस और एचसीएल टेक के शेयरों में तेजी देखने को मिली, और ये टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे, जबकि सबसे ज्यादा एसबीआई के शेयरों में गिरावट रही।

इसके साथ ही कोल इंडिया, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, ओएनजीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी नीचे आये। आज बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 475 लाख करोड़ रुपए से कम होकर 473 लाख करोड़ रुपए ही रहा।

प्लैटिनम 1000 रुपए महंगा होकर 62,910 रुपए प्रति 10 ग्राम

सोने की कीमतें ग्राहकों को किफायती विकल्प तलाशने पर मजबूर कर रहीं

मुंबई । देश के ज्वैलरी बाजार में ग्राहकों का मिजाज बदल रहा है। शुक्रवार को प्लैटिनम 1000 रुपए प्रति 10 ग्राम महंगा होकर 62,910 रुपए पर पहुंच गया। वहीं सोने की बढ़ती कीमतों ने ग्राहकों को किफायती विकल्पों की ओर मोड़ा है। प्लैटिनम का यह भाव देश के प्रमुख शहरों जैसे मुंबई, चेन्नई, अहमदाबाद में समान 62,910 प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। युवाओं को इसका सरल और क्लासी लुक काफी पसंद आ रहा है, जिससे प्लैटिनम की ओर उनका रुझान बढ़ा है। दूसरी ओर, सोने की कीमतें इतनी बढ़ी हैं कि 10 ग्राम सोना 1.5 लाख रुपये के करीब है। अब ग्राहक सीधे 22-24 कैरेट के बजाय 18, 14 व 9 कैरेट सोने की ज्वैलरी पसंद कर रहे हैं, जिनकी कम कीमत और मॉडर्न डिजाइन उन्हें आकर्षक लग रहे हैं। ज्वैलर्स ने भी इस नई पसंद को समझते हुए हल्के वजन वाली, ट्रेंडी और बजट फ्रेंडली डिजाइन बाजार में उतारे हैं, जिससे कम बजट वाले ग्राहक भी आसानी से फैशनेबल ज्वैलरी खरीद पा रहे हैं। इस बदलते ट्रेंड से ज्वैलरी बाजार में नए और विविध विकल्प सामने आ रहे हैं।

देश में एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर चर्चा तेज

आईएमएफ की भारत को सलाह, आम आदमी पर बढ़ सकता है बोझ

नई दिल्ली ।

विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद देश में एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की लगातार बढ़ती कीमतें और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव, आगामी दिनों में ईंधन महंगा होने की आशंका बढ़ा रहे हैं। हालांकि सरकार अब तक कीमतों में बढ़ोतरी से इनकार करती रही है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) चाहता है कि इस बढ़े हुए बोझ को उपभोक्ताओं पर डाला जाए। ईरान संकट से पहले लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल रहने वाला कच्चा तेल अब 100 डॉलर के आंकड़े को पार कर चुका है और एक समय यह 126 डॉलर प्रति बैरल तक भी पहुंच गया था। इस तेजी का सीधा असर सरकारी तेल विपणन कंपनियों पर पड़ रहा है, जो खुदरा कीमतों को स्थिर रखने के लिए बढ़ी हुई लागत का बोझ स्वयं उठा रही हैं, जिससे उन पर वित्तीय दबाव बढ़ता जा रहा है। कुछ क्षेत्रों में कीमतों में बदलाव का सिलसिला पहले ही शुरू हो चुका है, जैसे हाल ही में 19 किलो वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत में 993 रुपए की बढ़ोतरी। इसी बीच, आईएमएफ ने भारत से अपील की है कि ईंधन की कीमतों को वैश्विक बाजार के अनुसार तय होने दिया जाए। संस्था का मानना है कि कृत्रिम मूल्य नियंत्रण लंबे समय तक संभव नहीं है और बाजार आधारित प्रणाली से मांग-आपूर्ति में संतुलन तथा ऊर्जा खपत को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

जन सुरक्षा योजनाओं का बीमा कवर 5 लाख करने पर सरकार कर रही विचार

पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई के तहत करोड़ों लाभार्थियों को मिलेगा अधिक सुरक्षा कवच

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) के करोड़ों लाभार्थियों के लिए एक बड़ी खबर है। सरकार इन दोनों महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत बीमा कवर को वर्तमान 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये करने के प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार कर रही है। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के एक अ धिकारी ने यह जानकारी दी, जिससे लाखों लोगों को अधिक सुरक्षा कवच मिलने की उम्मीद जगी है।

उन्होंने बताया कि वित्त मंत्रालय प्रीमियम की लागत, पॉलिसी खरीदने की सामर्थ्य और मध्यस्थता व्यय सहित विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी यह सिर्फ विचारणीय स्तर पर है और स्वीकृति के बाद ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। उन्होंने इस स्तर पर किसी भी अटकल से बचने को कहा, लेकिन पुष्टि की कि कवरेज राशि बढ़ाने पर विचार जारी है। ये योजनाएं 2015 में जन सुरक्षा कार्यक्रम के तहत वित्तीय समावेशन के उद्देश्य से शुरू की गई थीं, जिनका लक्ष्य कम लागत पर सस्ती बीमा सेवा प्रदान करना है। ये सीधे बचत खातों से जुड़ी हैं और ऑटो-डेबिट व्यवस्था के तहत हर साल इनका नवीनीकरण होता है। वर्तमान में पीएमजेजेबीवाई 18 से 50 वर्ष की आयु के लोगों को 436 रुपये के वार्षिक प्रीमियम पर किसी भी कारण से मृत्यु की स्थिति में 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर

प्रदान करती है। वहीं पीएमएसबीवाई 18 से 70 वर्ष के लोगों को 20 रुपये प्रति वर्ष के प्रीमियम पर आकस्मिक मृत्यु और विकलांगता की स्थिति में 2 लाख रुपये का बीमा कवर देती है। इन योजनाओं को जन धन खातों और ग्रामीण बैंकिंग नेटवर्क के माध्यम से व्यापक सफलता मिली है। पीएमजेजेबीवाई में अब तक 27.43 करोड़ और पीएमएसबीवाई में 58 करोड़ से अधिक नामांकन हो चुके हैं, जो इनकी व्यापक पहुंच को दर्शाता है। अटल पेंशन योजना के भी 9 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। सरकार का यह कदम इन योजनाओं को और अधिक आकर्षक और प्रभावी बनाने में मदद करेगा।

एनएसओ ने 2022-23 को बनाया जीएसवीए का नया आधार वर्ष

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने सकल राज्य मूल्य वर्धन (जीएसवीए) के संकलन के लिए नए समान दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसके तहत 2022-23 को नया आधार वर्ष बनाया गया है। इस महत्वपूर्ण कदम का उद्देश्य राज्य-स्तरीय आर्थिक अनुमानों को अधिक सटीक, तुलना योग्य और देश की वर्तमान आर्थिक संरचना के साथ बेहतर ढंग से तालमेल बिठाना है। वर्तमान में, लक्षद्वीप और दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव को छोड़कर, अधिकांश राज्य और केंद्र शासित प्रदेश जीएसडीपी अनुमानों के लिए 2011-12 के आधार वर्ष का उपयोग कर रहे हैं। नई श्रृंखला के साथ, सांख्यिकी मंत्रालय अब सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल करने का प्रयास कर रहा है, जिससे क्षेत्रीय खातों के आंकड़ों में पूर्ण राष्ट्रीय कवरेज और एकरूपता सुनिश्चित हो सके। नए दिशानिर्देशों में कई क्षेत्रों में सिंगल डिफ्लेशन मेथड को छोड़ दिया गया है। इसके स्थान पर स्थिर मूल्य अनुमानों के लिए पुनर्मूल्यांकन, डबल डिफ्लेशन और वॉल्यूम एक्सट्रापोलेशन जैसी अधिक परिष्कृत विधियों की सिफारिश की गई है। इस बदलाव से इनपुट और आउटपुट की कीमतों में अंतर से होने वाली खामियों को कम करके वास्तविक उत्पादन के मापन में उल्लेखनीय सुधार होगा। कृषि, खनन, विनिर्माण, निर्माण, बिजली, परिवहन और वित्तीय सेवाओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भी मानकीकरण

किया गया है।

जीएसवीए किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के भीतर आर्थिक गतिविधियों को मापने का एक महत्वपूर्ण संकेतक है, जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के निर्धारण में अहम भूमिका निभाता है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को भारतीय रुपया 19 पैसे की गिरावट के साथ ही 94.41 पर बंद हुआ। आज शुरुआती कारोबार में रुपया 45 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.67 पर पहुंच गया। अमेरिका और ईरान की सेनाओं के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के पास गोलीबारी की खबरों के बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 101.00 डॉलर प्रति बैरल होने से भी घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि इससे निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.58 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में टूटकर 94.67 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 45 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को शुरुआती नुकसान की भरपाई करते हुए 27 पैसे की बढ़त के साथ 94.22 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.14 फीसदी की बढ़त के साथ 98.20 पर रहा।

पश्चिम एशिया संकट से निपटने एसबीआई बांटेगा 80000 करोड़ तक का लोन

कारोबारों को 2.55 लाख करोड़ की ईसीएलजीएस 5.0 की मंजूरी मिली

मुंबई ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से जूझ रहे भारतीय कारोबारों को राहत देने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय कैबिनेट ने 2.55 लाख करोड़ रुपये की कुल परिव्यय वाली इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (ईसीएलजीएस 5.0) को आधिकारिक तौर पर मंजूरी दे दी है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने इस योजना को लागू करने की तैयारी पूरी कर ली है और अपने ग्राहकों को 80,000 करोड़ रुपये तक का अतिरिक्त वर्किंग कैपिटल लोन देने की रूपरेखा तैयार की है।एसबीआई चेयरमैन सी.एस. शेट्टी के अनुसार बैंक के पास पात्र ग्राहकों का डेटाबेस पहले से मौजूद है और गाइडलाइंस जारी होते ही यह ऋण सुविधा उपलब्ध होगी। पूरे बैंकिंग सिस्टम में 1.1 करोड़ से अधिक लाभार्थी इस योजना से लाभान्वित हो सकते हैं।

योजना के तहत सभी एमएसएमई पात्र हैं, जबकि संकट से प्रभावित गैर-एमएसएमई को भी इसका लाभ मिलेगा। एविएशन सेक्टर के लिए विशेष रूप से 5,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जिसकी चुकौती अवधि 7 साल तय की गई है। अन्य सामान्य व्यवसायों के लिए लोन चुकाने की अवधि 4 से बढ़ाकर 5 साल की गई है। बिजली, टेलीकॉम और शैक्षणिक संस्थान जैसे कुछ गैर-एमएसएमई क्षेत्रों को योजना से बाहर रखा गया है। यह योजना जन समर्थ पोर्टल के माध्यम से डिजिटल रूप से लागू की जाएगी। पिछले ईसीएलजीएस संस्करणों का ट्रैक रिकॉर्ड सकारात्मक रहा था, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वर्तमान पहल मौजूदा भू-

राजनीतिक अस्थिरता के बीच भारतीय कारोबारों और एमएसएमई सेक्टर को मजबूत तरलता प्रदान कर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के झटकों से बचाने में एक अहम भूमिका निभाएगी।

तेजी से बढ़ रहा भारतीय रक्षा क्षेत्र, अप्रैल में मिली कई ऐतिहासिक उपलब्धियां

रक्षा बजट का पूरा इस्तेमाल और रिकॉर्ड निर्यात से सेक्टर में मजबूत ग्रोथ की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारतीय रक्षा क्षेत्र अभूतपूर्व तेजी से आगे बढ़ रहा है। अप्रैल 2026 में देश ने कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं, जिनमें तीसरी परमाणु ताकत से चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिधमन का बेड़े में शामिल होना और लंबी दूरी के स्वदेशी ड्रोन प्लेटफॉर्म प्रोजेक्ट केएएल का अनावरण प्रमुख हैं। बढ़ते रक्षा बजट तेज खरीद और रिकॉर्ड निर्यात ने इस सेक्टर के लिए मजबूत ग्रोथ की नींव रखी है। ब्रोकरेज हाउस आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने एचएएल और सोलर इंडस्ट्रीज को पसंदीदा शेयर बताते हुए कहा है कि भारतीय रक्षा कंपनियों के लिए माहौल काफी मजबूत बना हुआ है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1.86 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत रक्षा बजट का पूरा उपयोग किया गया, साथ ही एमआर-एसएएम मिसाइल सिस्टम की दो रेजिमेंटों की खरीद को भी मंजूरी मिली। देश का रक्षा निर्यात पिछले वित्त वर्ष में 63 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ 3.84 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जिसमें निजी कंपनियों का योगदान भी तेजी से बढ़कर 45 फीसदी हो गया है। प्रमुख रक्षा कंपनियों को भी बड़े ऑर्डर मिले हैं। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) को 570 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर मिले, जबकि सोलर इंडस्ट्रीज की सहयोगी कंपनी ने भारतीय सेना को 60 किलोमीटर तक मार करने वाला पिनाका मार्क-1 सिस्टम सौंपा। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने ध्रुव मार्क-3 हेलीकॉप्टर की आपूर्ति शुरू कर दी है और अमेरिकी कंपनी जीई पर तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान के इंजन की आपूर्ति में देरी के लिए जुर्माना भी लगाया। एचएएल को रूस से 13,500 करोड़ रुपये के सुखोई-30 विमान के 12 किट भी मिले हैं। शिपबिल्डिंग क्षेत्र में भी तेजी दिख रही है, मझगांव डॉक ने चौथे फास्ट पेट्रोल वेसल का काम शुरू किया और श्रीलंका की कोलंबो डॉकयार्ड में 51 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी। कोचीन शिपयार्ड और गोवा शिपयार्ड ने भी नौसेना के लिए महत्वपूर्ण युद्धपोत और ऑफशोर पेट्रोल वेसल डिलीवर किए। ड्रोन और हथियार निर्माण में भी भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। होवर आईटी उत्तर प्रदेश में दिव्यास्त्र एमके2 ड्रोन बनाने का प्लांट लगा रही है, जबकि इनसइडएफपीवी ड्रोन ने रक्षा मंत्रालय को 100 करोड़ रुपये के ड्रोन भेजे।

पीएम सलाहकार परिषद ने सामाजिक समानता पर केंद्रित पीएसएल ढांचे की सिफारिश की

छोटे किसानों, सूक्ष्म उद्यमों और कमजोर वर्गों को मिले प्राथमिकता; बैंकों को मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) ने भारत के प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पीएसएल) ढांचे में एक बड़े बदलाव की वकालत की है। परिषद ने सिफारिश की है कि बैंकों के अनिवार्य ऋण लक्ष्यों में आर्थिक लाभ के बजाय सामाजिक समानता पर जोर दिया जाए, ताकि वास्तविक जरूरतमंदों तक वित्तीय पहुंच सुनिश्चित हो सके। ईएसी-पीएम ने तर्क दिया है कि पीएसएल को समय के साथ विस्तारित व्यापक क्षेत्रीय वर्गीकरणों को बनाए रखने के बजाय मुख्य रूप से लघु व सीमांत किसानों, सूक्ष्म उद्यमों और कमजोर वर्गों के लिए ऋण पहुंच में सुधार पर केंद्रित होना चाहिए। परिषद ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पीएसएल का ध्यान आर्थिक समानता से हटाकर सामाजिक समानता की ओर ले जाना चाहिए, जिसमें अपने मूल लक्ष्यों - छोटे और सीमांत किसानों, सूक्ष्म उद्यमों और कमजोर वर्गों को ऋण उपलब्ध कराने पर फिर से जोर दिया जाए। अप्रासंगिक हो चुके पुराने प्रावधानों को हटाया जा सकता है, और लक्ष्यों को तदनुसार समायोजित किया जा सकता है। परिषद ने सुझाव दिया है कि लघु एवं सीमांत किसानों और कमजोर वर्गों के लिए उप-लक्ष्य जारी रखने चाहिए, जबकि समग्र कृषि ऋण जैसे व्यापक लक्ष्यों पर पुनर्विचार किया जा सकता है। मौजूदा कृषि वर्गीकरण में बड़े और कॉरपोरेट कृषि इकाइयों को दिए जाने वाले ऋण भी शामिल हैं, जिस पर परिषद ने चिंता जताई। इसी प्रकार, सूक्ष्म उद्यमों के लिए समर्थन बनाए रखते हुए अन्य उद्यम श्रेणियों को शामिल करने की समीक्षा करने की सिफारिश की गई है। परिषद का मानना है कि अनिवार्य श्रेणियों की संख्या कम करने से बैंकों को वित्तीय समावेशन के सामाजिक उद्देश्य को बनाए रखते हुए ऋण देने में अधिक लचीलापन मिल सकता है। वर्तमान में, भारतीय रिजर्व बैंक के मानदंडों के तहत बैंकों को अपने समायोजित शुद्ध बैंक ऋण का 40 प्रतिशत प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को आवंटित करना अनिवार्य है।

पीएफ ट्रस्ट के नियम बदले- ब्याज पर लगाम, ऑडिट अब रिस्क-आधारित

छूट प्राप्त कंपनियों पर बढ़ेगी निगरानी, एमएंडए में भी जारी रहेगी पीएफ सुविधा

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने निजी पीएफ ट्रस्ट (छूट प्राप्त पीएफ ट्रस्ट) संचालित करने वाली कंपनियों के लिए नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज द्वारा अनुमोदित इन नए प्रावधानों का उद्देश्य निगरानी को अधिक प्रभावी बनाना और कर्मचारियों के हितों को सुरक्षित रखना है। नए नियमों के अनुसार, अब कोई भी छूट प्राप्त पीएफ ट्रस्ट ईपीएफओ द्वारा घोषित वार्षिक ब्याज दर से 2 प्रतिशत से अधिक ब्याज नहीं दे सकेगा। यह कदम अत्यधिक रिटर्न देकर वित्तीय संतुलन बिगड़ने से रोकने और वित्तीय समझदारी बनाए रखने के लिए उठाया गया है। कंपनियों के लिए सालाना अनिवार्य ऑडिट की जगह अब रिस्क-आधारित निगरानी प्रणाली लागू होगी। इसका मतलब है कि केवल उन्हीं ट्रस्टों की जांच की जाएगी जिनमें नियमों के उल्लंघन या वित्तीय जोखिम की आशंका होगी, जिससे नियमों का पालन करने वाली कंपनियों को बार-बार के ऑडिट से राहत मिलेगी। विलय और अधिग्रहण (एमएंडए) से जुड़े मामलों में,

किसी कंपनी के बिकने या विलय होने पर उसका ईपीएफओ के तहत मिला 'एग्जेंप्शन स्टेटस' स्वतः समाप्त नहीं होगा, जिससे कारोबार में स्थिरता बनी रहेगी। यदि कोई ट्रस्ट बंद होता है, तो उसे सार्वजनिक नोटिस जारी करना होगा और सभी निष्क्रिय या बिना केवाईसी वाले खातों को ईपीएफओ में ट्रांसफर करना अनिवार्य होगा।

सरकार का कहना है कि इन बदलावों से पारदर्शिता बढ़ेगी, कारोबार सुगम होगा और कर्मचारियों के हित अधिक सुरक्षित होंगे।

बचपन

वेकेशन में अपने बच्चों को बिजी रखने के लिए अपनाएं ये तरीकें

बच्चों को गर्मियों की छुट्टियां होते ही ज्यादातर पेरेंट्स अपने बच्चों के साथ वेकेशन मनाने की तैयारी पहले से ही करने लगते हैं। हर मां-बाप चाहते है कि उनके बच्चे अपनी छुट्टियां मौज और मसती से बिताएं। ऐसे में हर बच्चे का मन होता है कि वह अपने पेरेंट्स के साथ किसी वेकेशन पर जाएं। पर कुछ पेरेंट्स काम में बिजी होने के कारण बच्चों के साथ वेकेशन पर नहीं जा पाते। इसलिए आज हम पेरेंट्स को कुछ ऐसे टिप्स बताएगें जिसे वह अपने बच्चों को वेकेशन में बिज़ी रख सकते है। तो आइए जानते हैं...

- एक्टिविटीज़ में भाग लेने के लिए भेजें

माता-पिता को चाहिए कि वह अपने बच्चों को घर में बिठाने की जगह स्कूल में ऑर्गनाइज़ की जानेवाली एक्स्ट्राकुरिकलर एक्टिविटी में भेजें। ऐसा करने से वह अपने स्कूल फ्रेंड्स के साथ एक्टिविटीज़ में भाग लेने के लिए आसानी से तैयार भी हो जाएगें।

- समर कैंप

गर्मी की छुट्टियों में समर कैंप लगाने के लिए बच्चों की एडमिशन करवा दें क्योंकि इन कैंप को लगाने से आपके बच्चों को अलग अनुभव मिलता है और साथ ही वह स्वतंत्र रूप से चीज़ों को मैनेज करना भी सीख सकते हैं।

- क्रिएटिव आर्ट क्लासेस

जो बच्चे क्रिएटिव आर्ट का शौक रखते हैं तो उन्हें उसका शौक पूरा करने के लिए के लिए गर्मी की छुट्टियों में क्रिएटिव आर्ट क्लासेस जरूर ज्वाइन करवाएं। ऐसा करने से उनकी छुट्टियां बोरिंग नहीं होगी और वह मौज-मस्ती से अपने दोस्ते के साथ अपनी वेकेशन को बिता सकेगे।

- रूटीन एक्सरसाइज़ क्लासेस लगाएं

अगर आप अपने बच्चों को वेकेशन में कहीं घुमाने के लिए नहीं लेकर जा सकते तो छुट्टियों में बच्चों को घर में बैठाने की जगह रूटीन एक्सरसाइज़ जैसे कि योगा, कराटे, स्वीमिंग कलासेस आदि लगाने के लिए प्रेरित करें।

- घर में आपके साथ मदद करने के लिए कहें

छुट्टियों में बच्चों को बिजी रखना चाहते है तो आप अपने साथ घर के छोटे-छोटे कामों में बच्चों को मदद भी ले सकते हैं। जैसे कि आप बच्चों के कमरे में पड़ी बुक और टॉय को अच्छे से अरेंज कर सकते हैं। ऐसा करने से आपके बच्चें बिज़ी तो रहेगे ही साथ ही वह क्लीनलीनेस और डिसिप्लीन भी सिखेंगे।

- फैमिली ट्रिप पर साथ लेकर जाएं

बच्चों की वेकेशन में उन्हें घूमाने के लिए फैमिली ट्रिप प्लान करें। ऐसा करने से आप अपने बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिता सकते है और बच्चे इस फैमिली ट्रिप को हमेशा याद भी रखेगे।

बच्चे के साथ सोने के हैं बहुत सारे फायदे

पेरेंट्स अपने काम में इतना ज्यादा व्यस्त रहते हैं कि उनके पास बच्चो के लिए टाइम ही नहीं होता। भागदौड़ की जिंदगी और बदलती जीवनशैली के कारण वह दिनभर तो बच्चों के साथ टाइम बिता नहीं पाते, पर इस दूरी को कम करने के लिए वह रात को बच्चों के साथ सोते हैं। आज हम आपको बच्चों के साथ सोने से फायदों के बारें में बताएगें। तो आइए जानते हैं...

- सुरक्षित महसूस करना

बच्चे अक्सर रात को अकेले सोने से डर कर उठ जाते हैं और उनकी नींद पूरी नहीं होती। ऐसे में स्वयं को असुरक्षित महसूस करते हैं। कभी-कभी तो बच्चे डर कर भी रोने लगते हैं। ऐसे बच्चें अक्सर अपने मां-बाप के साथ स्वयं को सुरक्षित महसूस करते है।

- हेल्दी बैड टाइम रूटीन

समय पर सोने से नींद तो अच्छी आती ही है साथ ही हमारा स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। इसलिए पेरेंट्स को चाहिए कि वह बच्चों में हेल्दी बैड टाइम रूटीन डालने के लिए उनके साथ ही सोएं।

- मानसिक रूप से करीब

रात को बच्चों के साथ सोने आप उनके दिन की हर हरकत के बारे में आसानी से पूछ सकते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा आपके साथ अपने दिल की सारी बातें बताएगा। अगर उसे कोई परेशानी है तो वह आपसे कहेगा और बिना किसी मानसिक परेशानी लिए आराम से सो पाएगा।

- समय बिताना

यदि आपका बच्चा हर रोज आपसे कहानी सुन कर सोता है तो इसका मतलब है कि उसकी सोने की इच्छा नहीं है और आपके साथ कुछ वक्त बिताना चाहता है। इसलिए जो मां-बाप अपने बच्चों के साथ दिन में समय नहीं बिता पाते वह रात को बच्चों के साथ समय बिताने के लिए जरूर सोएं। - अच्छे संस्कार जो बच्चे रात के समय अपने पेरेंट्स के साथ सोते हैं उन्हें कहानियां सुना कर आप अच्छे संसकार दे सकते हैं। इन कहानियों से उन्हें बहुत सारी सीख भी मिलती है जिन्हें वह हमेशा याद रखते हैं।

- आत्मसम्मान में वृद्धि

जो बच्चे अपने पेरेंट्स के साथ सोते हैं उनमें आत्मसम?मान में वृद्धि होती है। ऐसे बच्चे किसी के दबाव में कम रहते हैं और वह ज्यादा खुश रहते हैं।

इन लक्षणों से पहचानें बच्चे की नजर कमजोर है

पहले मनोरंजन के नाम पर बच्चे बहुत सारे खेल खेलते थे, जिसमें ज्यादातर आऊटडोर गेम्स शामिल होते थे। वह अपना अधिकतम समय कहानी सुन कर या खेल-कूद में बिताया करते है लेकिन अब तो टैलीविजन, वीडियो गेम्स और कंप्यूटर ही उनकी पहली पसंद बन गए हैं। टैलीविजन और वीडियो गेम्स के सामने बैठे वह अपने शरीर को बिलकुल भी हिलाना पसंद नहीं करते। लेकिन यह पैरेंट्स की जिम्मेदारी बनती हैं कि वह अपने बच्चों के स्वास्थय का पूरा ध्यान रखें। बच्चे के शरीर की तरह उनकी आंखें भी बहुत कोमल होती है। अगर छोटी उम्र में ही चश्मा लग जाएं तो पूरी उम्र उससे पिछा नहीं छुटता। यदि आपको यह लगता है कि आपके बच्चे की नजर कमजोर हो रही हैं तो नीचे दिए गए लक्षणों को ध्यान में रखें। अगर लक्षण दिखाई दे तो तुरंत आंखों की जांच करवाएं।

1. बार-बार आंखों को मलना यह बच्चों की कमजोर नजर की निशानी हो सकती है। वैसे कई बच्चों को वैसे भी आंखें मलने की आदत होती है।

2. लगातार सिर दर्द की होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं लेकिन लेकिन अगर बच्चे को टीवी देखते या पढ़ाई करते समय सिर दर्द हो तो यह आई साइड विक की निशानी हो सकती है। 3. अगर बच्चा एक आंख बंद करके टीवी देखें या वीडियो गेम खेले तो समझ लें कि उसे चश्मा लगने वाला है।

4. तेज रोशनी में पलके झपकना और धीमी रोशनी को ओर बढ़ते वक्त धब्बे नजर आते हैं तो यह लक्षण विटामिन की कमी के हैं। अपने बच्चे के आहार में विटामिन ए की मात्रा को बढाएं और उसे रोज सुबह गाजर का जूस पिलाएं।

5. भेंगापन कई बार बच्चे मज़ाक में भी अपनी नजरों को तिरछा करते हैं। यदि ये मजाक ना होकर हर दूसरे, तीसरे दिन की आदत बनती जा रही है तो अपने बच्चे की आंखों का इलाज कराएं।

6. सिर को बार-बार घुमाना भी कमजोर नजर का एक लक्षण है। यदि आपका बच्चा टी.वी. देखते समय बीच-बीच में आंखों को बंद करके सिर को हिलाता रहता है, तब इस लक्षण पर ध्यान दें।

7. अगर बच्चे को दूर से कोई चीज साफ ना नज़र आए और वह उसे देखने के लिए बहुत करीब आए तो बच्चे की नजर जरूर चैक करवाएं।

8. आई बॉल की गति से लक्षण को पहचानना मुश्किल हो सकता है। इस लक्षण को पहचाने के लिए बात करते वक्त आपको अपने बच्चे की आंखों को गौर से देखना होगा। यदि आई बॉल की गति में कुछ भिन्नता नज़र आए तो तुरंत एक नेत्र विशेषज्ञ से संपर्क करें।

9. नींद पूरी ना होने के कारण भी बच्चों की आंखें लाल हो सकती हैं लेकिन रोज लालगी आती है तो नजर टेस्ट जरूर करवाएं।

10. आंखों में दर्द के कारण बच्चे को आंखों में चुभन महसूस होती है तथा उसके आंखों से पानी भी आने लगता है तो समझ लें आंखों की रोशनी कम हो

मां-बाप की लड़ाई में क्यों पिसे बच्चा?

बच्चों के व्यवहार पर उसके माता-पिता के व्यवहार की छाप दिखाई देती है। यह बात बहुत सारी रिसर्च में भी कहीं गई है कि बच्चे के व्यवहार में 90 प्रतिशत असर उसके अभिभावकों के व्यवहार का ही होता है। उनके स्वभाव और सोच पर आपको वैसी ही झलक दिखाई देगी जैसा माहौल उसे बचपन से लेकर बड़ा होने तक मिला होगा। अगर माहौल खुशनुमा हैं तो बच्चा खुश मिजाज होगा लेकिन अगर माहौल लड़ाई-झगड़े से भरा पड़ा हैं तो बच्चे का स्वभाव गुस्सैल, चिड़चिड़ा और ईर्ष्या वाला होगा। बहुत सारे मातापिता ऐसे हैं जो अपने बच्चों के सामने ही लड़ाई, बहस और मारपीट शुरू कर देते हैं लेकिन क्या उन मां-बाप ने कभी सोचा है कि ऐसा करने पर बच्चे के मन पर क्या बीतती होगी या इस लड़ाई का उनके दिमाग पर कैसा असर पड़ता होगा। ऐसे माहौल से बच्चे की लाइफ में कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। वह मानसिक रूप से बीमार पड़ सकते हैं। * **माता-पिता के झगड़ों का बच्चों पर बुरा असर**

-डिप्रैशन

बच्चे डिप्रैशन का शिकार हो जाते हैं क्योंकि उन्हें खुशहाल माहौल और प्यार नहीं मिलता।

-सहमें रहना बच्चों के सामने मारपीट, बहस और गाली-ग्लौच करते हुए पैरेंट्स इस बात को भूल जाते हैं कि उनकी इन हरकतों की वजह से उनके बच्चे सारी उम्र डरे सहमें रहते हैं। उन्हें किसी भी रिश्ते को निभाने में डर लगता है।

-मानसिक रूप से परेशान

ऐसे माहौल में रहने वाले बच्चों को मानसिक विकास अच्छे से नहीं हो पाता। वह बचपन की मस्तियों को खो देते हैं। कई बार तो बच्चा खुद को ही उन झगड़ों की वजह मानने लगता है।

-चिड़चिड़ा और गुस्सैल

झगड़े को देखकर उसका स्वभाव भी चिड़चिड़ा और गुस्सैल हो जाता हैं, जिसका असर जीवन भर उसकी जिंदगी में देखने को मिलता हैं। यही स्वभाव आगे चलकर उसकी लाइफ में बहुत सारी प्रॉब्लम खड़ी कर देता है।

- पढ़ाई में कमजोर

ऐसे बच्चे का दिमाग कभी फ्रैश नहीं होता। वह न तो ढंग से किसी दूसरे बच्चे से बात कर पाता हैं और न ही पढ़ाई।

***इन बातों का रखें ध्यान**

-माता-पिता आपसी मन-मुटाव की बातें बंद कमरे में ही निपटाएं।

-बच्चों के सामने ऐसी कोई बात न करें जो उन्हें तनाव दें।

- बच्चों को बड़ों की आपसी बातचीत से दूर रखें।

- बच्चे को खुशनुमा माहौल दें।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रायल्स और गुजरात टाइटंस का मुकाबला

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम शनिवार को आईपीएल में यहां के सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से खेलेगी। रॉयल्स का लक्ष्य इस मैच में घरेलू मैदान पर जीत दर्ज कर प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ना रहेगा। अभी तक इस सत्र में दोनो ही टीमों ने छह-छह मैच जीतकर 12 अंक हासिल किये हैं। दोनो ही टीमों के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं जिससे ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। राजस्थान के पास यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं जो उसे बड़ी स्कोर तक पहुंचा सकते हैं जबकि जोफा आर्चर, रवि बिश्नोई जैसे गेंदबाज हैं। टीम के कप्तान रियान पराग भी इस मैच में जीत के साथ ही टीम को आगे ले जाना चाहेंगे। वहीं गुजरात के पास कप्तान शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्शन जैसा बेहतरीन बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में उसके पास कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज के अलावा राशिद खान जैसा स्टार गेंदबाज है। मौजूदा सीजन में यहां अब तक दो मुकाबले खेले गए हैं जो कि दोनों ही लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीते हैं। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम यहां पहले गेंदबाज़ी ही करना चाहेगी। ऐसे में पहले पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को अपने स्कोर का बचाव करने कम से कम 220 रन बनाने होंगे। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच कुल 9 मुकाबले हुए हैं जिसमें से रॉयल्स ने 3 जबकि टाइटंस ने 0 जीते हैं। इस प्रकार देखा जाये तो गुजरात की दावेदारी मजबूत नजर आती है।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, डोनोवन फरेरा, शुभम दुबे, जोफा आर्चर, रवि बिश्नोई, नंद्रे बर्गर, बृजेश शर्मा। इम्पैक्ट प्लेयर-तुषार देशपांडे।

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, जेसन होल्डर, अरशद खान, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर-मानव सुथार।

प्रिंस की गेंद ने उड़ाया विकेट, देखकर हैरान हुए विराट

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली शुरुआत में ही प्रिंस यादव का शिकार बने। इस मैच में दूसरा ओवर फेंकने आए प्रिंस के सामन विराट थे। प्रिंस की पहली गेंद पर कोहली ने सतर्कता बरती। अगली गेंद, 140.4 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आई। प्रिंस ने पहली गेंद आउटस्विंगर डाली थी, लेकिन इस बार गेंद पिच पर टप्पा खाने के बाद बिजली की तेजी से अंदर की तरफ घूम गई। कोहली एक शानदार फॉरवर्ड पुश खेलने के लिए आगे बढ़े, लेकिन गेंद और बल्ले के बीच इतना फासला रह गया कि किसी को कुछ समझ ही नहीं आया। गेंद ने कोहली के डिफेंस को भेदते हुए सीधा ऑफ स्टंप उखाड़ दिया, जिससे स्टंप्स हवा में बिखर गये। जैसे ही स्टंप्स की गिल्लियां हवा में बिखरीं, पूरा इकाना स्टेडियम एक पल के लिए सुन्न हो गया। विराट क्रीज पर ही देखते रह गए। वह हैरान होकर पिच को ताकने लगे। उन्हें भरोसा ही नहीं हो रहा था कि एक युवा और अनुभवहीन गेंदबाज ने उनकी तकनीक में सेंध लगा दी है। कोहली के चेहरे पर अविश्वास के भाव थे, मानो वह खुद से पूछ रहे हों कि गेंद इतनी अंदर कैसे आई। सिर्फ 2 गेंदों का सामना और स्कोरबोर्ड पर 0 रन। यह 'गोल्डन डक' तो नहीं था, लेकिन यह 2-बॉल डक आरसीबी के प्रशंसकों के लिए किसी सदमे से कम नहीं था। दूसरी तरफ, प्रिंस यादव हवा में मुक्के मारते हुए खुशी से झूम रहे थे। एक युवा गेंदबाज के लिए विराट कोहली का विकेट लेना किसी सपने के सच होने जैसा था। कोहली कुछ पलों तक वहीं खड़े रहे, फिर भारी मन से पवेलियन की ओर चल दिए।

श्रेयस अय्यर बन सकते हैं भारतीय टीम के कप्तान, सूर्यकुमार यादव का कटेगा पत्ता

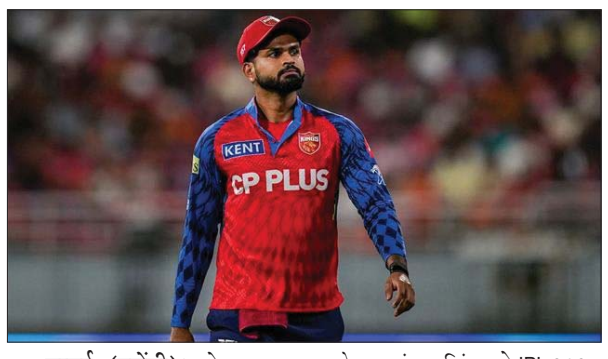

मुम्बई (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर को जल्द ही उनकी शानदार IPL कप्तानी के रिकॉर्ड का इनाम मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय चयनकर्ता उन्हें भारत की टी20आई टीम के अगले कप्तान के तौर पर देख रहे हैं। इस कदम से मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव का पत्ता कट सकता है।

रिपोर्ट्स के अनुसार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) भविष्य के लिए एक नया टी20आई सेटअप तैयार करना चाहता है, जिसमें श्रेयस अय्यर टीम की कप्तानी करने के लिए सबसे आगे चल रहे हैं। भारत एक व्यस्त टी20 कैलेंडर की तैयारी कर रहा है जिसमें 2028 का टी20 विश्व कप और 2028 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक शामिल हैं, जहां क्रिकेट की खेलों में वापसी होगी।

फ्रैंचाइजी क्रिकेट में एक कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर के उभार ने कथित तौर पर चयनकर्ताओं की सोच में एक बड़ी भूमिका निभाई है। इस स्टाइलिश बल्लेबाज ने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को उनका तीसरा IPL खिताब दिलाया और उसके बाद पंजाब किंग्स को IPL 2025 के फाइनल तक पहुंचाया। उनके नेतृत्व कौशल, रणनीतिक समझ और दबाव वाली स्थितियों को संभालने की क्षमता की भारतीय क्रिकेट जगत में खूब तारीफ हुई है।

इसके विपरीत सूर्यकुमार यादव पिछले कुछ महीनों से अपनी फॉर्म से जूझ रहे हैं। इस 35 वर्षीय बल्लेबाज ने टी20 विश्व कप के दौरान 9 पारियों में 242 रन बनाए जिसमें से 84 रन उन्होंने USA के खिलाफ एक ही पारी में बनाए थे। उनकी खराब फॉर्म IPL 2026 में भी जारी रही, जहां मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वे पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे के पायदान पर बने हुए हैं।

भारत इस साल के अंत में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20आई मैच और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20आई सीरीज खेलने वाला है। यह सीरीज भारतीय टी20 क्रिकेट में श्रेयस अय्यर के युग की शुरुआत साबित हो सकती है।

आरसीबी से मुकाबले से पहले मुंबई इंडियंस के लिए अच्छी खबर, कप्तान हार्दिक पांड्या टीम से जुड़े

रायपुर (छत्तीसगढ़) (एजेंसी)। कप्तान और स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पीठ में खिंचाव के कारण पिछला मैच नहीं खेल पाए थे, अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ अपने अहम IPL 2026 मुकाबले से पहले रायपुर में मुंबई इंडियंस (MI) टीम से जुड़ गए हैं। इस बात की पुष्टि फ्रेंचाइजी के इंस्टाग्राम पेज पर की गई जहां उन्होंने अपने कप्तान हार्दिक की एक पोस्ट शेयर की।

लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ MI के पिछले IPL 2026 मुकाबले के दौरान हार्दिक की जगह सूर्यकुमार यादव ने टीम की कप्तानी की थी। LSG पर मुंबई की शानदार जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रयान रिकेटन ने हार्दिक की चोट को लेकर उठ रही चिंताओं पर बात की। रिकेटन ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि उनके कब तक वापस आने की उम्मीद है। मुझे आज दोपहर ही पता चला कि उनकी पीठ में खिंचाव है, इसलिए मुझे यह नहीं पता कि यह कितना गंभीर है। मैं इसे चोट नहीं कहना चाहूंगा; मुझे नहीं पता कि यह कितनी बुरी है या उन्हें कैसा महसूस हो रहा है। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि इस हफ्ते जब हम रायपुर जाएंगे, तो वह फिर से टीम के साथ होंगे।'

शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में एक पूरा ट्रेनिंग सेशन तय है और उम्मीद है कि पांड्या शुक्रवार को नेट्स में टीम के साथ अभ्यास करेंगे। डिफेंडिंग चैंपियन RCB रविवार शाम को होने वाले एक जबरदस्त मुकाबले में 5 बार की चैंपियन टीम की मेजबानी करेगी। सात हार और तीन जीत के साथ मुंबई इंडियंस पॉइंट्स टेबल पर नौवें स्थान पर है और प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी थोड़ी-बहुत उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए उसे अपने बचे हुए सभी मैच जीतने होंगे। इस बीच लखनऊ में रस्त से हारने के बाद बेंगलुरु की टीम तीसरे स्थान पर खिसक गई है, और इस टूर्नामेंट में यह उनकी चौथी हार है।

आईपीएल को लेकर बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने जारी की नई एडवाइजरी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र में कई नियमों के उल्लंघन पर नाराजगी जताते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने खिलाड़ियों और टीम मालिकों के लिए एक नई एडवाइजरी जारी की है। इसमें कई नियमों के साथ ही आचार संहिता के पालन पर भी जोर दिया गया है। इस दौरान बोर्ड की एंटी-करप्शन यूनिट (एसीयू) ने डग-आउट में अनधिकृत व्यक्तियों के मौजूद रहने के साथ ही ऐसे कई ऐसे नियमों के उल्लंघन की ओर इशारा किया है जो अभी तक सार्वजनिक नहीं हुए हैं। जिससे बोर्ड को ये कदम उठाना पड़ा है। बोर्ड को आशंका है कि इससे फिक्सिंग और हनी-ट्रैप के मामले हो सकते हैं। इन जानकारियों के आधार पर, बीसीसीआई ने सभी आईपीएल टीमों को एक एडवाइजरी भी भेजी है और इस सप्ताह के अंत में सभी फ्रेंचाइजी के सीईओ की एक बैठक भी बुलाई है। इस बैठक का लक्ष्य उन्हें नियमों की याद दिलाना और उन टीमों या व्यक्तियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करना है जिन्होंने नियमों का पालन नहीं किया है। सैकिया ने बताया कि अनधिकृत लोग टीम बस, होटलों और डग-आउट एरिया में यात्रा करते या घूमते पाए गए हैं, जो सुरक्षा और अखंडता के लिए खतरा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि खिलाड़ियों और टीमों के आचरण से जुड़े नियम 2008 से लागू हैं, लेकिन हाल के दिनों में इन नियमों को लेकर लापरवाही देखी गई है। बोर्ड अब किसी भी उल्लंघन पर ढिलाई नहीं बरतेगा और आगामी बैठक में सभी को इस एडवाइजरी के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया जाएगा। नई एडवाइजरी में बीसीसीआई ने कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने चेताया है कि हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों को निशाना बनाकर उन्हें हनी-ट्रैप में फंसाया जा सकता है। ऐसे में टीमों को हर समय सतर्क रहने को कहा गया है। इसके अलावा, टीम मैनेजर की लिखित अनुमति के बिना कोई भी बाहरी व्यक्ति खिलाड़ी या स्टाफ के कमरे में नहीं जा सकता; मेहमानों से केवल होटल की लॉबी या पब्लिक एरिया में ही मिला जा सकता है। कुछ खिलाड़ियों द्वारा सुरक्षा अधिकारियों को बताए बिना होटल से बाहर जाने की प्रवृत्ति पर भी रोक लगाई गई है; अब होटल से बाहर जाने के लिए सुरक्षा अधिकारी से मंजूरी लेना अनिवार्य है और खिलाड़ियों के मूवमेंट का पूरा रिकॉर्ड रखा जाएगा। यह भी स्पष्ट किया गया है कि खिलाड़ियों को स्टेडियम, होटल और प्रैक्टिस के दौरान अपना आईडी कार्ड हमेशा गले में पहनना होगा, और आईडी दिखाने में आनाकानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में किया अपना 100वां गोल

रियाद। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में अपना 100वां गोल किया जिससे अल-नासर ने अल-शबाब को 4-2 से हराकर तालिका में शीर्ष पर पांच अंकों की बढ़त बना ली। इस 41 वर्षीय फॉरवर्ड ने गुरुवार को मैच समाप्त होने से 15 मिनट पहले साडियो माने के क्रॉस पर हुए गोल किया जो उनके करियर का 971वां गोल है। यह इस सत्र में लीग में उनका 26वां गोल भी था। चेल्सी के पूर्व खिलाड़ी जोआओ फेलिक्स ने अल-नासर की तरफ से तीन गोल किए। इस जीत से अल-नासर के 32 मैचों में 82 अंक हो गए हैं, जो दूसरे नंबर पर काबिज अल-हिलाल से पांच अंक अधिक हैं। अल-हिलाल को अभी तीन मैच खेलने हैं जो अल-नासर से एक अधिक है। पांच बार के बैलोन डीओर विजेता रोनाल्डो दिसंबर 2022 में अल-नासर से जुड़े थे लेकिन उनकी मौजूदगी में इस टीम ने सऊदी अरब में अभी तक कोई बड़ी ट्रॉफी नहीं जीती है।

आईपीएल में इस बार पंजाब के खिताब जीतने की सबसे अधिक उम्मीद : इरफान पठान

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान का मानना है कि IPL 2026 में इस बार कोई नई टीम खिताब जीत सकती है। पठान के अनुसार पंजाब किंग्स ने इस बार बेहतरीन प्रदर्शन किया है और उसके खिताब जीतने की काफी उम्मीदें हैं। आईपीएल में करीब 50 मुकाबले हो गये हैं और प्लेऑफ के लिए दावेदारी तेज हो गयी है। पंजाब की टीम पिछले साल उपविजेता रही थी। इस बार वह अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है। जबकि पिछले साल की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) तीसरे नंबर पर हैं। पठान को उम्मीद है कि इस बार श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब पहली बार खिताब जीत सकती है। पठान ने कहा, पंजाब के पास बहुत अच्छा मौका है। वे प्रभावी क्रिकेट खेल रहे हैं और उनके पास एक अच्छा संयोजन है। टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं बस उसे एक और स्पिनर की जरुरत है जिसकी कमी ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली पूरी कर सकते हैं। पठान ने इसके अलावा कहा कि दिल्ली कैपिटल्स की भी संभावनएं हैं हालांकि टीम अभी अंक तालिका में पीछे है पर उसे मुकाबले से बाहर नहीं माना जा सकता है। इसका कारण है कि दिल्ली भी अच्छी टीम है। अभी उसकी संभावनएं कम लग रही हैं पर उसमें क्षमताएं हैं। वही दूसरी ओर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि इस बार भी मौजूदा चैंपियन आरसीबी अपना खिताब बनाये रखने में सफल रहेगी। रैना ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी अपने खिताब का बचाव कर सकती है। जिस तरह से वे खेल रहे हैं, और जिस तरह से उनकी गेंदबाज़ी इकाई काम कर रही है जिसमें कप्तान रजत पाटीदार आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं वह काफी प्रभावशाली रहा है। यह केवल 240-250 जैसे बड़े स्कोर बनाने के बारे में नहीं है; बल्लेबाजी ईकाई में हर कोई अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझता है। इसके अलावा कहा कि राजस्थान रॉयल्स और गुंजरात टाइटंस भी खिताब की दावेदार नजर आती है। उन्होंने कहा कि रॉयल्स और गुजरात के खिलाड़ियों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

टी20 में टिके रहने गेंदबाजों को विविधता लाने के साथ ही नये अस्त्र जोड़ने होंगे : क्रुणाल पांड्या

लखनऊ (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार से टी20 प्रारुप में बल्लेबाज नियमों का लाभ उठाते हुए आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं। उसे देखते हुए गेंदबाजों को भी विविधता अपनानी पड़ेगी तभी वे मुकाबले में टिक पायेंगे। क्रुणाल ने कहा, अगर आप पिछले एक दशक से आईपीएल को करीब से देख रहे हैं, तो अपने देखा होगा कि बल्लेबाजों की आक्रामकता में तेजी आई है। आज पावर-हिटिंग लगातार विकसित हो रही है और नए जमाने के बल्लेबाज आसानी से बड़े शॉट लगा रहे हैं। ऐसे में गेंदबाज के रूप में, आपको विविधत लाते हुए नये प्रयोग करते रहने होंगे। नये प्रकार के अस्त्र लाकर ही गेंदबाज हावी हो सकते हैं। इसके लिए उन्हे बल्लेबाजों से एक कदम आगे रहना होगा। । इसी कारण उन्होंने वह बाउंसर और यॉर्कर जैसी गेंदों फेंकने लगे हैं।

इस सीजन में अब तक 9 विकेट लेने वाले और आईपीएल में कुल 100 विकेट का आंकड़ा पार कर चुके क्रुणाल ने मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए अपने को प्रासंगिक बनाए रखा है। एक स्पिनर होने के बावजूद, उन्होंने बाउंसर पर भरोसा किया। उन्होंने बताया कि यह अचानक नहीं था कि एक स्पिनर के तौर पर उन्होंने बाउंसर फेंकना शुरू कर दिया। यह एक सोची-समझी योजना थी, जिसमें बल्लेबाज पर बाउंसर के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को समझना शामिल था। खुद बल्लेबाज होने के नाते, उन्हें प्रतिद्वंद्वी की मानसिकता समझने में मदद मिलती है, जिससे वह हमेशा सोचने की प्रक्रिया में एक कदम आगे रहने की कोशिश करते हैं।

क्रुणाल की रणनीति उनके कमजोर स्कोरिंग क्षेत्रों को निशाना बनाने पर केंद्रित होती है। अगर कोई बल्लेबाज कवर्स के ऊपर से आसानी से रन बनाता है, तो क्रुणाल उसे मिड-विकेट के ऊपर से शॉट खेलने के लिए मजबूर करने की कोशिश करते हैं। इसी तरह, अगर उसे स्लॉग स्वीप पसंद है, तो उसे लॉन्ग ऑफ के ऊपर से शॉट खेलने पर मजबूर किया जाता है।

केएल राहुल ने रचा इतिहास, तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजियों के लिए 1000 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली। अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच हुए मुकाबले के दौरान केएल राहुल ने अपने IPL करियर में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। राहुल की पारी 23 रन पर ही समाप्त हो गई, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के इस बल्लेबाज ने IPL के इतिहास में ऐसा पहला खिलाड़ी बनकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया जिसने तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजियों के लिए 1000 से ज्यादा रन बनाए हों। राहुल ने अब पंजाब किंग्स के लिए कुल 2548 रन, लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए 1410 रन और दिल्ली कैपिटल्स के लिए 1002 रन बनाए हैं। यह उपलब्धि इस टूर्नामेंट में पिछले कुछ सालों के दौरान अलग-अलग टीमों और बैटिंग भूमिकाओं में उनकी निरंतरता को दर्शाती है। केएल राहुल का विकेट पांचवें ओवर की आखिरी गेंद पर गिरा जब कार्तिक त्यागी ने एक धीमी गेंद डालकर राहुल को चकमा दे दिया। गेंद को कवर के ऊपर से 'इनसाइड-आउट' शॉट लगाकर हवा में उछालने की कोशिश में राहुल गेंद की पिच तक नहीं पहुंच पाए और गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर मिड-ऑन की तरफ हवा में ऊंची चली गई, जहां कैमरन ग्रीन ने एक शानदार कैच लपक लिया।

इस साल के अंत में त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज की मेजबानी करेगा पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका भी होंगे शामिल

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए आने वाला सत्र काफी व्यस्त रहने वाला है। पाक इस साल के अंत में एक त्रिकोणीय सीरीज की मेजबानी करेगा जिसमें इंग्लैंड और श्रीलंका की टीमें भी खेलेंगी। यह सीरीज अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने की संभावना है। पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका के क्रिकेट बोर्ड के बीच इस पर सहमति तकरीबन बन गयी है। केवल मैच स्थलों को अंतिम रुप दिया जा रहा है। टी20 क्रिकेट के कारण आजकल एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन अब काफी कम हो गया है। लगभग डेढ़ दशक पहले तक ये काफी लोकप्रिय थीं, लेकिन वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इनका आयोजन कभी-कभी ही होता है। ऐसे में इस त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण घटना होगी, जिससे देश में उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी को और भी मजबूती मिलेगी। त्रिकोणीय सीरीज के अलावा, श्रीलंकाई क्रिकेट टीम भी पाकिस्तान का दौरा कर सकती है, जिसमें दो टेस्ट और तीन टी20 मैच शामिल होने की संभावना है। इन आयोजनों से पहले, पाकिस्तान क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करेंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम 30 मई, 2 जून और 4 जून को तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेगी। सीरीज का पहला मैच रावलपिंडी में खेला जाएगा, जबकि शेष दो मुकाबले लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले जाएंगे। इस सीरीज में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में व्यस्त होने के कारण, पैट कमिंस सहित कई प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अनुपलब्ध रह सकते हैं, क्योंकि आईपीएल 31 मई तक चलने वाला है। ऐसे में, एक नई ऑस्ट्रेलियाई टीम के पाकिस्तान पहुंचने की संभावना है।

लखनऊ को प्लेऑफ में पहुंचने बड़े अंतर से जीतने होंगे अपने सभी मुकाबले

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली जीत से लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें बन गयी हैं। आरसीबी के खिलाफ मिली इस जीत से टीम में उत्साह का संचार भी हुआ है। इस तीसरी जीत के बावजूद, लखनऊ सुपर जाएंट्स की स्थिति अंक तालिका में अभी भी बेहद कठिन बनी हुई है। 10 मैच खेलने के बाद सुपर जाएंट्स की टीम अब तक केवल 3 मैच जीती है जबक 7 हारी है। जिससे वह कुल 6 अंकों के साथ ही अंक तालिका में 10वें स्थान पर ही है। ऐसे में प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए उन्हें अब अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

सुपर जाएंट्स के अभी चार लीग मैच बाकी हैं और प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए इन सभी मैचों में उसे जीत हासिल करनी होगी। है। यदि एलएसजी अपने सभी शेष चार मैच जीत लेती है, तो उनके कुल अंक 14 हो जाएंगे। आमतौर पर, आईपीएल में प्लेऑफ के लिए 14 अंक पर्याप्त नहीं हैं। इससें टीम नेट रन रेट में बेहतर होने पर ही आगे जा सकती है। इसलिए सुपर जाएंट्स को अपने बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतना होंगे।, इसके अलावा लखनऊ को अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना होगा। उन्हें उम्मीद करनी होगी कि प्लेऑफ की दौड़ में शामिल कुछ टीमें अपने महत्वपूर्ण मैच हार जाएं ताकि 14 अंकों का आंकड़ा उन्हें शीर्ष-4 में ले जा सके।

उसके अब 10 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ, 15 मई को फिर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ, 19 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ और 23 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलना है।

टी20 नहीं, वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टेस्ट टीम में शामिल करने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टीम में शामिल करने की मांग तेज हो रही है जिसमें टी20 ही नहीं टेस्ट टीम में शामिल करने का भी समर्थन मिल रहा है। सूर्यवंशी अभी सिर्फ 15 साल के हैं और पिछले एक साल में उन्होंने जो कुछ हासिल किया है। उन्होंने ज़्यादातर टी20 क्रिकेट खेला है और बीच-बीच में कुछ वनडे भी खेले हैं। रेड बॉल क्रिकेट वह फॉर्मेट है जिसमें उन्होंने सबसे कम खेला है। सिर्फ 8 फर्स्ट-क्लास मैच और कुछ यूथ टेस्ट मैचों के अनुभव के साथ सूर्यवंशी निश्चित रूप से लंबे समय में भारतीय टेस्ट टीम के लिए एक संभावित खिलाड़ी बन सकते हैं, लेकिन वह उस फॉर्मेट के लिए सबसे ज़्यादा उपयुक्त हैं जिसमें उन्होंने सबसे ज़्यादा बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

सूर्यवंशी के मेंटर और उन्हें राजस्थान रॉयल्स में लाने के लिए जिम्मेदार जुबिन भरूचा का पक्का मानना है कि इस युवा खिलाड़ी को भारतीय टीम में डेब्यू करवाना ही सबसे सही फैसला होगा। भरूचा का ध्यान 1989 की ओर जाता है, जब BCCI ने युवा सचिन तेंदुलकर पर भरोसा जताया था और उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट कैप सौंपी थी। उसके बाद जो हुआ, जैसा कि कहा जाता है, वह इतिहास है।

भरूचा ने Wisden से कहा, 'यह एक मुश्किल फैसला है, क्योंकि सच कहूं तो अगर आप किसी भी पैमाने जैसे स्कोर, स्ट्राइक-रेट, बनाए गए रन से देखें, तो वह पहले से ही लाइन में इंतजार कर रहे कई लोगों से काफी आगे हैं। मुझे सच में लगता है कि उन्हें विश्वास की वह छलांग लगानी चाहिए, जैसा उन्होंने सचिन तेंदुलकर के साथ किया था और उन्हें सीधे टीम में शामिल कर लेना चाहिए।'

सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट में आजमाने को लेकर जरा भी शक नहीं है, लेकिन भरूचा का मानना है कि इस युवा खिलाड़ी में ओपनर होने के अलावा भी बहुत कुछ खास है। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि तकनीकी रूप से, वह खुद को पूरी तरह से समर्पित नहीं करते। वह हमेशा बैकफुट पर रहते हैं, और मेरे लिए यही बैटिंग का सबसे बड़ा मंत्र है। इसलिए जब गेंद स्विंग हो रही हो, अगर आप अपना फुटफुट आगे नहीं बढ़ाते, तो यह महानतम बल्लेबाजों की निशानी है। सवाल यह है कि क्या हम उन्हें गेंद स्विंग होने पर भी इसी क्रम का पालन करवा सकते हैं। मुझे यह भी लगता है कि ओपनिंग करना उनके लिए सही नहीं है। उनके पास देने के लिए और भी बहुत कुछ है, इसलिए यह कहना गलत होगा कि उन्हें सीधे ओपनिंग स्लॉट में भेज दिया जाए।'

भरूचा ने कहा, 'मैं अभी उन्हें नंबर 4 पर नहीं रखूंगा। वह अभी उससे थोड़ा पीछे हैं। नंबर 5-6, जहां वह शायद 60वें या 70वें ओवर में आकर तेजी से 40-50 रन बना सकते हैं। फिर शायद जब बीच में कहीं नई गेंद आए, तो वह उसे संभालना सीख जाएं। मेरी लंबी अवधि की सोच यह है कि अगर हम उन्हें स्विंग होती गेंद की बारीकियां समझा पाएं कि वह अलग-अलग स्थितियों में उसका सामना कैसे करें। उदाहरण के लिए अगर बेंगलुरु में कोई टेस्ट मैच है, तो वह ओपनिंग करके भी रन बना सकते हैं; लेकिन अगर वह लीड्स या किसी और जगह जाते हैं, जहां आस-पास इतने सारे खिलाड़ी होने की वजह से गेंद ठीक से दिखाई नहीं देती, तो यह एक चुनौती हो सकती है। फिर भी, समय के साथ अगर वह यह सब समझ जाते हैं, तो वह टॉप ऑर्डर में भी उतने ही खतरनाक साबित होंगे जितने कि निचले क्रम में। यही इस पहेली का आखिरी टुकड़ा होगा।'

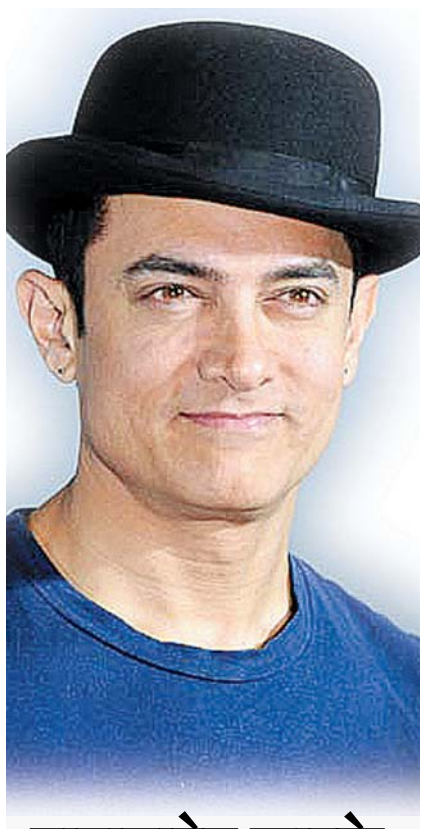

दादासाहेब फाल्के की बायोपिक क्यों रुकी? आमिर ने बताई वजह

करीब एक साल पहले आमिर खान और राजकुमार हिरानी ने भारतीय सिनेमा के जनक दादासाहेब फाल्के पर बायोपिक बनाने का एलान किया था। इस घोषणा के बाद फिल्म को लेकर काफी उत्साह था, लेकिन अब इस प्रोजेक्ट को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

'स्क्रिप्ट से खुश नहीं, इसलिए फिलहाल रोक दी फिल्म'

अमर उजाला से बातचीत में आमिर खान बताते हैं, 'दादासाहेब फाल्के की कहानी बहुत ही इंस्पिरेशनल है, जिस पर राजू काम कर रहे थे। उन्होंने इसके तीन ड्राफ्ट बनाए, लेकिन अभी तक वो स्क्रिप्ट से पूरी तरह खुश नहीं हैं। इसलिए उन्होंने इस फिल्म को फिलहाल बैक बर्नर पर रख दिया है। हो सकता है कि आगे चलकर वो इस पर दोबारा काम करें। फिलहाल इस वक्त राजू '3 इडियट्स 2' पर काम कर रहे हैं। मैंने उसकी कहानी सुनी है, बहुत अच्छी बनी है और अभी उस पर आगे काम चल रहा है।'

'10 साल बाद लौटेंगे '3 इडियट्स' के किरदार'

वह बताते हैं, 'ये बहुत ही अनोखी कहानी है। इसमें '3 इडियट्स' के किरदारों की कहानी दिखाई जाएगी, लेकिन करीब दस साल बाद की। यह एक बहुत खूबसूरत कहानी है, जिसे अभिजात और राजू ने बहुत अच्छे से लिखा और सोचा है।' आमिर मुस्कुराते हुए कहते हैं, 'तो एक बार फिर मुझे फुनसुख वांगडू के उस किरदार में उतरना पड़ेगा।'

'सितंबर या अक्टूबर से शुरू हो सकती है मेरी अगली फिल्म'

अपने आगे के प्लान को लेकर आमिर कहते हैं, 'मैं पिछले आठ महीनों से कई स्क्रिप्ट्स सुन रहा हूं। 'एक दिन' के रिलीज होने के बाद मैं अपने करियर पर थोड़ा फोकस करूंगा। कई कहानियां हैं जो मुझे पसंद आई हैं।' वह आगे कहते हैं, 'अभी मैंने तय नहीं किया है कि कौन सी फिल्म करूंगा, लेकिन अगले एक-दो हफ्तों में, ज्यादा से ज्यादा एक महीने में फैसला ले लूंगा। मेरा अनुमान है कि इस साल के सितंबर या अक्टूबर से शूटिंग शुरू हो जाएगी।'

पवन सिंह से ब्रेकअप के बाद फिर इश्क में पड़ीं अक्षरा सिंह

अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने हाल ही में अपनी लव लाइफ पर बात की है। एक वक्त में उनके प्यार के चर्चे भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह के साथ थे। दोनों का अफेयर रहा, मगर बाद में इनके बीच दूरियां आ गईं और ब्रेकअप हो गया। इतना ही नहीं, यह रिश्ता एक बुरे मोड़ पर टूटा था। अक्षरा ने पवन सिंह पर कई आरोप भी लगाए। हालांकि, पवन सिंह से ब्रेकअप के बाद एक्ट्रेस अब आगे बढ़ गई हैं। उनकी जिंदगी में फिर से प्यार ने दस्तक दी है। अक्षरा बोलीं- 'भूतकाल पर थोड़ी अटकी रहूंगी'

अक्षरा सिंह ने हाल ही में यूट्यूब चैनल जिंदाबाद को दिए इंटरव्यू में अपने करियर और जिंदगी को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा कीं। इस दौरान उनसे सवाल किया गया कि क्या उन्हें दोबारा प्यार नहीं हुआ? इस पर अक्षरा ने मुस्कुराते हुए कहा, 'हुआ है ना। चल रहा है। दोबारा क्या होता है, जो पुराना हो गया वो तो भूतकाल में चला गया। अभी मैं भविष्य की चिंता करूंगी, वर्तमान की चिंता करूंगी या भूतकाल पर अटकी रहूंगी'।

किसे डेट कर रही हैं अक्षरा सिंह?

बातचीत के दौरान अक्षरा ने बताया कि वे एक अनजान शख्स को डेट कर रही हैं। उन्होंने उस शख्स की पहचान उजागर नहीं की। उन्होंने कहा कि वे किसी की नजर नहीं चाहतीं। अक्षरा ने कहा, 'हां मैं प्यार में हूं, लेकिन अभी टाइम है। फिलहाल मैं प्यार के प पर पहुंची हूं। थोड़ा प्रोसेस होने दीजिए, फिर मैं सब बताऊंगी'। अक्षरा सिंह ने आगे कहा कि बिना प्यार के कोई नहीं रह सकता।

मुझे नजर बहुत जल्दी लगती है

प्यार का नाम पूछे जाने पर एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे नजर बहुत जल्दी लगती है। अगर मैंने नाम बता दिया और नजर लग गई तो? शादी का अभी नहीं पता, लेकिन पहले जिनसे प्यार हुआ है उन्हें जान लें। बहुत सी चीजें हैं, वो जब समझ आ जाएंगी तब देखा जाएगा शादी का'। अक्षरा ने कहा कि अभी शुरुआती दौर है, वे खुद अभी फिगर आउट कर रही हैं। बता दें कि एक टाइम पर अक्षरा और पवन सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री में चर्चित कपल थे। मगर, साल 2018 में पवन सिंह ने कथित तौर पर अक्षरा को धोखा देकर ज्योति सिंह से शादी कर ली। अक्षरा ने पवन सिंह पर कई आरोप लगाए थे। फिलहाल पत्नी ज्योति सिंह के साथ भी पवन सिंह का विवाद कोर्ट में चल रहा है।

इसी साल शुरू होगी रणवीर स्टारर 'प्रलय' की शूटिंग

अभिनेता रणवीर सिंह 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' की जबरदस्त सफलता के बाद अब दर्शकों को अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' के रूप में एंटरटेनमेंट का नया डोज देने को तैयार हैं। 'प्रलय' की शूटिंग इस साल अगस्त से शुरू होने वाली है। हाल ही में कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया था कि रणवीर सिंह और निर्देशक जय मेहता के बीच क्रिएटिव मतभेदों के कारण फिल्म में रुकावट आ गई है, लेकिन फिल्म से जुड़े सूत्रों ने इन खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। जानकारी के अनुसार, 'प्रलय' को लेकर फैलाई जा रही अनिश्चितता वाली खबरें पूरी तरह बेबुनियाद हैं। सूत्र के अनुसार, फिल्म का प्री-प्रोडक्शन काम पहले ही शुरू हो चुका है और रणवीर सिंह व निर्देशक जय मेहता स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने में लगातार चर्चा कर रहे हैं।

'वाराणसी' की वजह से इस साल मेट गाला में नहीं शामिल होंगी प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग में बिजी हैं। इस वजह से उन्होंने कई प्रोग्रामों में जाना रद्द कर दिया है। खबरें हैं कि काम के चलते वह इस साल मेट गाला में नहीं शामिल होंगी। यह बात इसलिए ज्यादा ध्यान खींच रही है क्योंकि रेड कार्पेट से उनका गहरा जुड़ाव रहा है। पिछले कुछ वर्षों में मेट गाला में प्रियंका दुनिया भर से आने वाले सबसे जाने-पहचाने चेहरों में से एक रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रियंका चोपड़ा मेट गाला 2026 में शामिल नहीं होंगी। यह इवेंट 4 मई को न्यूयॉर्क के मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में होने वाला है। ब्रिटिश वोग के मुताबिक जब मेट गाला का प्रोग्राम चल रहा होगा तब वह शायद अंटार्कटिका में 'वाराणसी' की शूटिंग कर रही होंगी। मई के पहले सोमवार को अभिनेत्री बिजी हो सकती हैं।

खलेगी प्रियंका की गैरमौजूदगी

पिछले कुछ वर्षों में प्रियंका चोपड़ा ने मेट गाला में कई यादगार अपीयरेंस दिए हैं। अपने शानदार ट्रेंच कोट गाउन से लेकर बोल्ड काउचर लुक्स तक, वह लगातार रेड कार्पेट पर सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली सेलिब्रिटीज में से एक रही हैं। उनके अपीयरेंस अक्सर ग्लोबल पॉप कल्चर की बातचीत का हिस्सा बन जाते हैं। इस वजह से इस साल उनकी गैर-मौजूदगी महसूस की जाएगी।

'वाराणसी' के बारे में

आपको बता दें कि प्रियंका चोपड़ा जल्द ही एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आने वाली हैं। वह इसकी शूटिंग में बिजी हैं। इस फिल्म में उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन होंगे। यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को रिलीज हो सकती है।

जल्द ही खाकी वर्दी में अपना 'कर्तव्य' निभाते नजर आएंगे सैफ अली खान

सैफ अली खान जल्द ही खाकी वर्दी में अपना 'कर्तव्य' निभाते नजर आएंगे। नेटफ्लिक्स की उनकी आगामी फिल्म 'कर्तव्य' की रिलीज डेट आज सामने आ गई है। टीजर के जारी होने के बाद से ही फैंस फिल्म का इंतजार कर रहे थे, अब आज मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट घोषित कर दी है।

शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के तले बनी पुलिस-ड्रामा फिल्म 'कर्तव्य' नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने आज एक पोस्ट के जरिए फिल्म की रिलीज डेट घोषित की है। जिसके तहत 'कर्तव्य' 15 मई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी। नेटफ्लिक्स ने फिल्म से सैफ अली खान का एक पोस्टर साझा किया। इसमें सैफ पुलिस की वर्दी में निराश नजर आ रहे हैं। उनके सामने आग जलती दिख रही है। इसके साथ ही कैप्शन में लिखा गया, 'कर्तव्य के इस चक्रव्यूह में हर फैसला एक इम्तिहान होगा।'

ऐसी है कहानी

'कर्तव्य' की कहानी एक पुलिस अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो ऐसी दुनिया में अपना काम करने की कोशिश करता है जहां सही और गलत की कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है। जहां उसके सामने भावनात्मक और नैतिक दुविधाएं आती हैं, क्योंकि वह पेशेवर जिम्मेदारियों और व्यक्तिगत हितों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता है। जैसे-जैसे खतरे बढ़ते हैं, अधिकारी खुद को अपनी सीमाओं तक धकेला हुआ पाता है और न्याय की कीमत और चुप्पी के परिणामों पर सवाल उठाने लगता है।

फिल्म का निर्देशन 'भक्षक' फेम पुलकित ने किया है। फिल्म में सैफ अली खान मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा रसिका दुगल, संजय मिश्रा, जाकिर हुसैन और मनीष चौधरी सरीखे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण शाहरुख खान की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के तहक किया गया है। इसे प्रोड्यूस गौरी खान ने किया है। 'सेक्रेड गेम्स' की सफलता के बाद सैफ अली खान एक बार फिर पुलिस वाले किरदार में नजर आएंगे।

हमारा स्ट्रगल फिल्म हिट होने के बाद भी खत्म नहीं होता

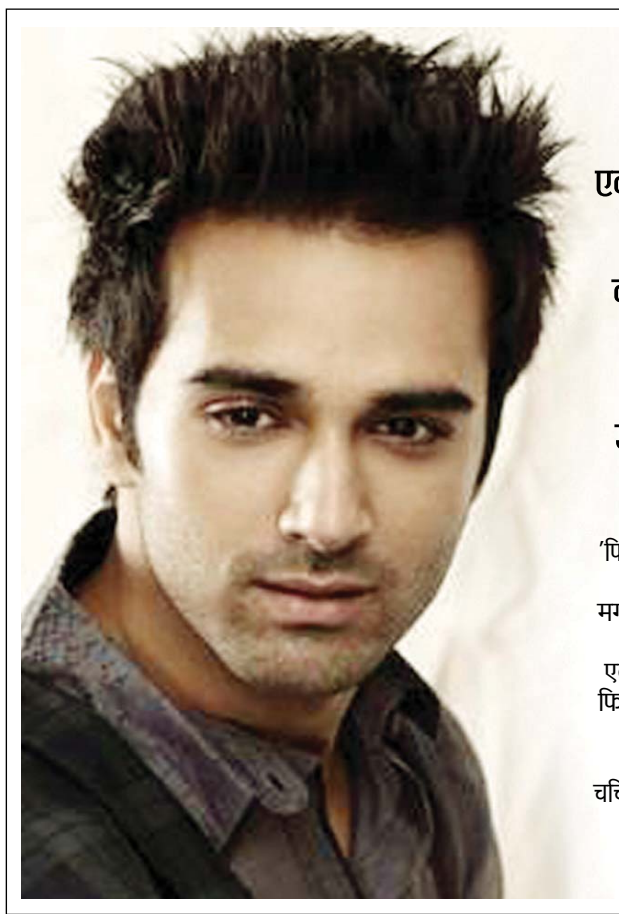

एक्टर पुलकित सम्राट इस वक्त नई सीरीज 'ग्लोरी' को लेकर सुर्खियों में हैं। 'फुकरे' जैसी हिट फ्रैंचाइजी का हिस्सा रहे पुलकित ने कहा कि हिट देने के बाद भी स्ट्रगल खत्म नहीं होता और इसलिए उन्हें काम मांगने में कोई शर्म नहीं आती। उन्होंने स्ट्रगल के अलावा 'ग्लोरी' में रोल और उन खामियों पर बात की, जो दूर की हैं।

'फिल्म इंडस्ट्री में स्ट्रगल के दौरान आपको लगता है कि सबसे मुश्किल काम पहला ब्रेक मिलना है, मगर मेरा यकीन मानिए उससे भी ज्यादा मुश्किल है लगातार काम मिलते रहना।' यह कहना है एक्टर पुलकित सम्राट का। फिल्म 'बिट्टू बॉस' से फिल्मी करियर शुरू करने वाले पुलकित ने अपने इस सफर में सुपरहिट 'फुकरे' फ्रेंचाइजी से लेकर 'डॉली की डोली' और 'पागलपंती' जैसी चर्चित फिल्मों से अपनी पहचान बनाई, मगर पुलकित का कहना है कि बॉलीवुड में काम पाने के लिए लगातार मेहनत करने रहनी पड़ती है।

पुलकित की नई वेब सीरीज 'ग्लोरी' सपनों और महत्वाकांक्षाओं पर आधारित है। ऐसे में, एक्टर बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए की गई जद्दोजहद को याद करते हुए पुलकित बताते हैं, 'इंडस्ट्री में हमारा कोई गॉडफादर नहीं था। हम आउटसाइडर थे और यहां अपनी जगह बनाना चाहते हैं, लेकिन जगह आप तभी बना पाएंगे, जब आपको कुछ काम मिलेगा। इसलिए, पहले तो वो काम मिलना जरूरी है। उस पर आपको लगता है कि सबसे मुश्किल चीज यह पहला काम मिलना ही है। आप सोचते हैं कि बस एक ब्रेक मिल जाए, लेकिन मेरा यकीन करिए कि आपको लगातार काम मिलते रहना सबसे मुश्किल चीज है और उसके लिए आपको मेहनत करते रहना पड़ेगा। आपको जाकर लोगों को खुद को बतौर प्रोडक्ट दिखाना पड़ेगा। वह बहुत जरूरी है।'

काम मांगने में कोई शर्म नहीं है

'खुशकिस्मती से आज हमारे पास इतने प्लेटफॉर्म हैं कि कोई कलाकार ये बोले कि मुझे काम नहीं मिल रहा तो मेरे हिसाब से वो काम करना ही नहीं चाहता क्योंकि आज काम करने की बहुत सारी जगहें हैं। मैंने जब शुरुआत की थी, तब ऐसा नहीं था। आज बहुत सारे मंच हैं। बस आप घर से निकलिए, लोगों से बोलिए कि मुझे काम करना है। काम मांगिए और काम मांगने में कोई शर्म नहीं है, जो पहले मुझे लगता था कि मैं दिखा तो दिया। 'फुकरे' कर ली, फिल्म सुपरहिट हो गई, अब तो कल से लाइन लग जाएगी लेकिन कोई लाइन नहीं लगती। यह सच्चाई है। आपके लिए दरवाजे बेशक खुल जाते हैं पर उस दहलीज को पार करके अंदर जाना आपका काम है और मुझे लगता है कि सेट से ज्यादा काम सेट के बाहर रहता है।'

मैं जैसा पहले था, उस पर गर्व नहीं

सीरीज में पुलकित अपने गुस्से पर काबू करने की कोशिश करते हैं। असल जिंदगी में उन्होंने अपनी किसी खामी पर जीत पाई है? यह पर उन्होंने बताया, 'मुझमें बहुत खामियां थीं। एक वक्त पर मैं अपने आप का एक ऐसा वर्जन था जिस पर मुझे आज बिल्कुल गर्व नहीं है। ऐसी बहुत सी चीजें थीं जो मुझे धीरे-धीरे समझ में आई। जब मैं घर से निकला, अकेले उड़ान भरनी शुरू की, ठोकरें खाई तब मुझे समझ आई कि जीने का ये सही तरीका नहीं है। शुरू में हमें ज्यादा समझ नहीं होती है। आप कभी मजाक में किसी को ऐसी बात बोल देते हैं जो शायद उसे बुरी लगे। आज समझ में आता है कि नहीं यार, मुझे ऐसे नहीं बोलना चाहिए था या मुझे सेट पर ऐसे बर्ताव नहीं करना चाहिए था या मैं इस सिचुएशन को बिना गुस्से के भी हैंडल कर सकता था। तब जब लोग आपको बोलते भी हैं न तो भी समझ में नहीं आता है, जब तक आपके पिछवाड़े पर लात नहीं पड़ती।'

बॉक्सिंग ने सिखाया जिंदगी का सबक

सीरीज में बॉक्सर की भूमिका के लिए की तैयारी पर वह बताते हैं, 'इसमें मेरा किरदार एक प्रोफेशनल बॉक्सर का है, तो उसके लिए बहुत ज्यादा फिजिकल ट्रेनिंग करनी पड़ी। बॉक्सिंग को समझना पड़ा और जब मैंने ट्रेनिंग शुरू की, तब मुझे समझ आया कि बॉक्सिंग केवल फिजिकल नहीं है, यह एक माइंड गेम भी है। यह एक शतरंज के खेल की तरह है जहां आप रिंग में अपने विरोधी का दिमाग पढ़ रहे हैं। उनकी बॉडी लैंग्वेज समझ रहे हैं और मैं कहूंगा कि बॉक्सिंग ने मुझे ये सिखाया कि उन्हीं नियमों को अपनी असल जिंदगी में भी कैसे उतार सकते हैं और मुश्किल परिस्थितियों में उससे कैसे निकल सकते हैं। बॉक्सिंग ने मुझे यह सिखाया कि सिर्फ फिजिकली फिट दिखना काफी नहीं है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में सेना की वापसी, तारिक रहमान सरकार ने लिया कानून-व्यवस्था पर बड़ा फैसला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में तारिक रहमान के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद अब काफी शांति है। देश में कानून-व्यवस्था की स्थिति अब काफी तेजी से सामान्य हो रही है। इसी बीच सरकार ने मैदानी इलाकों में तैनात जवानों को वापस बुलाने का अहम फैसला लिया है। जल्द ही सभी सेना के जवानों को वापस उनकी बैरकों में सुरक्षित भेज दिया जाएगा। यह अहम फैसला मंगलवार को गृहमंत्री की अध्यक्षता में हुई कानून-व्यवस्था संबंधी कोर कमेटी की बैठक में लिया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में पूरे देश की वर्तमान स्थिति की बहुत ही गहनता से समीक्षा की गई। इसके बाद ही सेना को वापस बैरक में भेजने की इस पूरी योजना पर मुहर लगाई गई। अब इस फैसले के तहत छह जून से सेना की वापसी कई चरणों में होगी। सरकार की योजना के अनुसार सबसे पहले दूरदराज के जिलों से सैनिकों को धीरे-धीरे हटाया जाएगा। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से सभी डिविजनल शहरों और बड़े जिलों से सेना को पूरी तरह से हटा लिया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि जून महीने के भीतर मैदान में तैनात सभी जवानों को वापस बुला लिया जाए। बांग्लादेश में जुलाई 2024 में हिंसक हालात को पूरी तरह से नियंत्रित करने के लिए सेना को तैनात किया गया था। इस दौरान पूरे देश में बहुत ज्यादा राजनीतिक उथल-पुथल मची हुई थी जिससे हालात बेहद खराब हो गए थे। पुलिस बल की स्थिति भी उस समय काफी कमजोर थी इसलिए सेना ने कमान संभाली थी। देश में हुए इन बड़े राजनीतिक बदलावों और पुलिसबल की कमजोर स्थिति के कारण सेना को मोर्चे पर डटना पड़ा। जवानों को मजबूरी में काफी लंबे समय तक मैदान में अपनी ड्यूटी पूरी निष्ठा के साथ करनी पड़ी थी। अब हालात काबू में होने पर प्रशासन ने इस जिम्मेदारी को वापस पुलिस को सौंपने का मन बना लिया है। तारिक रहमान सरकार के इस बड़े फैसले से आम जनता में भी अब सुरक्षा को लेकर भारी विश्वास जगा है। सेना की वापसी इस बात का बहुत बड़ा और स्पष्ट संकेत है कि देश में अब सब कुछ सामान्य हो गया है। प्रशासन को पूरी उम्मीद है कि अब पुलिस भी बिना सेना के कानून-व्यवस्था संभालने में पूरी तरह से सक्षम है।

चेम्मनी में सामूहिक कब्र से 250 कंकाल बरामद होने के बाद उठे सवाल, क्या है मौत का सच?

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में जाफना के पास चेम्मनी इलाके में एक कथित सामूहिक कब्र से लगातार नर कंकाल बाहर निकल रहे हैं। इस कब्रगाह की खुदाई के तीसरे चरण में अब तक 249 कंकालों को बाहर निकाला जा चुका है। एक मानवाधिकार मामलों के वकील ने इस बात की पूरी जानकारी मीडिया और अधिकारियों को विस्तार से दी है। श्रीलंका की एक अदालत ने पिछले हफ्ते चेम्मनी में इस सामूहिक कब्रगाह की खुदाई को फिर से शुरू करने का कड़ा आदेश दिया था। पैसों की भारी कमी के कारण इस कब्र की खुदाई का काम लगभग सात महीने पहले पूरी तरह से रोक दिया गया था। अब इस सख्त न्यायिक आदेश के बाद खुदाई का काम फिर से काफी तेज हो गया है। मानवाधिकार वकील रनीथा ज्ञानराजा के अनुसार मंगलवार तक इस तीसरे चरण की खुदाई में 9 और नए कंकाल बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि खुदाई के दौरान कुछ पुराने सिक्के और एक आभूषण जैसा दिखने वाला टुकड़ा भी जमीन से मिला है। इससे पहले दूसरे चरण की खुदाई भी काफी लंबे समय तक चली थी जिसमें बड़ी संख्या में मानव कंकाल बरामद हुए थे। दूसरे चरण की यह महत्वपूर्ण खुदाई 45 दिनों तक लगातार चली थी।

'ईरान पर हम हर स्थिति के लिए तैयार', इस्राइली पीएम नेतन्याहू बोले- ट्रंप से रोज हो रही बात

तेल अवीव , एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उन खबरों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा जा रहा था कि ईरान को लेकर अमेरिका की कूटनीतिक पहल से इस्राइल हैरान रह गया। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से लगभग रोजाना बातचीत हो रही है और दोनों देशों के बीच हर स्तर पर पूरा समन्वय बना हुआ है। नेतन्याहू ने कहा कि हम अमेरिका में अपने सहयोगियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। मैं लगभग हर दिन राष्ट्रपति ट्रंप से बात करता हूं। हमारी और उनकी टीम भी रोज बातचीत करती है। उन्होंने बताया कि देर रात ट्रंप के साथ उनकी फिर बातचीत तय है। इस्राइली प्रधानमंत्री ने कहा कि ईरान के मुद्दे पर उनका देश हर स्थिति के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि इस्राइल और अमेरिका का साझा लक्ष्य ईरान के संवर्धित परमाणु सामग्री कार्यक्रम को समाप्त करना है। इस्राइली अधिकारियों ने हाल के दिनों में ईरान के खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई की संभावना का भी समर्थन किया है।

कनाडा को छोड़ अलग देश बन सकता है अल्बर्टा : अक्टूबर में वोटिंग संभव, अलगाववादियों ने 3 लाख हस्ताक्षर जुटाए

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के पश्चिमी प्रांत अल्बर्टा को अलग देश बनने की मांग और ज्यादा तेज हो गई है। अलगाववादियों ने बुधवार को दावा किया है कि उन्होंने इतना समर्थन जुटा लिया है कि अब स्वतंत्रता पर जनमत संग्रह (रेफरेंडम) कराया जा सकता है।

अलगाववादी नेताओं के मुताबिक, उन्होंने करीब 3 लाख हस्ताक्षर चुनाव अधिकारियों को सौंपे हैं, जबकि इसके लिए 1.78 लाख दस्तखत की जरूरत थी। आंदोलन के नेता मिच सिलवेस्ट्रे ने इसे ऐतिहासिक दिन बताया और कहा कि अब यह लड़ाई अगले चरण में पहुंच गई है। हालांकि इतना समर्थन जुटा लेने का मतलब यह नहीं है कि रेफरेंडम पक्का हो गया है। चुनाव आयोग को पहले इन हस्ताक्षरों की जांच करनी होगी। इस प्रक्रिया पर फिलहाल अदालत के आदेश की वजह से रोक भी लगी हुई है। अगर वोटिंग अल्बर्टा के पक्ष में गई तो यह प्रांत कनाडा को छोड़ अलग देश बन सकता है। अल जजीरा के मुताबिक, अगर सभी कानूनी अड़चनें दूर हो जाती हैं, तो प्रांत में 19 अक्टूबर को प्रस्तावित बड़े जनमत संग्रह के साथ अलगाव पर भी वोटिंग कराई जा सकती है। उसी दिन संविधान और इमिग्रेशन जैसे दूसरे मुद्दों पर भी मतदान की योजना है।

सर्वे में 30% लोग ही अलग देश के पक्ष में : अगर यह प्रस्ताव वोटिंग तक पहुंचता है, तो लोगों से सीधा सवाल पूछा जाएगा कि क्या अल्बर्टा कनाडा से अलग होकर एक स्वतंत्र देश बनना

चाहिए। लेकिन सर्वे बताते हैं कि अभी सिर्फ करीब 30 प्रतिशत लोग ही इसके समर्थन में हैं, यानी जनमत संग्रह पास होना भी आसान नहीं है। हालांकि अलगाववादियों का मानना है कि यह आंकड़ा वोटिंग के दौरान बढ़ने वाला है। अल्बर्टा की प्रीमियर डेनिएल स्मिथ ने कहा है कि अगर जरूरी हस्ताक्षर पूरे होते हैं तो वह वोटिंग आगे बढ़ाएंगी, लेकिन वह खुद कनाडा से अलग होने के पक्ष में नहीं हैं। इस अलगाववादी आंदोलन की जड़ें काफी पुरानी हैं। अल्बर्टा, जहां करीब 50 लाख लोग रहते हैं, लंबे समय से खुद को कनाडा के बाकी हिस्सों से अलग मानता है। यहां के लोग मानते हैं कि उनकी संस्कृति, अर्थव्यवस्था और राजनीति अलग है, लेकिन फैसले ओटावा में बैठकर लिए जाते हैं।

कनाडा से अलग क्यों होना चाहता है अल्बर्टा : कनाडा के अल्बर्टा में अलग देश बनने की मांग अचानक नहीं उठी है। इसके पीछे कई सालों से चल रही नाराजगी और अलग पहचान की भावना काम कर रही है। सबसे बड़ा कारण आर्थिक है। अल्बर्टा तेल और गैस से भरपूर राज्य है। यहां कनाडा के कुल तेल उत्पादन का लगभग 84% हिस्सा निकलता है। यहां के लोगों को लगता है कि वे ज्यादा कमाते हैं, लेकिन फायदा बाकी कनाडा को ज्यादा मिलता है। उन्हें शिकायत है कि टैक्स का पैसा ओटावा जाकर खर्च होता है, जबकि फैसले लेते समय उनकी आवाज कम सुनी जाती है। दूसरा बड़ा मुद्दा केंद्र सरकार से टकराव है। ओटावा में बैठी सरकार के फैसलों को लेकर अल्बर्टा में नाराजगी रहती है। खासकर पर्यावरण और जलवायु से जुड़े नियमों को लेकर। यहां के लोग मानते हैं कि ये नियम उनके तेल और गैस उद्योग को नुकसान पहुंचाते हैं और बिना समझे बनाए जाते हैं। तीसरा कारण पहचान और राजनीति है। अल्बर्टा को कनाडा के बाकी हिस्सों से अलग माना जाता है। यहां की राजनीति ज्यादा कंजर्वेटिव (रूढ़िवादी) है, जबकि केंद्र में लंबे समय से लिबरल विचारधारा हावी रही है। इसके अलावा यहां यह भी भावना है कि केंद्र सरकार उनके संसाधनों पर ज्यादा नियंत्रण रखती है। पाइपलाइन, ऊर्जा परियोजनाएं और निर्यात जैसे मुद्दों पर कई बार फैसले अटकते हैं, जिससे स्थानीय लोगों में गुस्सा बढ़ता है।

ट्रम्प सरकार पर अलगाववादियों को बढ़ावा देने का आरोप : इसी बीच ट्रम्प सरकार पर अलग देश की मांग कर रहे लोगों को बढ़ावा देने का आरोप है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अमेरिका के अधिकारी अल्बर्टा के अलगाववादी नेताओं से मिलते हैं और उनकी मदद करते हैं। इन खबरों से कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी नाराज हो गए थे। उन्होंने इसी साल फरवरी में राष्ट्रपति ट्रम्प को फोन कर कनाडा की संप्रभुता का सम्मान करने को कहा था। कार्नी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिकी सरकार कनाडा के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देगी। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प की सत्ता में वापसी को अलगाववादी अल्बर्टा को अलग करने के लिए सही समय मान रहे हैं। कुछ अलगाववादी अल्बर्टा को स्वतंत्र देश बनाने की बजाय अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात भी कर रहे हैं। फरवरी में कैलगरी और एडमॉन्टन के बीच हाईवे पर एक बिलबोर्ड भी लगा, जिसमें अल्बर्टा को ङ्क में मिलाने की अपील की गई थी। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बैसेंट ने भी हाल में कहा था कि अल्बर्टा अमेरिका का नेचुरल पार्टनर है और वहां के लोग बहुत स्वतंत्र सोच वाले हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि अल्बर्टा के पास प्राकृतिक संसाधनों की भरमार है।

पोप मुझसे खुश हों या नहीं, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं रहेंगे: ट्रंप

वाशिंगटन , एजेंसी। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से कैथोलिक चर्च के सर्वोच्च गुरु पोप लियो और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच तीखी बयानबाजी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। दरअसल युद्ध पर गहरी चिंता जताते हुए पोप लियो ने इसे पूरी मानवता पर एक कलंक बताया था और तत्काल युद्धविराम की अपील की थी, लेकिन उनके इस बयान के बाद से वह ट्रंप की नजर में चढ़ गए। ट्रंप ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि पोप तेहरान द्वारा परमाणु हथियार रखने की क्षमता का समर्थन कर रहे हैं, जबकि वॉशिंगटन इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। इससे पहले मंगलवार को पोप लियो ने कहा था कि उन्होंने कभी परमाणु हथियारों का समर्थन नहीं किया और जो लोग उनकी आलोचना करते हैं उन्हें सच बोलना चाहिए। उन्होंने यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति के उस टिप्पणी के जवाब में कही, जिसमें उन पर ईरान युद्ध पर अपने रुख से बहुत सारे कैथोलिकों को खतरे में डालने का आरोप लगाया गया था। बुधवार (स्थानीय समय) को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान जब राष्ट्रपति से पूछा गया कि विदेश सचिव मार्को रुबियो पोप से कल मिलने वाले हैं। ऐसे में आप उन तक कौन सा संदेश पहुंचाने की उम्मीद रखते हैं। इसके जवाब में ट्रंप ने कहा कि उनका ईरान पर रुख स्पष्ट है। मैं पोप को खुश करूं या न करूं, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो

सकते। उन्होंने कहा कि पोप के बयानों से प्रतीत हुआ कि वह कह रहे थे कि ईरान परमाणु हथियार रख सकते हैं और मैं कहता हूं कि वे नहीं रख सकते। ट्रंप ने कहा कि पोप की संतुष्टि या असंतोष उनके फैसले को प्रभावित नहीं करेगा। ट्रंप ने चेतावनी दी कि ईरान के पास परमाणु हथियार होने से वैश्विक स्थिरता को खतरा होगा। अगर ऐसा हुआ, तो पूरी दुनिया बंधक बन जाएगी, और हम इसे होने नहीं देंगे। मेरा केवल यही संदेश है। दरअसल मार्च में सेंट पीटर्स स्क्वायर में साप्ताहिक एंजेल्स प्रार्थना के दौरान पोप ने कहा था कि हम इतने लोगों के दुख के सामने खामोश नहीं रह सकते, खासकर उन बेबस लोगों के लिए, जो इन संघर्षों के शिकार हुए हैं। उनका दर्द पूरी मानवता का दर्द है। पोप लियो ने कहा कि दुनिया को सिर्फ चिंता जताने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि शांति की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। अप्रैल में, अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान युद्ध पर पोप की आलोचनाओं के जवाब में पोप को अपराध के मामले में कमजोर और विदेश नीति में बेहद खराब बताया था।

अधिकार सुरक्षित रहे तो ईरान युद्ध खत्म करने को तैयार : राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि उनका देश अमेरिका और इजरायल के साथ युद्ध खत्म करने के लिए कूटनीतिक रास्ते अपनाने को तैयार है। इसके साथ ही उन्होंने ईरान के अधिकारों की सुरक्षा पर भी जोर दिया है। ईरानी राष्ट्रपति के दफ्तर की वेबसाइट के अनुसार, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ बुधवार (लोकल टाइम) को फोन पर बातचीत के दौरान पेजेश्कियन ने अमेरिका पर गहरा भरोसा नहीं दिखाया। उन्होंने हाल की दुश्मनी भरी कार्रवाइयों का जिक्र किया, जिसमें द्विपक्षीय बातचीत के दौरान ईरान पर दो हमले भी शामिल हैं। ईरान के राष्ट्रपति ने अमेरिका की ओर से की गई इस कार्रवाई को ईरान की पीठ में छुरा घोंपना बताया। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच यह फोन पर बातचीत तब हुई, जब एक्सियोस ने रिपोर्ट दी कि अमेरिका और ईरान लड़ाई खत्म करने के लिए एक पेज के मेमो पर काम कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि एक संभावित डील में ईरान न्यूक्लियर संवर्धन पर रोक लगाने का वादा करेगा और अमेरिकी प्रतिबंध हटाने पर सहमत होगा। डील के तहत दोनों पक्ष होर्मुज स्ट्रेट से ट्रांजिट पर लगी रोक हटा देंगे। ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच 40 दिनों की लड़ाई के बाद 8 अप्रैल को दो हफ्ते के लिए सीजफायर हुआ था। यह लड़ाई 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमलों से शुरू हुई थी। सीजफायर के बाद, ईरान और अमेरिका ने 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शांति वार्ता की, लेकिन इस बातचीत का कोई हल नहीं निकला था। पिछले कुछ हफ्तों में दोनों पक्षों ने लड़ाई खत्म करने के लिए कई प्रस्तावित प्लान शेयर किए हैं, जिनमें से सबसे नए प्लान का ईरान अभी समीक्षा कर रहा है। इसके अलावा, ईरान ने कहा कि उसने अमेरिका के साथ कोई नया लिखित संदेश एक्सचेंज नहीं किया है। अर्ध सरकारी फार्स न्यूज एजेंसी ने हाल की मीडिया रिपोर्ट्स को मनगढ़ंत बताया और कहा कि उन्हें जमीनी हालात दिखाने के बजाय ग्लोबल मार्केट पर असर डालने और तेल की कीमतें कम करने के लिए डिजाइन किया गया था।

अमेरिकी अदालत से भारतीय मूल के विशेषज्ञ एशले को बड़ी राहत; जासूसी कानून का मामला खारिज

वाशिंगटन , एजेंसी। भारतीय मूल के विशेषज्ञ एशले जे. टेलिस के खिलाफ चल रहे जासूसी कानून से जुड़े मामले में अमेरिकी अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। वर्जीनिया की एक संघीय अदालत ने तकनीकी कानूनी आधार पर यह मामला खारिज कर दिया। अदालती आदेश में कहा गया कि याचिका स्वीकार की गई और मामला बिना किसी पूर्वाग्रह के खारिज किया गया। अमेरिका के वर्जीनिया स्थित यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज माइकल एस. नाचमैनॉफ ने 16 अप्रैल को टेलिस की याचिका स्वीकार करते हुए केस को खारिज करने का आदेश दिया। अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष ने गलत कानूनी प्रावधान के तहत आरोप लगाए थे।

क्या है मामला : टेलिस अमेरिका की विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा और इंडो-पैसिफिक मामलों के जाने-माने विशेषज्ञ माने जाते हैं।

उन पर आरोप था कि उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गोपनीय दस्तावेज अपने निजी घर में रखे थे। अभियोजन पक्ष के मुताबिक टेलिस ने अमेरिकी विदेश विभाग और रक्षा तंत्र से जुड़े वरिष्ठ पदों पर काम करते हुए कई संवेदनशील दस्तावेज अपने पास रखे। सरकार की ओर से दायर आरोपपत्र में कहा गया था कि टेलिस ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी 11 गोपनीय फाइलें अपने निजी निवास पर हार्ड कॉपी और डिजिटल फॉर्म में रखीं। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी उच्चस्तरीय पहुंच का फायदा उठाकर सुरक्षित सरकारी कार्यस्थलों से राष्ट्रीय रक्षा से जुड़ी जानकारी बाहर निकाली और उसे निजी तौर पर संग्रहीत किया। हालांकि टेलिस की कानूनी टीम ने अदालत में दलील दी कि सरकार ने जासूसी अधिनियम की गलत धारा के तहत मामला दर्ज किया। उनके वकीलों का कहना था कि जिस धारा 793(द्) के तहत उन पर आरोप लगाए गए, वह केवल उन लोगों पर लागू होता है, जिनके पास गोपनीय दस्तावेज अनधिकृत रूप से हों। जबकि सरकार खुद मान रही थी कि टेलिस के पास उच्च स्तरीय सुरक्षा मंजूरी थी और उन्हें इन दस्तावेजों तक अधिकृत पहुंच प्राप्त थी। बचाव पक्ष ने अदालत से कहा कि टेलिस को संबंधित दस्तावेज आधिकारिक रूप से सौंपे गए थे, इसलिए उन्हें अवैध कब्जा की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। वकीलों ने यह भी तर्क दिया कि सरकार ने उन पर गोपनीय जानकारी लीक करने या अपनी मंजूरी से बाहर जाकर दस्तावेज हासिल करने का आरोप भी नहीं लगाया। कानूनी टीम ने यह भी कहा कि अभियोजन पक्ष चाहे तो जासूसी कानून की दूसरी धारा 793(स्त्र) या धारा 1924 के तहत मामला दर्ज कर सकता था, जो सरकारी कर्मचारियों द्वारा गोपनीय दस्तावेज हटाने और रखने से संबंधित है।

होर्मुज संकट पर सक्रिय हुआ फ्रांस, राष्ट्रपति मैक्रों ने की ईरानी राष्ट्रपति से बात, स्ट्रेट को तत्काल खोलने का आग्रह

पेरिस, एजेंसी। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के साथ बातचीत के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सभी पक्षों से होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी को बिना किसी देरी और बिना किसी शर्त के हटाने का आह्वान किया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'मैंने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से बात की है। मैंने बढ़ते तनाव पर अपनी गहरी चिंता जाहिर की और यूएई के नागरिक बुनियादी ढांचे व कई जहाजों पर किए गए अनुचित हमलों की निंदा की।' उन्होंने लिखा, 'सभी पक्षों को स्ट्रेट से बिना देरी और बिना किसी शर्त के हटा देना चाहिए। हमें स्थायी रूप से उस व्यवस्था को बहाल करना होगा, जिसमें संघर्ष से

पहले नौवहन की पूर्ण स्वतंत्रता सुनिश्चित थी। फ्रांस और ब्रिटेन का बनाया बहुराष्ट्रीय मिशन जहाज मालिकों और बीमा कंपनियों के बीच भरोसा वापस लाने में मदद कर सकता है। यह मिशन स्वाभाविक रूप से युद्ध में शामिल पक्षों से अलग होगा। एयरक्राफ्ट कैरियर 'चार्ल्स डी गॉल' का आगे तैनात होना इस मामले में फिट बैठता है। राष्ट्रपति मैक्रों ने पोस्ट किया, 'हाल की घटनाओं से ऐसे मिशन की उपयोगिता साफ तौर पर पता चलती है। मैंने ईरानी राष्ट्रपति से इस मौके का फायदा उठाने की गुजारिश की है और मैं इस मामले पर राष्ट्रपति ट्रंप से भी बातचीत करने वाला हूं। स्ट्रेट में शांति की बहाली परमाणु कार्यक्रम, बैलिस्टिक मुद्दों और क्षेत्रीय स्थिति पर चल रही वार्ताओं को आगे बढ़ाने में मदद करेगी। प्रतिबंध हटाने में जिन यूरोपीय देशों की महत्वपूर्ण भूमिका है, वे इसमें अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। राष्ट्रपति मैक्रों और ईरानी राष्ट्रपति के बीच यह वार्ता ऐसे समय में हुई है, जब 'एक्सियोस' की रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका और ईरान युद्ध समाप्त करने के लिए एक समझौते के करीब पहुंच चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार, संभावित समझौते में ईरान परमाणु संवर्धन पर रोक लगाने के लिए सहमत हो सकता है, जबकि अमेरिका प्रतिबंध हटाने पर राजी हो सकता है। साथ ही दोनों पक्ष होर्मुज स्ट्रेट आवाजाही पर लगी पाबंदियां हटाएंगे। बता दें कि ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच 8 अप्रैल को युद्धविराम हुआ था। इससे पहले 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद 40 दिनों तक संघर्ष चला था। युद्धविराम के बाद ईरान और अमेरिका ने 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान में शांति वार्ता का एक दौर आयोजित किया, पिछले कुछ हफ्तों में दोनों पक्षों ने युद्ध समाप्त करने के लिए कई प्रस्तावों का आदान-प्रदान किया है।

त्वचा गोरी करने वाले उत्पाद सेहत के लिए बेहद खतरनाक, WHO बोला- खपत रोकने के लिए बदलनी होगी सोच

जिनेवा, एजेंसी। त्वचा को गोरा करने वाले उत्पादों के बढ़ते इस्तेमाल और उनसे जुड़ी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को अब सीधे हस्तक्षेप करना पड़ा है। संगठन ने पारा युक्त स्किन-लाइटनिंग उत्पादों के खिलाफ नया व्यवहारिक नजरिया टूलकिट जारी किया है, जिसका उद्देश्य केवल इन की बिक्री रोकना ही नहीं बल्कि लोगों में इनके प्रति बढ़ती मानसिक और सामाजिक स्वीकार्यता को चुनौती देना है। डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि ऐसे उत्पाद लंबे समय में दिमागी नुकसान, हार्मोन संबंधी गड़बड़ियां, गर्भस्थ शिशुओं पर असर जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म दे रहे हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार समस्या केवल अवैध या जहरीले उत्पादों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस सामाजिक सोच से भी जुड़ी है जिसमें गोरी त्वचा को सुंदरता, सफलता और आत्मविश्वास का प्रतीक मान लिया गया है। यही कारण है कि अब वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियां केवल प्रतिबंध लगाने के बजाय लोगों के व्यवहार, विज्ञापनों के प्रभाव और सामाजिक दबाव को समझकर मांग कम करने की रणनीति पर काम कर रही हैं। सोशल मीडिया, फिल्म उद्योग और ब्यूटी विज्ञापनों ने इस बाजार को नई गति दी है, जहां गोरी त्वचा को आकर्षण और सफलता से जोड़कर पेश किया जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बड़ी संख्या में युवा इन उत्पादों को आत्मविश्वास बढ़ाने या सामाजिक स्वीकार्यता पाने के साधन के रूप में

देखने लगे हैं। यही वजह है कि चेतावनियों और प्रतिबंधों के बावजूद इनकी मांग कम नहीं हो रही। पारा का असर शरीर से लेकर पर्यावरण तक डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि कई स्किन-लाइटनिंग क्रीम और लोशन में पारा का इस्तेमाल किया जाता है। पारा एक जहरीली धातु है, जो शरीर में जमा होकर तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे याददाश्त, मानसिक विकास और दिमागी कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है। गर्भवती महिलाओं के मामले में इसका असर गर्भस्थ शिशु तक पहुंच सकता है, जिससे बच्चे के विकास पर खतरा बढ़ जाता है। उनके लगातार प्रयोग से त्वचा में जल्दी झुर्रियां पड़ जाती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इन उत्पादों के रसायन पानी के जरिये बाहर निकलते हैं तो मिट्टी और जल स्रोत भी प्रदूषित होते हैं। इससे पर्यावरण और जलीय जीवन पर दीर्घकालिक असर पड़ सकता है। केवल प्रतिबंध नहीं सोच बदलने पर जोर डब्ल्यूएचओ का कहना है कि कई देशों ने पहले भी पारा युक्त उत्पादों पर प्रतिबंध लगाए, लेकिन केवल कानून से समस्या खत्म नहीं हुई। इसी वजह से संगठन ने नया व्यवहारिक टूलकिट तैयार किया है। इसके जरिये यह समझने की कोशिश की जाएगी कि लोग ऐसे उत्पादों तक कैसे पहुंचते हैं, कौन-सी चीजें उन्हें प्रभावित करती हैं।

नेपाल सरकार ने भारतीय वाहनों के लिए शुरू की नई ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सेवा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने भारत से सड़क मार्ग से आने वाले पर्यटकों के लिए एक बहुत ही शानदार सुविधा की शुरुआत की है। अब भारतीय वाहन आसानी से नेपाल जा सकते हैं और इस नई व्यवस्था के तहत पर्यटकों को सीमा पर घंटों तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सरकार ने कस्टम विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर विदेशी पर्यटकों के वाहनों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की शुरुआत कर दी है। इस महत्वपूर्ण ऑनलाइन सेवा का उद्घाटन बुधवार 6 मई 2026 को नेपाल के वित्त मंत्री डॉ स्वर्णिम वाग्ले ने किया है। यह नई व्यवस्था पर्यटकों की यात्रा को बहुत ही आसान और सुखद बनाएगी। अब पर्यटक अपने घर बैठे ही अपने वाहनों का सारा विवरण कस्टम विभाग की वेबसाइट पर आसानी से भर सकते हैं। इसके साथ ही वे अपना टैक्स भी पूरी तरह से ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। नेपाल सीमा पर जाम से मिलेगी राहत पहले भारतीय पर्यटकों को अपने वाहनों की अस्थायी अनुमति लेने के लिए कस्टम नाके पर घंटों कतार में खड़ा होना पड़ता था। इससे यात्रियों को भारी परेशानी होती थी और सीमा क्षेत्रों में हमेशा भयंकर ट्रैफिक जाम रहता था। अब इस नई ऑनलाइन प्रणाली के लागू होने से पर्यटकों को काफी बड़ी राहत मिल गई है। अगर नेपाल यात्रा के दौरान आपके परमिट की तय समय सीमा समाप्त हो जाती है तो कस्टम ऑफिस के चक्कर नहीं लगाने होंगे। नई ऑनलाइन सेवा से पर्यटक नेपाल के अंदर से ही अपने वाहन पास को आसानी से रिन्यू कर सकते हैं। वे बिना किसी बाधा के अपना सारा भुगतान भी ऑनलाइन माध्यम से कर सकते हैं। इस डिजिटल सुविधा का लाभ उठाने के लिए पर्यटकों को कस्टम विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपनी जरूरी जानकारी भरनी होगी। वहां 'हमारी सेवाएं' सेक्शन के अंदर 'अस्थायी

वाहन आयात' का विकल्प चुनना होगा। सारी जानकारी सही-सही भरने के बाद पर्यटकों को एक विशेष क्यूआर कोड प्राप्त हो जाएगा।

क्यूआर कोड दिखाना अनिवार्य होगा टैक्स का भुगतान ऑनलाइन या सीधे बैंक काउंटर के जरिए बहुत ही आसानी से किया जा सकता है। नेपाल में एंट्री करते वक्त और यात्रा के दौरान सुरक्षा जांच में इसी क्यूआर कोड को दिखाना पूरी तरह अनिवार्य किया गया है। यह पूरी व्यवस्था अब डिजिटल, पारदर्शी और काफी अधिक प्रभावी बन चुकी है। वर्तमान में इस सेवा का सबसे अधिक लाभ भारत और बांग्लादेश से आने वाले पर्यटकों को मिलने की पूरी उम्मीद जताई गई है। भविष्य में चीन के रास्ते आने वाले वाहनों के लिए भी यह खास सुविधा शुरू की जाएगी। यह पहल नेपाल के पर्यटन को बढ़ावा देने और प्रक्रियाओं को आधुनिक बनाने में मदद करेगी।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.